सत्यमेव जयते

वार्षिक प्रतिवेदन
2010-11

कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प, व्यापार चिह्न एवं भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री का वार्षिक प्रतिवेदन

अनुक्रमणिका

		पृष्ठ संख्या
अध्याय-I.	पूर्वावलोकन	
अध्याय-II	बौद्धिक संपदा अधिकार की प्रवृत्ति - एक नजर	
अध्याय-III	जन-सेवा परिदान - दक्षता और पारदर्शिता	
अध्याय-IV	एकस्व	
अध्याय-V	अभिकल्प	
अध्याय-VI	व्यापार चिह्न	
अध्याय-VII	भौगोलिक संकेत	
अध्याय-VIII	पेटेंट सूचना पद्धति एवं राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान	
अध्याय-IX	प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं बर्हि-क्रियाकलाप	
अध्याय-X	मानव संसाधन	

अध्याय - I

पूर्वावलोकन

बौद्धिक सम्पदा अधिकार (आई पी आर) को किसी भी अर्थव्यवस्था का मेरूदण्ड माना जाता है तथा किसी भी राष्ट्र के सतत विकास के लिए इसका सृजन एवं संरक्षा अत्यावश्यक है। बौद्धिक सम्पदा अधिकार को अब न केवल रचनात्मकता का संरक्षण करने तथा राजस्व अर्जित करने के साधन के रूप में उपयोग में लाया जाता है बल्कि सामाजिक, आर्थिक तथा तकनीकी विकास के लिए रणनीतिक समन्वय स्थापित करने के लिए भी। तदनुसार, भारत में बौद्धिक सम्पदा कार्यालय अपेक्षित बौद्धिक सम्पदा संस्कृति के सृजन द्वारा सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए ऐसे प्रौद्योगिकीय उन्नयन के उपयोग में वृद्धि करने के लिए कृतसंकल्प है।

वर्ष 2010-11 ने कई जटिल प्रवृत्तियों की झलक दिखाई और समग्र विश्व की अर्थव्यवस्था में व्यापक अस्थिरता का आघात महसूस किया गया। भारतीय अर्थव्यवस्था इन प्रवृत्तियों से अप्रभावित रही।

भारत अब औद्योगिक क्षेत्रों विशेषकर सूचना तकनीकी, भेषज एवं औषधि, अंतरिक्ष अनुसंधान, जैव-तकनीक, मनोरंजन तथा अन्य अनेक विकासमान क्षेत्रों से संबंधित अनुसंधान एवं विकास (आर &डी) के केन्द्र-बिन्दु के रूप में माना जाता है।

भारत ट्रिप्स अनुरूप बौद्धिक सम्पदा कानून के साथ-साथ सबल प्रवर्तन तंत्र और न्यायिक प्रणाली के साथ सर्वोत्तम निवेश अवसर एवं उनके बौद्धिक सम्पदा अधिकार की संरक्षा के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराता है ताकि व्यावसायिक समुदाय अपनी वाणिज्यिक गतिविधियों में विविधता लाने में सक्षम हो सकें।

कार्यालय, महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प तथा व्यापार चिह्न (CGPDTM) वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय, औद्योगिक नीति व संवर्द्धन विभाग के अंतर्गत आता है। हाल में महानियंत्रक कार्यालय को बौद्धिक सम्पदा कार्यालय (आईपीओ) की भी संज्ञा दी गई है। यह कार्यालय पेटेंट अधिनियम, 1970, डिजाइन अधिनियम 2000, व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 तथा वस्तुओं का भौगोलिक उपदर्शन (पंजीकरण एवं संरक्षा) अधिनियम, 1999 का प्रशासन मुम्बई, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई तथा अहमदाबाद में स्थित अपने बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों के माध्यम से करता है।

नागपुर में स्थित पेटेंट सूचना पद्धति (PIS) तथा राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान (NIIPM) भी कार्यालय, महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प तथा व्यापार चिह्न के अधीक्षण के अंतर्गत आते है। पेटेंट सूचना पद्धति, पेटेंट विनिर्देश का व्यापक संकलन तथा विश्व स्तर पर पेटेंट संबंधित साहित्य का संकलन रखता है ताकि अनुसंधान एवं विकास स्थापना, सरकारी कार्यालय, उद्योग, व्यवसाय के विभिन्न उपयोक्ताओं एवं आविष्कारकों तथा अन्य उपयोक्ताओं को ज्ञान-सम्पन्न व्यावसायिक निर्णय करने में सहायता देने के लिए तकनीकी सूचना की आवश्यकताओं की पूर्ति की जा सके।

राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान (NIIPM) बौद्धिक सम्पदा अधिकार से संबंधित विषयों के क्षेत्र में प्रशिक्षण, प्रबंधन, अन्वेषण, अध्ययन के गुणता संपन्न राष्ट्रीय केन्द्र के रूप में एकस्व एवं अभिकल्प के परीक्षकों, व्यापार चिह्न एवं भौगोलिक संकेत के परीक्षकों, बौद्धिक सम्पदा व्यावसायियों, देश के बौद्धिक सम्पदा प्रबंधकों को प्रशिक्षण देने तथा उपयोक्ता समुदाय, सरकारी सेवकों तथा बौद्धिक सम्पदा अधिकार के सृजन, वाणिज्यिकरण तथा प्रबंधन में लगे सहभागियों को प्रारंभिक ज्ञान उपलब्ध कराने का कार्य करता है। यह संस्थान बौद्धिक सम्पदा संबंधी विषयों पर अन्वेषण भी सुलभ कराएगा जिसमें सरकार के लिए उपयोगी अध्ययन प्रतिवेदन तथा नीति विश्लेषण तैयार करना शामिल है। वर्तमान में देश की अन्य कोई संस्था इन गतिविधियों में शामिल नहीं है।

बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों के संगठनात्मक विवरण निम्नवत् हैं:

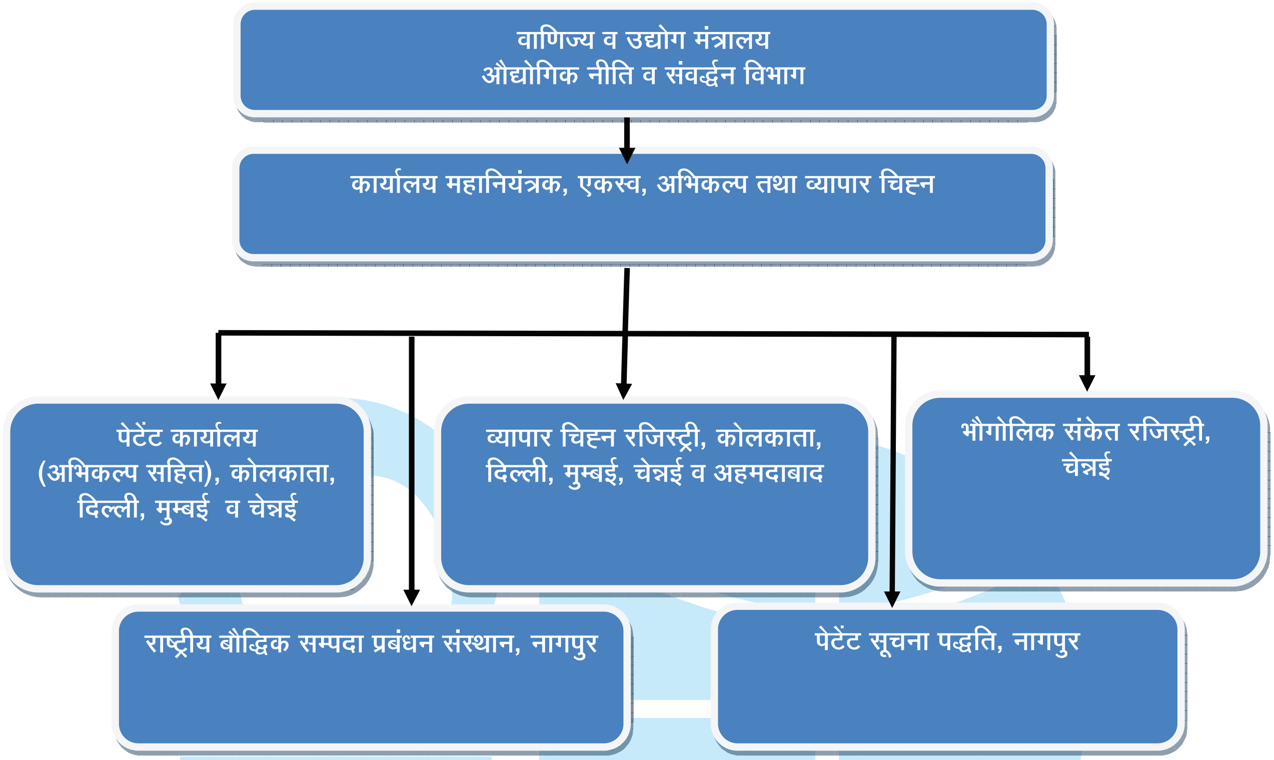

कार्यालय, महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प तथा व्यापार चिह्न के नियंत्रणाधीन सभी कार्यालयों की विगत वर्ष की गतिविधियों के विस्तृत विवरण इस प्रतिवेदन के आगे के पृष्ठों पर दिए गए हैं। कार्यालय, महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प तथा व्यापार चिह्न के अंतर्गत सभी कार्यालयों के राजस्व एवं व्यय के ब्यौरे तथा अन्य संबद्ध सांख्यिकी भी शामिल की गई है। अद्यतन विनियमन, विभिन्न समारोह एवं सामान्य गतिविधियों के मुख्यांश हमारे शासकीय वेब-साइटः http://www.ipindia.nic.in पर उपलब्ध है।

(पी. एच. कुरियन, भा.प्र.से)
महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न

अध्याय - II

बौद्धिक सम्पदा अधिकार की प्रवृत्ति - एक नजर

कार्यालय, महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प तथा व्यापार चिह्न के तहत कार्यालयों ने बौद्धिक सम्पदा आवेदन दाखिल करने में उन्नति की प्रवृत्ति दर्शायी है। फलत:, इस कार्यालय ने राजस्व उत्पादन में वृद्धि दिखाई है। इन गतिविधियों के विवरण नीचे प्रदर्शित है।

क. एकस्व एवं अभिकल्प : 2010-11 के दौरान **39,400** पेटेंट आवेदन दाखिल किए गए जो विगत वर्ष की तुलना में लगभग 15% की वृद्धि दर्शाते हैं। दाखिल और अनुदानित पेटेंट आवेदन के संदर्भ में विगत सात वर्षों की प्रवृत्ति निम्नवत् हैं।

पेटेंट आवेदनों की प्रवृत्ति

वर्ष	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10	**2010-11**
दाखिल	17466	24505	28940	35218	36812	34287	**39400**
परीक्षित	14813	11,569	14119	11751	10296	6069	**11208**
अनुदानित	1911	4320	7539	15316	16061	6168	**7509**
परीक्षण हेतु अनुरोध का निपटान	अप्रयोज्य	अप्रयोज्य	अप्रयोज्य	अप्रयोज्य	अप्रयोज्य	अप्रयोज्य	**12851**

वर्ष 2003-04 से 2006-07 के दौरान पंजीकृत पेटेंट आवेदनों की संख्या 51210 थी, किन्तु केवल 16239 पेटेंट ही इस अवधि के दौरान अनुदानित किए गए। 2002 में पेटेंट अधिनियम में संशोधन के कारण धारा 11क के तहत अनिवार्य प्रकाशन का प्रावधान 20 मई, 2003 के प्रभाव से प्रारंभ किया गया। हालाँकि, प्रकाशन हेतु अपेक्षित डिजीटाइज्ड दस्तावेज के उपलब्ध न होने के कारण प्रकाशन में विलम्ब हुआ। 2006 से 2009 तक एक डिजीटाइजेशन अभियान चलाया गया जिसके परिणामस्वरूप उस अवधि के दौरान लगभग 1,20,000 पेटेंट आवेदनों का प्रकाशन हुआ। इसके फलस्वरूप विगत वर्षों के दौरान जिन आवेदनों का परीक्षण किया गया वे वर्ष 2007-08 और 2008-09 के दौरान अनुदान हेतु उपयुक्त थे एवं इसी कारण इन वर्षों के दौरान क्रमश: 15316 और 16061 पेटेंट अनुदानित हुए। वर्ष 2010-11 के दौरान पेटेंट कार्यालय ने **7509** पेटेंट अनुदानित किया, **5186** परित्यक्त हुए तथा **54** पेटेंट आवेदन परीक्षण के पश्चात् निरस्त कर दिए गए तथा **102** आवेदनों को धारा 11-ख (4)(प्रावधान i) के तहत आहरित हुआ सा मान लिया गया।

वर्ष **2010-11** के दौरान पेटेंट कार्यालय की गतिविधि को और अधिक प्रणालीबद्ध किया गया इसके तहत पेटेंट आवेदनों पर इलेक्ट्रॉनिक रूप में कार्यवाही करने में सुधार हुआ।

अभिकल्प: वर्ष **2010-11** में **7589** डिजाइन आवेदन दाखिल किए गए जो विगत वर्ष की तुलना में लगभग **24.57%** की वृद्धि दर्शाता है। विगत पाँच वर्षों की प्रवृत्ति निम्नवत् है।

डिजाइन आवेदनों की प्रवृत्ति

वर्ष	**2006-07**	**2007-08**	**2008-09**	**2009-10**	**2010-11**
दाखिल	5521	6402	6557	6092	**7589**
परीक्षित	4976	6183	6446	6266	**6277**
पंजीकृत	4250	4928	4772	6025	**9206**

ख. व्यापार चिह्न: वर्ष **2010-11** में **179317** व्यापार चिह्न आवेदन दाखिल किए गए। विगत वर्ष की तुलना में आवेदन दाखिल करने में लगभग **26.33%** की वृद्धि रही। विगत पाँच वर्षों की प्रवृत्ति निम्नवत् है।

व्यापार चिह्न आवेदनों में प्रवृत्ति

वर्ष	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11
दाखिल	103419	123514	130172	141943	**179317**
परीक्षित	85185	63605	105219	25875	**205065**
पंजीकृत	109361	100857	102257	67490	**115472**

ग. भौगोलिक संकेत: 15 सितम्बर, 2003 से 31 मार्च, 2011 तक कुल **232** आवेदन प्राप्त किए गए एवं वर्ष 2010-11 के दौरान कुल **29** भौगोलिक संकेत पंजीकृत किए गए। विगत पाँच वर्षों के दौरान दाखिल आवेदनों एवं पंजीकृत भौगोलिक संकेत के विवरण निम्नवत् हैं।

वर्ष	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11
परीक्षित	33	37	44	40	**27**
पंजीकृत	3	31	45	14	**29**

घ. अनुदानित/पंजीकृत बौद्धिक सम्पदा अधिकार की प्रवृत्ति: विगत 5 वर्षों के दौरान बौद्धिक सम्पदा अधिकार के अनुदान या पंजीकरण की तुलनात्मक प्रवृत्ति निम्नवत् है।

अनुदानित/पंजीकृत बौद्धिक सम्पदा अधिकार की तुलनात्मक प्रवृत्ति

वर्ष	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11
एकस्व	7539	15316	16061	6168	**7509**
अभिकल्प	4250	4928	4772	6025	**9206**
व्यापार चिह्न	109361	100857	102257	67490	**115472**
भौ.सं. रजिस्ट्री	3	31	45	14	**29**

2010-11 में दाखिल बौद्धिक सम्पदा आवेदनों की संख्या

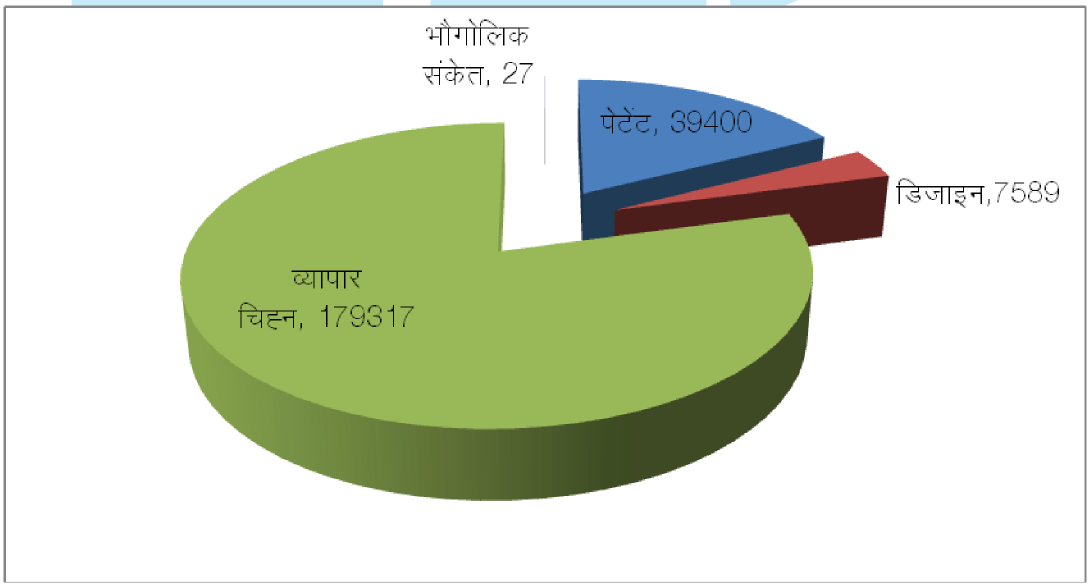

2010-11 में अनुदानित/पंजीकृत आईपीआर की संख्या

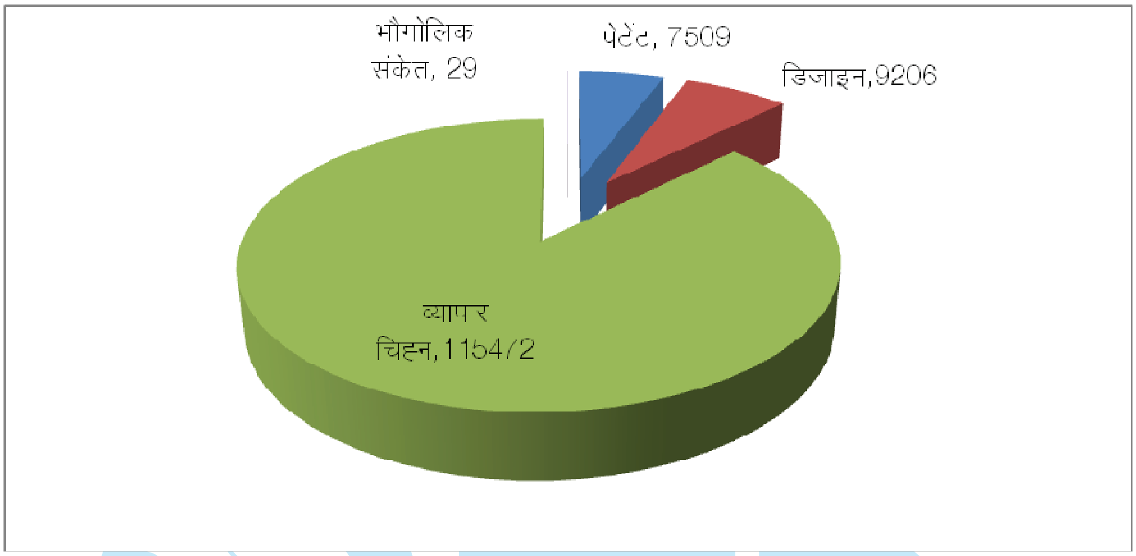

सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र से पेटेंट के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 5 प्रमुख भारतीय आवेदक

क्र.सं.	कंपनियों के नाम	दाखिल आवेदन
1.	सैमसंग इंडिया सॉफ्टवेयर ऑपरेशन्स प्र.लि.	51
2.	टाटा कंसल्टेन्सी सर्विसेज लिमिटेड	32
3.	इंफोसिस टेक्नॉलोजीज लिमिटेड	28
4.	तेजस नेटवर्क इंडिया लिमिटेड	15
5.	इंडियन इन्स्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बम्बई	09

वैज्ञानिक तथा अनुसंधान व विकास संस्थानों से पेटेंट के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 10 प्रमुख भारतीय आवेदक

क्र.सं.	वैज्ञानिक तथा अनुसंधान व विकास संस्थानों के नाम	दाखिल आवेदन
1.	कॉन्सिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रीयल रिसर्च (सीएसआईआर)	183
2.	डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेन्ट ऑर्गेनाइजेशन (डीआरडीओ)	59
3.	इंडियन कॉन्सिल फोर एग्रीकल्चरल रिसर्च (आईसीएआर)	51
4.	डिपार्टमेन्ट ऑफ वायोटेक्नॉलोजी	21
5.	डिपार्टमेन्ट ऑफ इन्फोर्मेशन टेक्नॉलोजी (डीआईटी)	19
6.	जूबिलेंट लाईफ साइंसेज लिमिटेड	16
7.	सिक्वेंट साइंटिफिक लिमिटेड	13
8.	नेशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ फर्मासिट्यूकल एज्यूकेशन एंड रिसर्च (एनआईपीईआर)	11
9.	इंडियन कॉन्सिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर)	11
10.	सेंट्रल कॉन्सिल फॉर रिसर्च इन यूनानी मेडिसीन	09

संस्थानों और विश्वविद्यालयों से पेटेंट के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 10 प्रमुख भारतीय आवेदक

क्र.सं.	संस्थानों और विश्वविद्यालयों के नाम	दाखिल आवेदन
1.	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बम्बई	58
2.	भारतीय विज्ञान संस्थान	38
3.	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर	32
4.	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर	29
5.	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास	20
6.	सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कम्प्यूटिंग	16
7.	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली	16
8.	द इनर्जी एंड रिर्सोसेज इन्स्टिट्यूट (टीईआरआई)	13
9.	नेशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ फर्मासिट्यूकल एज्यूकेशन एंड रिसर्च (एनआईपीईआर)	11
10.	कलकत्ता यूनिवर्सिटी	11

शीर्ष 10 विदेशी आवेदक

क्र.सं.	संगठनों के नाम	आवेदनों की संख्या
1	क्वालकम इंकॉरपोरेटेड	1153
2	कोनिनक्लीके फिलिप्स इलेक्ट्रोनिक्स एन.वी.	627
3	टेलेफोनाक्टिबोलागेट एलएम एरिक्सन (पीयूबीएल)	449
4	बेस्फ एसइ	304
5	सोनी कॉरपोरेशन	302
6	माइक्रोसॉफ्ट कॉरपोरेशन	301
7	रोबर्ट बोस जीएमबीएच	284
8	शार्प काबुशीकी कैसा	277
9	अल्काटेल लूसेंट	269
10	सिमेन्स एकटाइनजेसेलसाफ्ट	249

शीर्ष भारतीय पेटेंटग्राही

क्र.सं.	संगठनों के नाम	आवेदनों की संख्या
1	कॉन्सिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च (सीएसआईआर)	265
2	हिन्दुस्तान यूनीलीवर लिमिटेड	57
3	भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड	52
4	टाटा स्टील लिमिटेड	36
5	टीवीएस मोटर कंपनी लिमिटेड	28
6	डायरेक्टर जेनरल, डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेन्ट ऑर्गेनाइजेशन (डीआरडीओ)	21
7	स्टील ऑथोरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड	16
8	कैडिला हेल्थ केयर लिमिटेड	13
9	डिपार्टमेन्ट ऑफ बायोटेक्नॉलोजी	13
10	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बम्बई	11

शीर्ष 10 विदेशी प्रवासी पेटेंटग्राही

क्र.सं.	संगठनों के नाम	पेटेंट की संख्या
1	क्वालकम इंकॉरपोरेटेड	178
2	होण्डा मोटर कं. लि.	96
3	सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स क.लि.	77
4	द प्रॉक्टर एन्ड गैम्बल कंपनी	75
5	थॉमसन लाईसेंसिंग एस.ए.	73
6	मोटोराला, इंक	72
7	होण्डा गिकेन कोग्यो काबुसीकी कैसा	55
8	रिसर्च इन मोसन लिमिटेड	48
9	टेलेफोनाक्टिबोलागेट एलएम एरिक्सन (पीयूबीएल)	47
10	एलजी इलेक्ट्रॉनिक इंक	45

ङ. प्रकाशन एवं अनुदान-पूर्व आपत्ति: प्रतिवेदन वर्ष के दौरान धारा 11क के तहत **32213** पेटेंट आवेदन प्रकाशित किए गए तथा पेटेंट अधिनियम, 1970 की धारा 25(1) के तहत केवल **294** अनुदान-पूर्व आपत्ति दाखिल हुए जो प्रकाशित आवेदनों का लगभग **0.91%** है। प्रकाशित तथा अनुदान-पूर्व आपत्ति के लिए दाखिल आवेदनों का आरेखीय दृश्य निम्नवत् है।

प्रकाशन एवं अनुदान-पूर्व

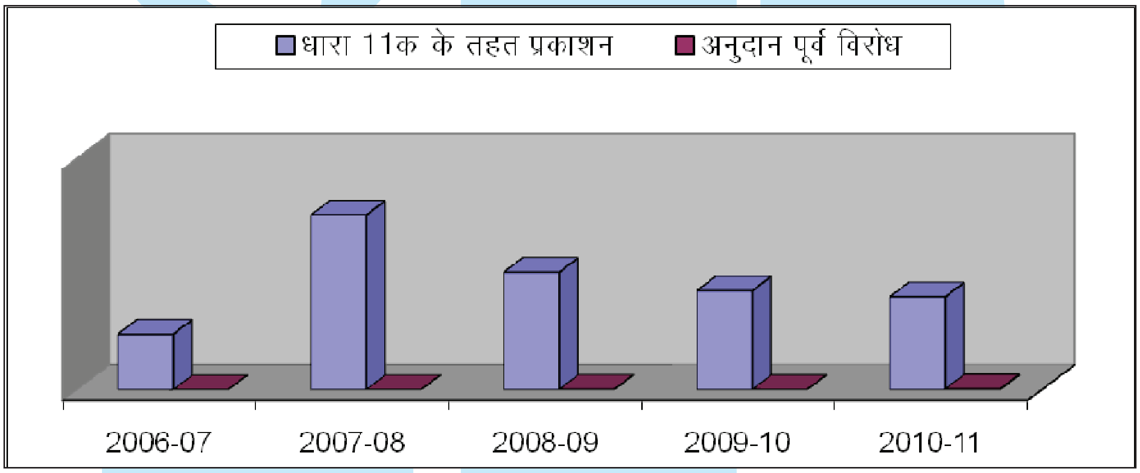

च. राजस्व और व्यय: कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न के अंतर्गत सभी कार्यालय प्रत्येक वर्ष निरंतर राजस्व अर्जित करने वाले कार्यालय बनते जा रहे हैं। वर्ष **2010-11** के दौरान कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न के द्वारा अर्जित कुल राजस्व रू. **246.07 करोड़** था जो विगत वर्ष की तुलना में लगभग **14.31**% अधिक है, जबकि कुल गैर-योजना व्यय रू. **32.85 करोड़** था जिससे रू.**213.22 करोड़** का राजस्व आधिक्य प्राप्त हुआ। बौद्धिक सम्पदा (IP) प्रशासन के राजस्व और व्यय का विवरण निम्नलिखित हैं। पेटेंट कार्यालय ने रू.**159.84 करोड़** (पेटेंट रू.**158.78 करोड़** एवं डिजाइन रू. **1.06 करोड़**), व्यापार चिह्न पंजीकरण ने रू.**86.15 करोड़**, भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री ने रू.**0.027 करोड़** तथा पेटेंट सूचना पद्धति और राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान ने रू.**0.053 करोड़** का कुल राजस्व अर्जित किया।

(i) वर्ष 2009-2010 और 2010-2011 के दौरान उत्पादित राजस्व का तुलनात्मक विवरण

वर्ष	2009-2010 (रू.)	2010-2011 (रू.)
पेटेंट	1,42,61,73,541	**1,58,78,10,509**
डिजाइन	91,45,030	**1,06,26,985**
व्यापार चिह्न	71,61,25,436	**86,15,00,000**
भौ.स.रजिस्ट्री	4,89,440	**2,75,706**
पे.सू.पद्धति/एनआईआईपीएम(आईपीटीआई)	5,98,954	**5,39,585**
कुल:	**215,25,32,401**	**246,07,52,785**

राजस्व (करोड़ में)

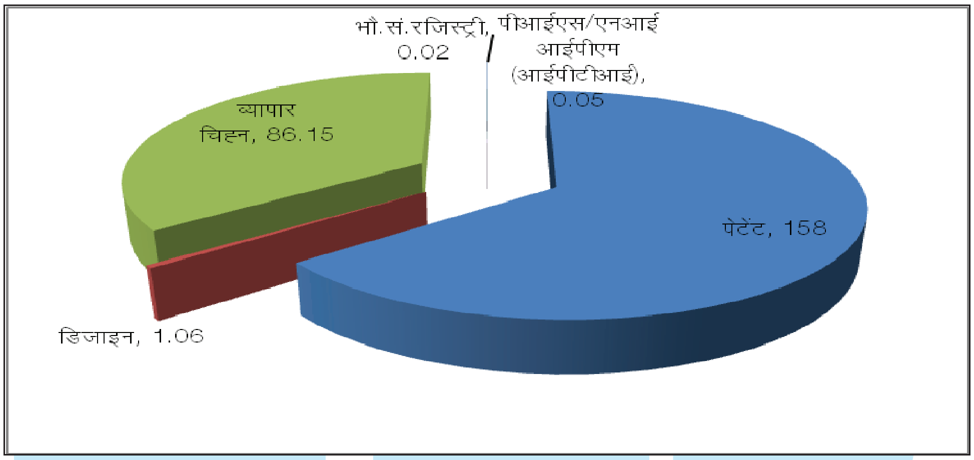

(ii) वर्ष 2009-2010 और 2010-2011 के लिए गैर-योजना व्यय की तुलना

वर्ष	2009-2010 (रू.)	2010-2011 (रू.)
पेटेंट (डिजाइन सहित)	21,87,03,451	**24,02,06,038**
व्यापार चिह्न	8,94,35,413	**6,99,32,637**
भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री	87,99,639	**56,48,775**
पे.सू.पद्धति/एनआईआईपीएम (आईपीटीआई)	1,33,93,497	**1,27,51,171**
कुल:	**33,03,32,000**	**32,85,38,351**

गैर-योजना व्यय (करोड़ में)

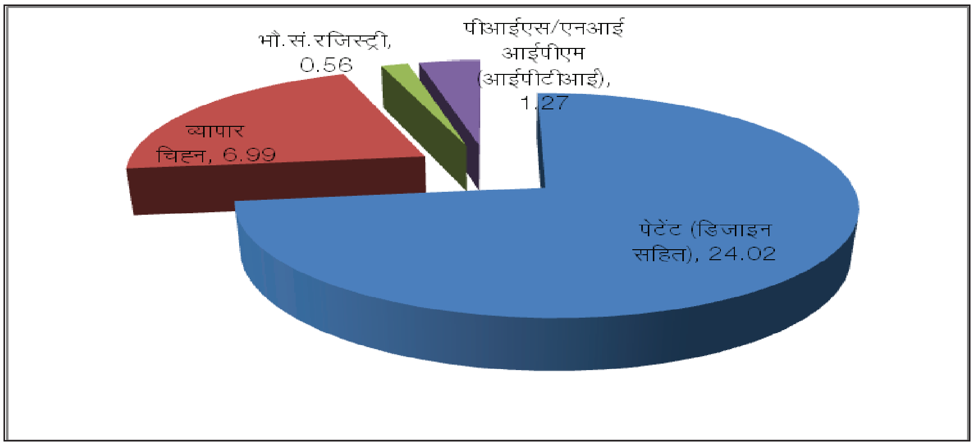

अध्याय - III

जन-सेवा परिदान - दक्षता और पारदर्शिता

नवीं पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत प्रारंभ की गई परियोजना के तहत भारतीय बौद्धिक संपदा कार्यालय को पूर्णतया कम्प्यूटरीकृत कर लिया गया है। भारतीय बौद्धिक सम्पदा कार्यालय को यह अभिज्ञात हुआ कि कार्यालय कार्यप्रणाली आम जनता के आवश्यकता अनुरूप नहीं थी जिसके कारण आम-जन को, अन्यथा परिहार्य, कार्यालय में स्वयं उपस्थित होना पड़ता था। तदनुसार, कार्य कार्यप्रणाली का पुनः अभिकल्पन किया गया और जन-सेवा परिदान को उन्नत बनाने के लिए सूचना प्राद्योगिकी प्रणाली का व्यापक उपयोग किया गया।

विगत वर्ष के दौरान हासिल की गई प्रगति की सराहना सभी हितधारकों ने की जिनमें भारतीय आविष्कारक, आवेदक एवं व्यवहारकर्ता शामिल हैं। भारतीय बौद्धिक सम्पदा कार्यालय ने, एक नीतिगत प्रयास के रूप में, प्रत्येक अभीष्ट चरण में हितधारकों को शामिल करने की पहल की।

बौद्धिक सम्पदा प्रशासन प्रणाली में उत्तरोत्तर पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से बौद्धिक सम्पदा कार्यालय के सभी समूह 'क' एवं समूह 'ख' के अधिकारियों को अपने उन घनिष्ठ संबंधियों की सूची प्रदान करने का निदेश दिया गया जो पेटेंट एजेंट/ट्रेड मार्क एजेंट/बौद्धिक सम्पदा अटॉर्नी के रूप में कार्य कर रहें हों। यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए गए कि बौद्धिक सम्पदा कार्यालय के अधिकारी किसी शासकीय मामले में अपने घनिष्ठ संबंधियों के साथ प्रत्यक्षतः कोई कार्य ना करें।

ऐसे कई दृष्टांत पाए गए जहाँ सकारण आदेश पारित नहीं किए गए थे। अतः सभी बौद्धिक सम्पदा कार्यालय के अधिकारियों को यह निदेश दिया गया कि प्रत्येक संदर्भ में सकारण आदेश पारित किए जाए।

एकरूप

वर्ष 2009-10 के दौरान, विभिन्न अनुभागों की गतिविधियों और उत्तरदायित्वों को स्पष्टतया सीमांकित करते हुए पेटेंट कार्यालय कार्यप्रणाली (पीओपी) की स्थापना की गई। यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण कदम था जिसने उत्तरोत्तर सुधारों का आधार स्थापित किया। विषयों की विस्तृत विशेषज्ञता के आधार पर परीक्षकों और नियंत्रक के चार समूहों का गठन भी किया गया जो 1 जुलाई 2009 से प्रभावी है। पेटेंट आवेदनों के आबंटन को भी युक्ति-संगत बनाया गया और यह पाया गया है कि पेटेंट कार्यालय के समूह अब अधिक पेशेवर और पारदर्शी तरीके से कार्य कर रहे हैं क्योंकि फाइलों के आबंटन जैसे निर्णय अब मासिक समूह बैठकों में लिए जा रहे हैं।

पेटेंट कार्यालय अपने कार्य का निष्पादन कर रहा है। यह पाया गया था कि विभिन्न कार्यालयों द्वारा अनुसरण किए जाने वाले कार्यविधियों में पार्थक्य था, फलतः असंगत निर्णय लिए जा रहे थे। विशेषकर, भारतीय वैयक्तिक आवेदक इस क्षेत्र में उनका संसर्ग कम होने के कारण कार्यालय कार्यप्रणाली से अनभिज्ञ थे और इसी कारण वे अनेक कठिनाइयों का सामना कर रहे थे। भारतीय और विदेशी आवेदकों सहित सभी हितधारक एक ऐसे मैनुअल की सतत माँग करते थे जिससे पेटेंट आवेदन अभियोजित करने में उन्हें प्रभावी दिशानिर्देश तो मिले ही, साथ-ही-साथ यह आंतरिक कार्यालय कार्यप्रणाली पर भी प्रकाश डाल सके। तदनुसार, पेटेंट कार्यालय द्वारा अपनाई जाने वाली कार्यविधियों की एक संहिता मैनुअल के स्वरूप में तैयार की गई है तथा पेटेंट कार्यालय कार्यविधि एवं कार्यप्रणाली (एमपीपीपी) का एक मैनुअल प्रकाशित किया गया है जिससे दक्षता और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए चारों पेटेंट कार्यालयों की कार्यविधियों को एकरूप बनाया जा सके।

यह पाया गया कि सभी चार पेटेंट कार्यालयों में लम्बे समय से अत्यधिक संख्या में अनुदान-पूर्व और अनुदानोत्तर विरोध लंबित थे, जबकि इनकी अंतिम सुनवाई पूर्ण की जा चुकी थी। पेटेंट कार्यालय के

सभी अधिकारियों को यह निदेश दिया कि कोई भी अनुदान-पूर्व और अनुदानोत्तर विरोध तीन महीनों से अधिक तक आदेश हेतु लंबित नहीं रखे जाएंगे; अनुदानोत्तर विरोध के मामले में एक महीना, अनुदान-पूर्व विरोध के मामले में अंतिम सुनवाई के बाद।

पेटेंट कार्यालय द्वारा निर्गत परीक्षण रिपोर्ट पेटेंट एजेंट स्वयं ले जाते थे। यह निदेश दिया गया कि पेटेंट एजेंट को हाथों-हाथ कोई रिपोर्ट नहीं दिया जाएगा और यह कि यह रिपोर्ट ई-मेल या पोस्ट द्वारा भेजे जाएंगें। दक्षता और पारदर्शिता में उत्तरोत्तर वृद्धि लाने की दिशा में, आवेदकों से अनुरोध किया गया कि वे अपने प्रत्युत्तर इलेक्ट्रोनिक माध्यम से दाखिल करें ताकि त्वरित प्रक्रिया कर उनका निपटान किया जा सके।

केवल पूर्ण विनिर्देश, सारांश, आरेख, जो कि आवेदन के साथ दाखिल किया जाता है, वही जाँच के लिए उपलब्ध होता था, अर्थात् संशोधित विनिर्देश जाँच हेतु उपलब्ध नहीं होते थे। यह कार्यविधि नियमानुरूप नहीं थी। तदनुसार, यह निदेश दिया गया कि 'पारदर्शिता के हितार्थ' पेटेंट कार्यालय जाँच/प्रतियों के लिए अनुरोध की तारीख तक फाइल में उपलब्ध पूर्ण विनिर्देश उपलब्ध कराएगा जिसमें संशोधित विनिर्देश, आरेख और सारांश, यदि कोई दाखिल हो, शामिल होगी।

कार्यालय और आवेदक/एजेंट के बीच हुआ संवाद पेटेंट अधिनियम, 1970 के तहत आम जनता के लिए उपलब्ध नहीं होता था, जिसके कारण आम जनता सूचना अधिकार अधिनियम के तहत उक्त सूचना प्राप्त करने के लिए बाध्य होती थी। अतः, धारा 25 (1) के तहत किसी व्यक्ति द्वारा निरूपण के जरिए अनुदान-पूर्व विरोध के आधारों का विस्तार एवं सूचना अधिकार अधिनियम के अधिदेश को ध्यान में रखते हुए, यह निदेश दिया गया कि पेटेंट अधिनियम 1970 की धारा,11(क) के तहत पेटेंट हेतु आवेदन के प्रकाशन के पश्चात् सभी पेटेंट कार्यालय आवेदक/एजेंट के साथ हुए सभी पत्राचारों की प्रतियाँ उपलब्ध करा देंगे। उक्त सूचना वास्तविक समय आधार पर शासकीय वेबसाइट पर भी उपलब्ध करा दी गई है।

यह पाया गया कि अधिसंख्यक मामले, पेटेंट कार्यालय की ओर से कार्रवाई किए जाने हेतु लंबित थे, जबकि आवेदक ने समय रहते प्रत्युत्तर दे दिया था और अनुदान-आदेश के लिए आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तारीख समाप्त हो चुकी थी। लम्बे समय से लंबित पड़े इन मामलों के निपटान के लिए एक बैकलॉग अभियान की शुरूआत दिसम्बर 2010 से मार्च 2011 तक की गई और पेटेंट कार्यालय के अधिकारियों को अतिरिक्त समय तक कार्य करने का निर्देश दिया गया जिनमें सार्वजनिक अवकाश के दिन, यदि अपेक्षित हो, शामिल होगी ।

अभिकल्प

अभिकल्प स्कन्ध, पेटेंट कार्यालय, कोलकाता से अपनी गतिविधियाँ चलाता है। सभी हितधारकों, विशेषकर भारतीय एवं विदेशी आवेदकों द्वारा एक ऐसे मैनुअल की सदैव माँग की जाती रही थी जिससे उन्हें अभिकल्प आवेदन अभियोजित करने में प्रभावी दिशा-निर्देश प्राप्त हो सके। तदनुसार, पेटेंट कार्यालय के अभिकल्प स्कन्ध द्वारा अपनाई जाने वाली कार्यविधियों की एक संहिता, मैनुअल के रूप में तैयार की है तथा अभिकल्प कार्यालय कार्यविधि एवं कार्यप्रणाली का एक मैनुअल का प्रकाशित किया गया है ताकि दक्षता और पारदर्शिता बढ़ाई जा सके।

अभिकल्प स्कन्ध के लिए पृथक नियंत्रक और परीक्षक निश्चित किए गए हैं।

व्यापार चिह्न

कई दृष्टांतों में यह पाया गया कि व्यापार चिह्न पंजीकरण के लिए आवेदन 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर नहीं लिए जा रहे थे, जो कि समानता और निष्पक्षता का एक सिद्धांत है। फलतः, परीक्षण हेतु व्यापार चिह्न आवेदनों का आबंटन केन्द्रीकृत कर दिया गया और इसे इलेक्ट्रॉनिक बना दिया गया। अब, 'पंक्ति से आगे निकलना' असंभव है। साथ-ही-साथ, पाँच व्यापार चिह्न पंजीकरण कार्यालयों

में से प्रत्येक से एक-एक अधिकारी को पंजीकरण प्रमाण-पत्रों में सुधार लाने तथा प्रणाली के अद्यतीकरण एवं नया प्रमाण पत्र निर्गत करने हेतु प्राधिकृत किया गया था।

यह पाया गया कि अधिसंख्यक व्यापार चिह्न विरोध के मामले व्यापार चिह्न पंजीकरण कार्यालय द्वारा कार्रवाई हेतु लंबित थे। व्यापार चिह्न पंजीकरण कार्यालय के सभी अधिकारियों को निदेश दिया गया कि कोई व्यापार चिह्न विरोध से संबंधित मामला अंतिम सुनवाई के बाद तीन महीनों से अधिक की अवधि तक लंबित ना रखा जाए।

व्यापार चिह्न पंजीकरण कार्यालय में पूर्ण पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से यह निदेश दिया गया कि अभियोजन इतिहास, परीक्षण रिपोर्ट, आवेदन की प्रति, व्यापार चिह्न व ई-रजिस्टर, व्यापार चिह्न प्रमाण पत्र की प्रति, विरोध विवरण सहित लंबित व्यापार चिह्न आवेदनों, पंजीकृत व्यापार चिह्न आदि का पूर्ण विवरण शासकीय वेबसाइट www.ipindia.nic.in के माध्यम से आम जनता को नि:शुल्क उपलब्ध कराएगा।

यह पाया गया कि व्यापार चिह्न पंजीकरण और पंजीकरण प्रमाण पत्र निर्गत करने में लगभग 75000 लंबित मामले थे। यह निदेश दिया गया कि व्यापार चिह्न पंजीकरण प्रमाणपत्रों के मुद्रण और प्रेषण को व्यापार चिह्न पंजीकरण, मुम्बई में केन्द्रीकृत कर दिया जाय। व्यापार चिह्न पंजीकरण, मुम्बई में प्रमाणपत्रों के मुद्रण और प्रेषण की एक पूर्ण प्रामाणिक इलेक्ट्रोनिक प्रणाली विकसित की गई थी। यहाँ यह उल्लिखित करना उचित होगा कि, पूर्व में ऐसे प्रमाणपत्रों के प्रेषण का कोई रिकॉर्ड नहीं रखा जाता था जो आवश्यक है और कानूनन अनिवार्य भी।

एक शासकीय खोज संचालित करने के लिए आम जनता को व्यापार चिह्न नियम, 2002 के नियम 24 के तहत पंजीकार के समक्ष एक अनुरोध प्रस्तुत करना होता था। यद्यपि, आम सूचना संख्या सीजी/एफ/आम सूचना/2010-11/128 दिनांक 13.01.2011 द्वारा आम जनता को यह सूचित किया गया कि वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा भारत के राजपत्र में जारी अधिसूचना के अनुसरण में शासकीय खोज हेतु पंजीकार के समक्ष प्रस्तुत किए जाने वाले अनुरोध को तत्काल प्रभाव से समाप्त किया जाता है। आम जनता और प्रणाली के उपयोक्ताओं की सुविधा के लिए आई पी ओ के शासकीय वेबसाइट पर नि:शुल्क जनता खोज उपलब्ध कराया गया था। प्रभावकारी रूप में, प्रणाली को आम जनता के उपयोग हेतु खोल दिया गया जिसके कारण पारदर्शिता आई और आम जनता को आँकड़े उपलब्ध होने के कारण प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहन मिला।

एक लेखा-परीक्षा से यह स्पष्ट हुआ कि अपेक्षित शुल्क जमा न किए जाने के कारण व्यापार चिह्न पंजीकरण कार्यालय में 3495 व्यापार चिह्न आवेदन पंजीकरण हेतु लंबित थे। तदनुसार, एक आम सूचना द्वारा आवेदकों से शीघ्रातिशीघ्र अपेक्षित शुल्क जमा कराने का अनुरोध किया गया ताकि ऐसे आवेदनों का निपटान सुलभ किया जा सके।

भौगोलिक संकेत

यद्यपि लगभग 130 भौगोलिक संकेत इस प्रतिवेदन वर्ष के पूर्व पंजीकृत किए गए थे, प्राधिकृत उपयोक्ता के रूप में पंजीकरण हेतु प्राप्त आवेदनों की संख्या कम थी। पंजीकरण कार्यालय ने 2009 में प्राधिकृत उपयोक्ता के लिए आवेदन प्राप्त करना प्रारंभ किया और प्रतिवेदन वर्ष के पहले तक प्राप्त आवेदनों की कुल संख्या केवल 101 थी। इस वर्ष के दौरान, जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदन आकर्षित करने के लिए विशेष कदम उठाए गए एवं तदनुरूप प्रतिवेदन वर्ष के दौरान प्राधिकृत उपयोक्ता पंजीकरण हेतु 124 आवेदन प्राप्त हुए। साथ ही, प्रतिवेदन वर्ष के दौरान, 31 प्राधिकृत उपयोक्ता पंजीकृत किए गए।

अध्याय - IV

पेटेंट

1. परिचय:

यह अध्याय पेटेंट अधिनियम, 1970 यथासंशोधित, 2005 की धारा 155 के तहत पेटेंट कार्यालयों द्वारा वर्ष 2009-10 के दौरान निष्पादित गतिविधियों के संबंध में 39वाँ प्रतिवेदन प्रस्तुत करता है। पेटेंट कार्यालय भौगोलिक रूप से विभाजित है तथा चार महानगरों में कोलकाता, चेन्नई, मुम्बई तथा दिल्ली में स्थित है। कोलकाता कार्यालय प्रधान कार्यालय है। पेटेंट कार्यालय देश में हुए आविष्कारों पर इनके आविष्कारकों अथवा उनके द्वारा नामित व्यक्तियों अथवा कानूनी उत्तराधिकारियों को सीमित एकाधिकार अनुदानित करने के द्वारा इन आविष्कारों की संरक्षा से संबंधित कानून का प्रशासन करता है। निम्न प्रदत्त पैराग्राफ पेटेंट कानून के तहत यथा प्रशासित पेटेंट कार्यालय की प्रमुख गतिविधियों की रूप-रेखा प्रस्तुत करता है।

2. पेटेंट आवेदन

वर्ष **2010**-20**11** में पेटेंट के लिए प्राप्त आवेदनों की संख्या **39400** थी जबकि वर्ष 2009-10 में यह संख्या **34287** थी जो लगभग **15%** की वृद्धि दर्शाता है।

(क) भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदन

भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदनों की संख्या **8062** रही जो विगत वर्ष की तुलना में अच्छी वृद्धि प्रदर्शित करता है, जबकि आवेदनों की संख्या **7044** थी । भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदनों की संख्या प्रतिवेदन वर्ष के दौरान दाखिल आवेदनों की कुल संख्या का लगभग **20.46%** है।

भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदनों में से, महाराष्ट्र से दाखिल आवेदनों की संख्या सर्वाधिक रही जिसके बाद क्रमशः तमिलनाडु, कर्नाटक, दिल्ली, आन्ध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल आदि का स्थान आता है। राज्य/संघशासित प्रदेश के अनुसार विवरण कोष्ठक में प्रदर्शित की गई है:- महाराष्ट्र (2441), तमिलनाडु (1040), कर्नाटक (887), दिल्ली (863), आन्ध्र प्रदेश (697), पश्चिम बंगाल (427), गुजरात (387), उत्तर प्रदेश (346), केरल (288), हरियाणा (161), झारखंड (97), राजस्थान (74), पंजाब (55), उत्तराखंड (51), मध्य प्रदेश (45), उडीसा (39), असम (37), चंडीगढ़ (33), बिहार (31), छत्तीसगढ़ (12), इत्यादि।

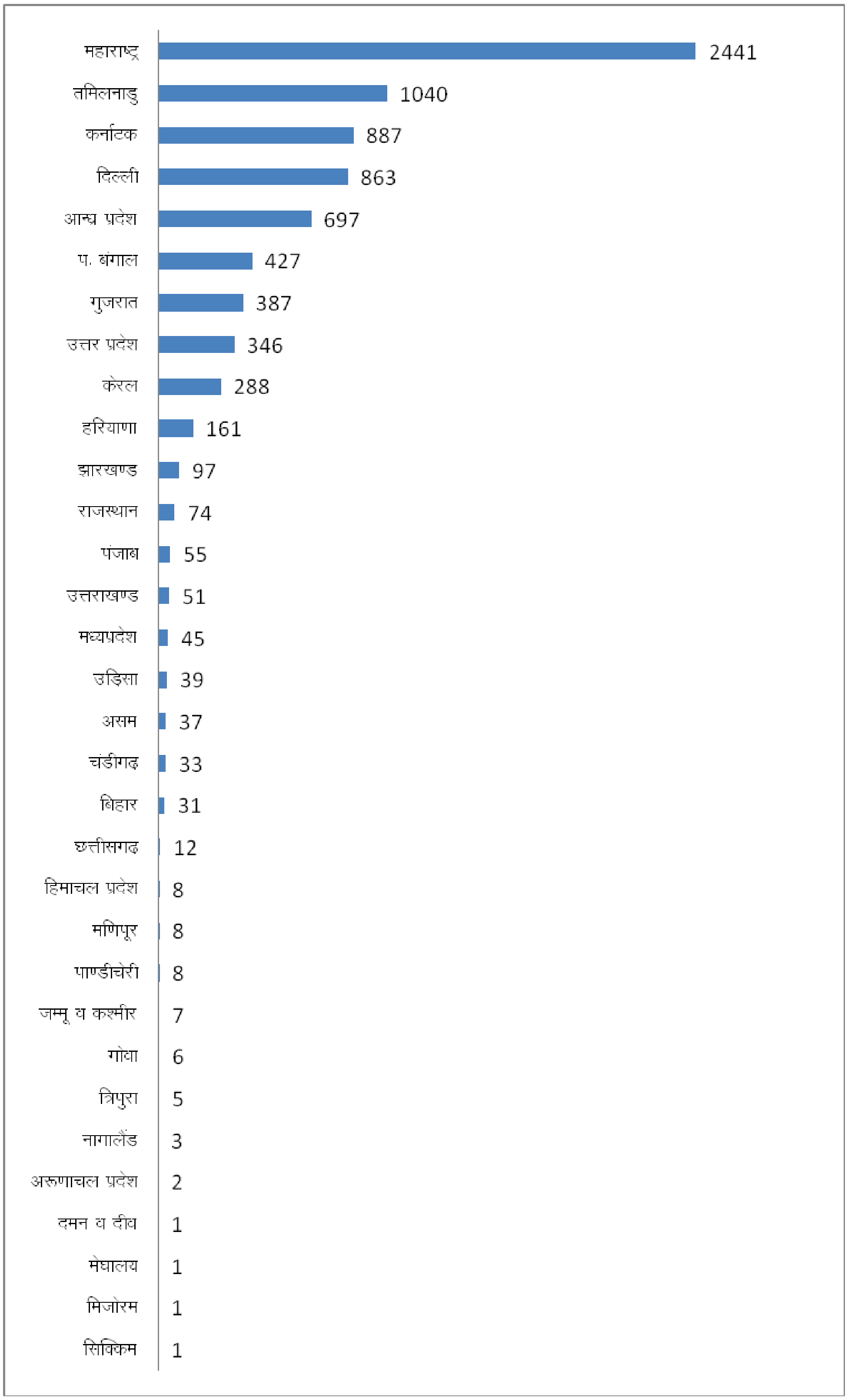

साधारण आवेदन (राज्यानुसार)

(ख) सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र से पेटेंट के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 5 प्रमुख भारतीय आवेदक

सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में *सैमसंग इंडिया सॉफ्टवेयर ऑपरेशन्स प्र.लि.* ने अधिकतम आवेदन (51) दाखिल किए हैं जिसके बाद *टाटा कंसल्टेन्सी सर्विसेज लिमिटेड* (32) का स्थान है। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र से पेटेंट के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 5 प्रमुख भारतीय आवेदकों की सूची निम्नवत् है।

क्र.सं.	कंपनियों के नाम	दाखिल आवेदन
1.	सैमसंग इंडिया सॉफ्टवेयर ऑपरेशन्स प्र.लि.	51
2.	टाटा कंसल्टेन्सी सर्विसेज लिमिटेड	32
3.	इंफोसिस टेक्नॉलोजीज लिमिटेड	28
4.	तेजस नेटवर्क इंडिया लिमिटेड	15
5.	इंडियन इन्स्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बम्बई	09

(ग) वैज्ञानिक तथा अनुसंधान व विकास संस्थानों से पेटेंट के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 10 प्रमुख भारतीय आवेदक

वैज्ञानिक तथा अनुसंधान व विकास संस्थानों में कॉन्सिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रीयल रिसर्च ने अधिकतम आवेदन (183) दाखिल किए हैं जिसके बाद डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेन्ट ऑर्गेनाइजेशन (डीआरडीओ) और इंडियन कॉन्सिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च (आईसीएआर) का स्थान है। पेटेंट के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 10 प्रमुख भारतीय वैज्ञानिक तथा अनुसंधान व विकास संस्थानों की सूची निम्नवत् है।

क्र.सं.	वैज्ञानिक तथा अनुसंधान व विकास संस्थानों के नाम	दाखिल आवेदन
1.	कॉन्सिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रीयल रिसर्च (सीएसआईआर)	183
2.	डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेन्ट ऑर्गेनाइजेशन (डीआरडीओ)	59
3.	इंडियन कॉन्सिल फोर एग्रीकल्चरल रिसर्च (आईसीएआर)	51
4.	डिपार्टमेन्ट ऑफ वायोटेक्नॉलोजी	21
5.	डिपार्टमेन्ट ऑफ इन्फोर्मेशन टेक्नॉलोजी (डीआईटी)	19
6.	जूबिलेंट लाईफ साइंसेज लिमिटेड	16
7.	सिक्वेंट साइंटिफिक लिमिटेड	13
8.	नेशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ फर्मासिट्यूकल एज्यूकेशन एंड रिसर्च (एनआईपीईआर)	11
9.	इंडियन कॉन्सिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर)	11
10.	सेंट्रल कॉन्सिल फॉर रिसर्च इन यूनानी मेडिसीन	09

(घ) संस्थानों और विश्वविद्यालयों से पेटेंट के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 10 प्रमुख भारतीय आवेदक

वर्ष 2010-11 के दौरान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बम्बई ने सर्वाधिक पेटेंट आवेदन (58) दाखिल कर भारतीय विश्वविद्यालय एवं संस्थानों में शीर्ष स्थान हासिल किया जिसके बाद भारतीय विज्ञान संस्थान एवं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर का स्थान रहा। भारतीय विश्वविद्यालय एवं संस्थानों से पेटेंट के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 10 आवेदक निम्नलिखित हैं।

क्र.सं.	संस्थानों और विश्वविद्यालयों के नाम	दाखिल आवेदन
1.	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बम्बई	58
2.	भारतीय विज्ञान संस्थान	38
3.	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर	32

4.	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर	29
5.	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास	20
6.	सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांसेज कम्प्यूटिंग	16
7.	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली	16
8.	द इनर्जी एंड रिर्सोसेज इन्स्टिट्यूट (टीईआरआई)	13
9.	नेशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ फर्मासिट्यूकल एज्यूकेशन एंड रिसर्च (एनआईपीईआर)	11
10.	कलकत्ता यूनिवर्सिटी	11

(ड़) विदेशी आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदन

i. कन्वेंशन आवेदन:

दाखिल कन्वेंशन आवेदनों की संख्या **3728** थी जो पिछले वर्ष दाखिल कुल कन्वेंशन आवेदन **2986** की तुलना में लगभग **24.84%** की वृद्धि दर्ज करता है।

ii. पी.सी.टी माध्यम द्वारा राष्ट्रीय फेज के रूप में दाखिल आवेदन

विदेश से प्राप्त आवेदनों में से अधिकांश पी.सी.टी राष्ट्रीय फेज माध्यम से दाखिल किए गए। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान दाखिल ऐसे आवेदनों की संख्या **26544** रही जो विगत वर्ष **(23431)** की तुलना में लगभग **13%** अधिक है। प्राप्त आवेदनों की संख्या के आधार पर संयुक्त राज्य अमेरिका अग्रणी रहा जिसके पश्चात् जापान, जर्मनी, फ्रांस, स्वीटजरलैंड, नीदरलैंड, स्वीडन, युनाईटेड किंगडम, चीन गणतंत्र तथा कोरिया गणतंत्र इत्यादि का स्थान रहा। इन आवेदनों की देशानुसार संख्या कोष्ठक में प्रदर्शित की गई है:- संयुक्त राज्य अमेरिका (9084), जापान (3112), जर्मनी (2991), फ्रांस (1426), स्वीटजरलैंड (1335), नीदरलैंड (1292), स्वीडन (939), युनाईटेड किंगडम (917), चीन गणतंत्र (592), कोरिया गणतंत्र (518), फिनलैंड (510), इटली (485), कनाडा (477), डेनमार्क (391), बेल्जियम (335), इजराइल (318), आस्ट्रेलिया (317), स्पेन (193), आस्ट्रिया (192), नार्वे (110) इत्यादि।

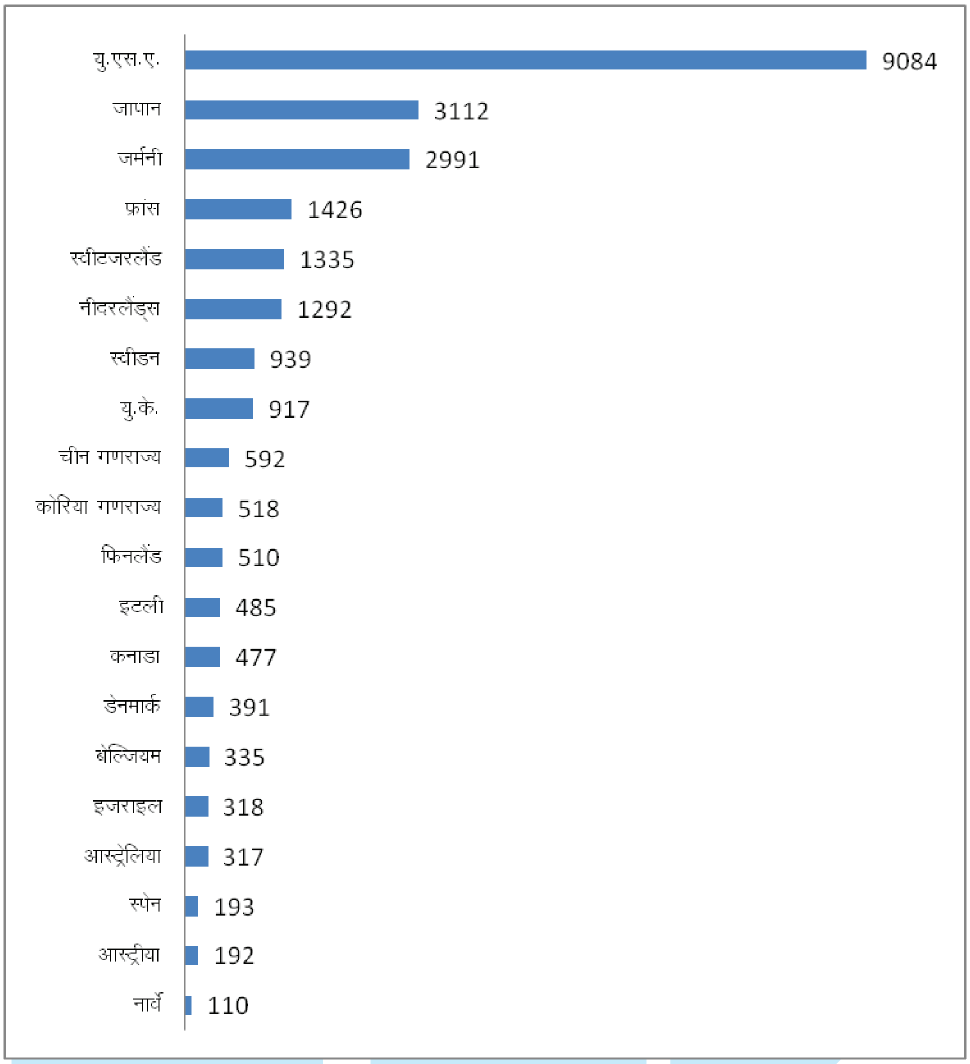

पी.सी.टी राष्ट्रीय फेज आवेदन (देशानुसार)

दाखिल राष्ट्रीय फेज आवेदनों की प्रवृत्ति

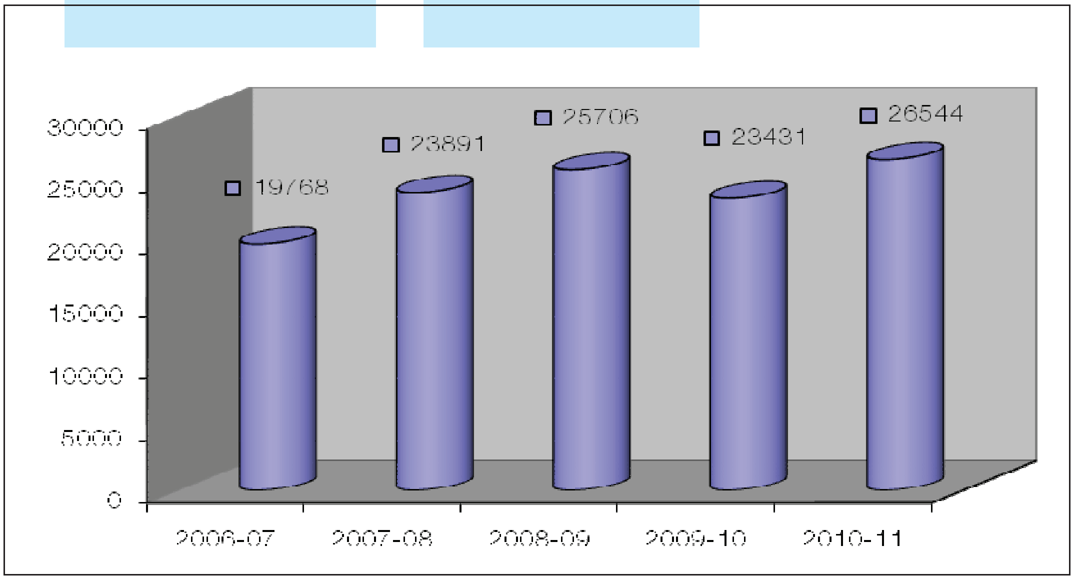

पी.सी.टी राष्ट्रीय फेज आवेदन

निम्नलिखित तालिका उन शीर्ष 10 विदेशी प्रवासी आवेदकों की सूची प्रदान करती है जिन्होंने 2010-11 के दौरान पेटेंट आवेदन दाखिल किए हैं। यह पाया गया है कि क्वालकम इंकोरपोरेशन इस सूची में अग्रणी रहा है जिसके बाद कोनिनक्लीके फिलिप्स इलेक्ट्रोनिक्स एन.वी., टेलेफोनाक्टिबोलागेट एलएम एरिक्सन (पीयूबीएल) तथा बेस्फ एसइ का स्थान रहा है।

शीर्ष 10 विदेशी आवेदक

क्र.सं.	संगठनों के नाम	आवेदनों की संख्या
1	क्वालकम इंकॉरपोरेटेड	1153
2	कोनिनक्लीके फिलिप्स इलेक्ट्रोनिक्स एन.वी.	627
3	टेलेफोनाक्टिबोलागेट एलएम एरिक्सन (पीयूबीएल)	449
4	बेस्फ एसइ	304
5	सोनी कॉरपोरेशन	302
6	माइक्रोसॉफ्ट कॉरपोरेशन	301
7	रोबर्ट बोस जीएमबीएच	284
8	शार्प काबुशीकी कैसा	277
9	अल्काटेल लूसेंट	269
10	सिमेन्स एकटाइनजेसेलसाफ्ट	249

वर्ष 2010-11 के दौरान विभिन्न माध्यमों से प्राप्त एवं उद्‍गम देश तथा राज्यवार वर्गीकृत पेटेंट आवेदनों का विवरण **परिशिष्ट-"ख"** में दर्शाया गया है।

2001-2002 से 2010-2011 की अवधि के दौरान विभिन्न माध्यमों से भारतीय प्रवासियों एवं अप्रवासियों से प्राप्त पेटेंट आवेदनों की संख्या **परिशिष्ट- "ग"** में दर्शायी गई है।

2006-2007 से 2010-2011 की अवधि के दौरान रसायन, वैद्युतिक, यांत्रिकी तथा सामान्य क्षेत्रों इत्यादि के विषयवार दाखिल आवेदनों का विवरण **परिशिष्ट- "ङ" तथा "ङ1"** में प्रदत्त सारणी द्वारा दिखाया गया है।

3. अनुदानित तथा प्रवृत्त पेटेंट :

वर्ष के दौरान अनुदानित पेटेंट की कुल संख्या **7,509** थी, जिनमें से **1,273** भारतीय आवेदकों को अनुदानित किए गए। 31 मार्च 2011 को प्रवृत पेटेंट की संख्या **39,594** थी जिनमें से **7,301** पेटेंट भारतीयों के नाम थे। कुल अनुदानित पेटेंट में से **1,458** पेटेंट यांत्रिकी, **1,899** रसायन, **596** भेषज या औषधि, **394** वैद्युतिक, **84** खाद्य से संबंधित आवेदनों के लिए अनुदानित किए गए।

वर्ष 2000-2001 से वर्ष 2010-11 की अवधि के दौरान दाखिल आवेदनों की संख्या, परीक्षण हेतु प्राप्त अनुरोधों की संख्या, परित्यक्त हुआ सा मान लिए गए आवेदन तथा अनुदानित पेटेंट एवं प्रवृत्त पेटेंट की संख्या **परिशिष्ट- "घ"** में प्रदर्शित की गई है। वर्ष 2006-07 से 2010-11 के विगत पाँच वर्षों के दौरान विभिन्न क्षेत्रों के अन्वेषणों पर अनुदानित पेटेंट की संख्या **परिशिष्ट- "च"** व **"च1"** में प्रदर्शित की गई है।

4.भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल पी.सी.टी अन्तर्राष्ट्रीय आवेदन:

विगत वर्ष के **752** की तुलना में प्रतिवेदन वर्ष के दौरान पी.सी.टी प्रणाली का उपयोग करते हुए भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल अंतर्राष्ट्रीय आवेदनों की कुल संख्या **871** थी जो लगभग **15.82%** की वृद्धि दर्शाती है। विगत पाँच वर्षों के दौरान दाखिल पी.सी.टी. अन्तर्राष्ट्रीय आवेदनों का लेखा-जोखा निम्नवत् है।

Sl. No.	Name of Institutes/Universities	Applications filed
1.	INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY, BOMBAY	58
2.	INDIAN INSTITUTE OF SCIENCE	38
3.	INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY, KANPUR	32
4.	INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY, KHADAGPUR	29
5.	INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY, MADRAS	20
6.	CENTRE FOR DEVELOPMENT OF ADVANCED COMPUTING	16
7.	INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY, DELHI	16
8.	THE ENERGY AND RESOURCES INSTITUTE (TERI)	13
9.	NATIONAL INSTITUTE OF PHARMACEUTICAL EDUCATION AND RESEARCH (NIPER)	11
10.	UNIVERSITY OF CALCUTTA	11

(e) Applications filed by foreign applicants

i. **Convention Applications**

Number of convention applications filed was **3728** which has recorded an increase of about **24.84%** over the last year's filing which was **2986**.

ii. **PCT National Phase Applications:**

Majority of the foreign applications were filed through the PCT National Phase route. The number of such applications filed during the reporting year was **26544** which is about **13 %** higher as compared to the previous year (**23431**). The United States of America led with the maximum number of applications followed by Japan, Germany, France, Switzerland, Netherlands, Sweden, United Kingdom, Republic of China and Republic of Korea etc. The country wise break-up figures is as shown in brackets: USA (9084), Japan (3112), Germany (2991), France (1426), Switzerland (1335), Netherlands (1292), Sweden (939), United Kingdom (917), Republic of China (592), Republic of Korea (518), Finland (510), Italy (485), Canada (477), Denmark (391), Belgium (335), Israel (318), Australia (317), Spain (193), Austria (192), Norway (110), etc.

(ग) अनुदानपूर्व आपत्ति [धारा 25(1) के तहत]: वर्ष के दौरान इस धारा के तहत आपत्ति के रूप में **294** आवेदन प्राप्त किए गए। जबकि वर्ष के दौरान **19** आवेदनों का निपटान कर दिया गया।

(घ) अनुदानोत्तर आपत्ति [धारा 25(2) के तहत]: वर्ष के दौरान **29** अनुदानोत्तर आपत्तियाँ दाखिल की गईं। जबकि वर्ष के दौरान **30** अनुदानोत्तर आपत्तियों का निपटान कर दिया गया तथा **145** अनुदानोत्तर आपत्तियाँ निपटान हेतु लंबित रही।

(ड़) गोपनीय निदेश (धारा 35 के तहत): वर्ष के दौरान **77** पेटेंट आवेदन डीआरडीओ को प्रेषित किए गए। **17** आवेदन लंबित रहे और **60** आवेदनों को रक्षा मंत्रालय द्वारा सामान्य कार्रवाही हेतु अनुमत्त किया गया।

(च) अनुमति (धारा 39 के तहत): भारत को छोड़कर अन्य देशों में आवेदन दाखिल करने हेतु अनुरोध करते हुए **2403** आवेदन दाखिल की गई जिसमें से **2377** पर अनुमति प्रदान कर दी गई।

(छ) व्यपगत पेटेंट का प्रत्यावर्तन (धारा 60 के तहत): पेटेंट के प्रत्यावर्तन के लिए **366** आवेदन प्राप्त किए गए तथा **351** आवेदन प्रत्यावर्तित किए गए।

(ज) समनुदेशन, मोर्गेज, लाइसेंस आदि (धारा 68 तथा 69 के तहत): दस्तावेजों के पंजीकरण के लिए कुल **1217** मामले प्राप्त किए गए जिसमें से **1063** मामलों का निपटान प्रतिवेदन वर्ष के दौरान कर दिया गया।

(झ) जारी पेटेंट (धारा 146 के तहत): प्रतिवेदन वर्ष के दौरान पेटेंट कार्यालय ने 34112 फॉर्म-27 प्राप्त किए जिनमें से 6777 को जारी रहने के रूप में दर्शाया गया था।

	2008-09	**2009-10**	**2010-11**
प्रवृत्त पेटेंट	30822	37334	39594
प्राप्त फॉर्म-27	अप्रयोज्य	24009	34112
जारी रहने के रूप में दर्शाया हुआ	4752	4189	6777

(ञ) अनिवार्य लाइसेंस (धारा 84, 92 तथा 92-क के तहत): प्रतिवेदन वर्ष के दौरान अनिवार्य लाइसेंस के अनुदान हेतु कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ।

(ट) सूचना (धारा 153 के तहत): वर्ष के दौरान पेटेंट नियम, 2003 के नियम 134 में यथा प्रदत्त इस अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत पेटेंट कार्यालय ने **1180** की संख्या में सूचना संबंधी अनुरोध प्राप्त किए।

(ठ) अनुलिपि पेटेंट (धारा 154 के तहत): कुल **28** अनुरोध प्राप्त किए गए तथा **27** का निपटारा कर दिया गया।

(ड) पेटेंट अभिकर्त्ताओं का पंजीकरण: वर्ष के दौरान नवीन पंजीकरणों की संख्या **208** रही। 31 मार्च 2011 को पंजीकृत पेटेंट अभिकर्त्ताओं की कुल संख्या **1835** थी।

6. राजस्व एवं व्यय:

पेटेंट कार्यालयों ने इस वर्ष के दौरान अधिनियम एवं नियमों के तहत विभिन्न कार्यवाहियों से शुल्क के रूप में **रू. 158.78 करोड़** का राजस्व अर्जित किया। वर्ष के दौरान तदनुरूपी व्यय (डिजाइन प्रशासन सहित) **रू. 24.02** करोड़ रही। पेटेंट मद में शुल्क के रूप में अर्जित राजस्व का विवरण **परिशिष्ट-"छ"** में दिया गया है।

7. सामान्य सूचना

पेटेंट कार्यालय, कोलकाता तथा मुम्बई, दिल्ली एवं चेन्नई स्थित उसके शाखा कार्यालयों के वैज्ञानिक तथा तकनीकी पुस्तकालय जनता को परामर्श तथा संदर्भ कार्य के लिए सुविधा प्रदान करते रहे। सुविधाओं का विभिन्न अनुसंधान व औद्योगिक संस्थानों के आविष्कारक तथा अन्य जनता के साथ साथ विभिन्न विश्वविद्यालयों में अनुसंधानरत विद्वानों ने और अधिक उपयोग किया।

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान पेटेंट कार्यालय ने विभिन्न देशों से 488 सीडी रोम प्राप्त किए। पेटेंट कार्यालय पुस्तकालय में 7,431 भारतीय तथा विदेशी पुस्तकें एवं जॉर्नल हैं। भारतीय तथा वैदेशिक पेटेंट विनिर्देश अन्य प्रकाशनों के माध्यम से स्वाध्याय और संदर्भ कार्यों के संपादन हेतु पेटेंट कार्यालय, कोलकाता तथा मुम्बई, दिल्ली एवं चेन्नई स्थित इसके शाखा कार्यालयों के पुस्तकालय में कुल 3,940 व्यक्ति आए। इन कार्यालयों के अन्वेषण कक्ष तथा पुस्तकालयों का समीचीन उपयोग वैज्ञानिकों एवं तकनीशियनों इत्यादि ने किया।

आम लोगों ने सभी पेटेंट कार्यालयों द्वारा प्रदत्त नि:शुल्क ऑनलाईन इंटरनेट खोज सुविधा का भी लाभ उठाया।

8. सूचना अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत सूचना

वर्ष के दौरान कुल **416** अनुरोध प्राप्त हुए एवं सभी अनुरोधों के संदर्भ में अधिनियम के तहत प्रदत्त समय-सीमा के अनुसार आवश्यक समुचित कार्रवाई की गई।

परिशिष्ट "क(1)"

31 मार्च 2011 को नियोजित परीक्षकों के विशिष्ट तकनीकी कार्यक्षेत्र के विवरण

विशिष्टता का व्यापक तकनीकी क्षेत्र	**परीक्षकों की संख्या**
जैव-रसायन	05
जैव-तकनीकी	09
रसायन	20
सिविल अभियंत्रणा	02
कम्प्यूटर विज्ञान	06
वैद्युतिक व इलेक्ट्रॉनिक्स अभियंत्रणा	13
यांत्रिकी अभियंत्रणा	05
धातुकर्म	02
माइक्रो बायोलॉजी	12
भौतिकी	03
वस्त्र अभियंत्रणा	02
कुल	**79**

परिशिष्ट "ख"

वर्ष 2009-2010 की तुलना में 2010-2011 में दाखिल किए गए पेटेंट आवेदन उद्‌गम राज्य/राष्ट्र के अनुसार वर्गीकृत

देश/राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश	साधारण आवेदनों की संख्या		कन्वेंशन आवेदनों की संख्या		राष्ट्रीय फेज आवेदनों की संख्या	
	2010-11	2009-10	2010-11	2009-10	2010-11	2009-10
1	2	3	4	5	6	7
आन्ध्र प्रदेश	697	553	03	04	34	26
अरुणाचल प्रदेश	02	01	0	0	0	0
असम	37	23	0	0	0	0
बिहार	31	16	0	0	0	0
चंडीगढ़	33	28	0	0	0	0
छत्तीसगढ़	12	02	01	0	0	0
दमन & दीव	01	0	0	0	0	0
दिल्ली	863	868	04	0	10	11
गोआ	06	05	0	0	0	0
गुजरात	387	319	0	0	03	01
हरियाणा	161	144	0	0	0	0
हिमाचल प्रदेश	08	0	0	0	0	0
जम्मु व कश्मीर	07	03	0	0	0	0
झारखण्ड	97	94	0	0	01	0
कर्नाटक	887	755	03	01	25	10
केरल	288	166	0	0	0	0
मध्य प्रदेश	45	37	0	0	0	0
महाराष्ट्र	2441	2286	03	03	151	154
मणिपुर	08	0	0	0	0	0
मेधालय	01	01	0	0	0	0
मिजोरम	01	01	0	0	0	0
नागालैंड	03	03	0	0	0	0
उड़ीसा	39	34	0	0	0	0
पोण्डीचेरी	08	06	0	0	0	0
पंजाब	55	75	0	0	0	0
राजस्थान	74	55	0	0	0	0
सिक्किम	01	0	0	0	0	0
तमिलनाडु	1040	813	0	0	10	05
त्रिपुरा	05	0	0	0	0	0
उत्तर प्रदेश	346	321	0	01	0	0
उत्तराखण्ड	51	67	0	0	0	0
पश्चिम बंगाल	427	364	0	0	02	01
कुल	**8062**	**7044**	**14**	**09**	**236**	**209**

परिशिष्ट "ख" जारी

राष्ट्रमंडल देश

	2010-11	2009-10	2010-11	2009-10	2010-11	2009-10
1	2	3	4	5	6	7
युनाईटेड किंगडम	15	26	33	36	917	910
आस्ट्रेलिया	05	05	07	03	317	287
कनाडा	06	04	61	67	477	399
आयरलैंड	14	01	18	01	46	90
श्रीलंका	0	0	01	0	01	01
न्यूजीलैंड	01	0	01	0	51	53
कुल	**41**	**36**	**121**	**107**	**1809**	**1740**

उत्तर व दक्षिण अमेरिका

	2010-11	2009-10	2010-11	2009-10	2010-11	2009-10
1	2	3	4	5	6	7
यु.एस.ए	269	236	1052	831	9084	8087
मैक्सिको	0	0	01	01	32	07
वेनेजुएला	0	0	0	0	0	10
ब्राजील	02	01	13	07	60	50
अर्जेन्टीना	0	0	02	01	03	07
वेस्ट इंडीज	0	09	0	0	0	01
पनामा	0	0	0	0	06	08
उरूग्वे	01	0	01	0	03	0
बरमूडा	03	02	0	01	18	18
बारबाडोस	0	0	01	0	12	07
बहमास	01	0	0	0	11	08
क्यूबा	0	0	0	0	04	07
कोस्टारिका	0	0	0	0	01	01
बेलाइज	0	02	0	0	0	0
उत्तर व दक्षिण अमेरिका के अन्य देश	04	02	08	06	33	0
केमेन आइलैंड	0	0	0	0	07	0
चिली	0	0	0	0	05	0
कोलंबिया	0	0	0	0	01	0
अल साल्वाडोर	0	0	0	0	01	0
ग्रेनेडा	0	0	0	0	01	0
पेरू	0	0	0	0	01	0
वर्जिन आइलैंड	0	0	0	0	01	0
कुल:	**280**	**252**	**1078**	**847**	**9281**	**8279**

परिशिष्ट "ख" जारी

यूरोप

	2010-11	2009-10	2010-11	2009-10	2010-11	2009-10
1	2	3	4	5	6	7
जर्मनी	53	40	609	489	2991	2582
फ्रांस	59	54	124	142	1426	1198
स्वीटजरलैंड	105	104	211	188	1335	1287
स्वीडन	16	05	24	30	939	710
रसिया	0	02	04	01	51	42
नीदरलैंड्स	10	07	34	28	1292	1281
इटली	04	09	119	86	485	465
हंगरी	02	0	0	01	22	30
आस्ट्रीया	01	01	14	21	192	140
बेल्जियम	02	01	10	02	335	304
डेनमार्क	05	03	38	31	391	298
लग्जमबर्ग	0	0	08	06	49	28
युगोस्लाविया	0	0	0	0	0	0
नार्वे	0	0	15	04	110	95
स्पेन	01	0	15	11	193	150
फिनलैंड	48	26	10	23	510	453
लिचेन्सटिन	0	0	0	01	08	13
आइसलैंड	14	38	0	02	12	14
पूर्तगाल	0	01	0	0	18	14
साइप्रस	0	0	05	01	08	13
चैनल आइलैंड	0	0	0	0	0	0
टर्की	0	0	02	01	13	0
चेक गणराज्य	0	0	03	0	22	16
पोलैंड	0	0	05	0	13	11
इस्टोनिया	0	0	0	0	05	04
लात्विया	0	0	0	0	06	02
रोमानिया	0	0	0	0	0	01
स्लोवेनिया	0	0	0	01	16	02
स्लोवाकिया	0	0	0	0	02	04
मोनाको	0	0	0	0	01	05
युक्रेन	0	0	01	0	03	04
युरोप के अन्य देश	0	16	01	01	46	15
बेलारूस	12	0	02	0	01	0
बुल्गारिया	0	0	0	0	02	0
जिब्राल्टर	0	0	0	0	01	0
ग्रीस	01	0	0	0	12	0
सॉन मरिनो	0	0	0	0	02	0
कुल	**336**	**307**	**1254**	**1070**	**10512**	**9181**

अफ्रीका

	2010-11	2009-10	2010-11	2009-10	2010-11	2009-10
1	2	3	4	5	6	7
दक्षिण अफ्रीका	01	02	04	04	63	64
स्वाजीलैंड	04	01	0	02	0	03
मौरिसस	01	01	01	01	0	0
तंजाम	0	0	0	0	0	0
माल्टा	0	0	0	0	18	12
इजिप्ट	0	0	0	0	0	0
मोरक्को	0	0	01	0	01	0
सेसेल्स	0	0	0	0	01	0
अफ्रीका के अन्य देश	01	01	01	01	02	06
कुल	**07**	**05**	**07**	**08**	**85**	**85**

एशिया

	2010-11	2009-10	2010-11	2009-10	2010-11	2009-10
1	2	3	4	5	6	7
जापान	25	27	980	627	3112	2386
चीन गणराज्य	11	10	72	79	592	468
इजराइल	06	01	10	09	318	292
ताइवान	75	101	134	120	54	20
युनाइटेड अरब अमीरात	04	02	01	0	08	02
थाइलैंड	01	03	0	0	03	05
मलेशिया	01	0	06	06	31	23
सिंगापुर	11	07	04	02	82	63
फिलिपिन्स	0	0	0	0	02	03
सउदी अरबिया	01	03	0	02	17	15
कजाखस्तान	0	0	0	0	01	0
इंडोनेशिया	0	0	01	0	02	0
क्रोएशिया	0	0	0	0	0	03
उजबेकिस्तान	0	0	0	0	0	0
माली	0	0	0	0	0	0
कुवैत	0	01	01	0	0	0
नेपाल	0	0	02	0	01	0
एशिया के अन्य देश	02	07	01	03	01	10
जोर्डन	0	0	01	0	0	0
कोरिया गणराज्य	15	58	119	94	518	636
बुरूनेई दारूस्लम	01	0	0	0	01	0
अजरबैजान	0	0	02	0	01	0
ईरान	0	0	0	0	02	0
वियतनाम	01	0	0	0	01	0
यमन	0	0	0	0	01	0
हाँग-काँग (चीन)	0	06	07	03	14	11
कुल	**154**	**226**	**1341**	**945**	**4762**	**3937**
कुल योग	**8880**	**7870**	**3829**	**2986**	**26685**	**23431**

परिशिष्ट "ग"

पिछले 10 वर्षों में प्रवासी और भारत में रहने वाले द्वारा विभिन्न माध्यमों से दाखिल आवेदन

आवेदक	2001-2002	2002-2003	2003-2004	2004-2005	2005-2006	2006-2007	2007-2008	2008-2009	2009-2010	2010-2011
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
भारत में रहने वाले	2371	2693	3218	3630	4521	5314	6040	6161	7044	**8312**
प्रवासी										
साधारण	1870	1723	1678	3165	1008	693	834	681	826	**816**
कन्वेंशन	-	-	-	-	3509	3969	4453	4264	2986	**3728**
पीसीटी के तहत राष्ट्रीय फेज आवेदन	6351	7049	7717	10671	15467	19768	23891	25706	23431	**26544**
कुल योग	**10592**	**11466**	**12613**	**17466**	**24505**	**28940**	**35218**	**36812**	**34287**	**39400**

परिशिष्ट "घ"

वर्ष 2000-2001 से 2010-11की अवधि के दौरान पेटेंट संबंधी विविध सूचना

वर्ष	दाखिल आवेदनों की संख्या	परीक्षण के लिए अनुरोधों की संख्या	पूर्ण विनिर्देश दाखिल नहीं करने के कारण धारा 9 (1) तहत परित्यक्त मान लिए गए आवेदनों की संख्या	पूर्ण विनिर्देश के अस्वीकृत होने के कारण धारा 21 (1) के तहत परित्यक्त समझे गये आवेदनों की कुल संख्या	अनुदत्त पेटेंटों की संख्या		प्रवृत्त पेटेंट की संख्या	
					भारतीय	विदेशी	भारतीय	विदेशी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
2000-2001	8503		89	460	399	919	1495	6530
2001-2002	10592		325	1031	654	937	1578	6742
2002-2003	11466		290	1633	494	885	1479	6519
2003-2004	12613	12362	933	1695	945	1524	2075	4331
2004-2005	17466	19001	267	775	764	1147	2200	4657
2005-2006	24505	21926	414	894	1396	2924	4486	11933
2006-2007	28940	20645	694	1121	1907	5632	3473	13593
2007-2008	35218	22146	1066	479	3173	12088	7966	21722
2008-2009	36812	30595	888	1075	2541	13520	6158	24664
2009-2010	34287	28653	2720	5171	1725	4443	6781	30553
2010-2011	**39400**	**31493**	**185**	**5186**	**1273**	**6236**	**7301**	**32293**

परिशिष्ट "ङ"

आविष्कार के विविध क्षेत्रों के अंतर्गत 2006-2007 से 2010-2011 तक विगत पाँच वर्षों के दौरान दाखिल पेटेंट आवेदनों की संख्या

वर्ष	रसायन	भेषज	खाद्य	वैद्युतिक	यांत्रिकी	कम्प्युटर/ इलेक्ट्रोनिक्स	जैव-तकनीकी	सामान्य	अन्य क्षेत्र (परिशिष्ट ङ-I देखें)	कुल
2006-2007	6354	3239	1223	2371	5536	5822	2774		1621	28940
2007-2008	6375	4267	233	2210	6424	4842	1950		7110	35218
2008-2009	5884	3672	340	2319	6360	7063	1844	2946	6384	36812
2009-2010	6014	3070	276	2376	6775	7646	1303	885	5942	34287
2010-2011	**6911**	**3526**	**315**	**2719**	**7782**	**9594**	**1497**	**1017**	**6039**	**39400**

परिशिष्ट "ङ 1"

आविष्कार के अन्य विविध तथा नए क्षेत्रों के अंतर्गत 2010-11 के दौरान दाखिल पेटेंट आवेदनों की संख्या

आविष्कार के क्षेत्र	बायो-मेडिकल	बायो-केमेस्ट्री	बायो-इंर्फोमेटिक्स	भौतिकी	सिविल	वस्त्र	धातुकर्म/ सामग्री विज्ञान	कृषि	पोलिमर विज्ञान	पशु चिकित्सा	अन्य दूसरे क्षेत्र
	भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि
2010-2011	22/700	10/117	10/209	71/1508	46/180	34/290	8/387	20/48	19/984	--	39/1337

* भा = भारतीय, वि = विदेशी

कुल परिशिष्ट - ङ 1 :- 6039

परिशिष्ट "च"

आविष्कार के विविध क्षेत्रों में वर्ष 2006-07 से 2010-2011 के दौरान अनुदानित पेटेंट की संख्या

वर्ष	रसायन	भेषज	खाद्य	वैद्युतिक	यांत्रिकी	कम्प्युटर /इलेक्ट्रोनिक्स	जैव-तकनीकी	सामान्य	अन्य क्षेत्र (परिशिष्ट-च-1 देखें)	कुल
2006-2007	1989	798	244	787	2526	237	89		869	**7539**
2007-2008	2662	905	154	1067	3503	1357	341		2474	**15316**
2008-2009	2376	1207	97	1140	3242	1913	1157	1318	3611	**16061**
2009-2010	1420	530	72	404	1024	1195	449	273	801	**6168**
2010-2011	**1899**	**596**	**84**	**394**	**1458**	**892**	**165**	**350**	**1668**	**7509**

परिशिष्ट "च1"

आविष्कार के विविध अन्य और नए क्षेत्रों के अंतर्गत 2010-2011 के दौरान अनुदानित पेटेंट आवेदनों की संख्या

आविष्कार के क्षेत्र	बायो-मेडिकल	जैव-रसायन	जैव-सूचना	भौतिकी	सिविल	वस्त्र	धातुकर्म/मेडिकल सर्विस	कृषि	पोलिमर साइंस	पशु चिकित्सा	अन्य दूसरे क्षेत्र
	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.
2010-2011	60/353	6/43	रिक्त/रिक्त	21/142	12/68	9/109	18/57	1/5	22/157	रिक्त/रिक्त	88/500

* भा. = भारतीय, वि. = विदेशी

कुल परिशिष्ट - च 1:-1671

परिशिष्ट "छ"

अधिनियम व नियम के तहत विभिन्न कार्यवाहियों के संदर्भ में वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्त शुल्क

एकत्रित शुल्क के संदर्भ	प्राप्त कुल राशि (रू.)
1.	2.
(1) धारा5 (2), 7, 54 व 135 के तहत पेटेंट आवेदन तथा नियम 20 (1) के तहत पीसीटी राष्ट्रीय फेज आवेदन	727696300
(2) धारा 11 (ख) के तहत पेटेंट आवेदनों के परीक्षण हेतु अनुरोध नियम 24 (ख) (1)(i) नियम 20(4)(ii)	300230500
(3) विभिन्न कार्यवाहियों के तहत समय विस्तार हेतु अनुरोध नियम 138 के अतिरिक्त	3771600
(4) धारा 20(1) के तहत दावा तथा धारा 20(4) या 20(5) के तहत निदेश हेतु अनुरोध	3234000
(5) धारा 25 के तहत पेटेंट अनुदान के विरोध की सूचना	138000
(6) समय विस्तार के लिए आवेदन	439000
(7) नियम 62 (2) के तहत नियंत्रक के समक्ष सुनवाई में उपस्थित होने की सूचना देना	273000
(8) धारा 28(2), 28(3), 28(7) के तहत आवेदन	749000
(9) विनिर्देश से संदर्भ का विलुप्तीकरण	2000
(10) धारा11 क(2) तथा नियम 23(ख) के तहत प्रकाशन हेतु अनुरोध	6182500
(11) धारा 44 के तहत पेटेंट के संशोधन हेतु आवेदन	शून्य
(12) धारा 53 के तहत पेटेंट अनुदान के संदर्भ में नवीकरण शुल्क	450228500
(13) धारा 57 के तहत पेटेंट हेतु आवेदन/संपूर्ण विनिर्देश तथा अन्य दस्तावेज के संशोधन हेतु आवेदन	7580300
(14) धारा 60 के तहत जहाँ आवश्यक हो अतिरिक्त शुल्क सहित किसी पेटेंट के प्रत्यावर्तन के लिए आवेदन पर	5797500
(15) धारा 69(1) या 69(2) व नियम 74(1), 74(2), या 74(3) एवं नियम 90 (1), 90 (2) के तहत पेटेंट के लिए हकदार या हिस्सेदार या बंधककर्त्ता या समनुदेशिती या अन्यथा के रूप में किसी व्यक्ति के नाम को पेटेंट पंजी में इंदराज करने के लिए अथवा किसी प्रलेख की अधिसूचना को पेटेंट पंजी में दर्ज करने के लिए आवेदन पर	3816000
(16) नियम 94 (1) या नियम 118 के तहत पेटेंट रजिस्टर में या पेटेंट एजेन्ट के रजिस्टर में बदलाव के लिए आवेदन	1533800
(17) धारा 94 (3) के तहत पेटेंट पंजी में अतिरिक्त सेवार्थ पते की प्रविष्टि हेतु अनुरोध पर	8000
(18) अतिरिक्त पेटेंट का स्वतंत्र पेटेंट के रूप में परिवर्तन	शून्य
(19) नियम 109 (1) या 112 के तहत पेटेंट अभिकर्ता के रूप में पंजीकरण हेतु आवेदन पर	428000
(20) पंजी में अभिकर्ता के नाम का पंजीकरण- फॉर्म-23	7000

(21) नियम 109 (3) के तहत अर्हता परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए अनुरोध पर	1832000
(22) पेटेंट एजेंट के लिए प्रमाण-पत्र की अनुलिपि	1000
(23) पेटेंट एजेन्ट के नाम को पेटेंट रजिस्टर में जारी रखने के लिए निरंतरता शुल्क	1061000
(24) धारा 78(2) के तहत लिपिकीय त्रुटियों के परिमार्जन हेतु अनुरोध पर	170500
(25) धारा 77(1) (च) या 77(1) (छ) के तहत नियंत्रक के निर्णय/आदेश की संवीक्षा या अपास्त करने हेतु आवेदन पर	119000
(26) धारा 39 तथा नियम 71 (1) के तहत भारत के बाहर पेटेंट आवेदन करने की आज्ञा हेतु अनुरोध	5169000
(27) अनुलिपि पेटेंट के लिए आवेदन	95000
(28) धारा 72 के तहत अभिप्रमाणित प्रतियों के लिए अनुरोध पर या धारा 147 नियम 133 के तहत प्रमाण-पत्र हेतु	11027000
(29) धारा 72 के तहत पंजी का निरीक्षण, नियम 27 या नियम 38 या नियम 74 (क) के तहत निरीक्षण हेतु अनुरोध	990800
(30) धारा 153 के तहत सूचना हेतू अनुरोध पर	818400
(31) नियम 137, 138 के तहत अभ्यावेदन	21596000
(32) अंतर्राष्ट्रीय आवेदन हेतु सम्पारेषण शुल्क	5390000
(33) आवेदन का प्रत्याहरण	369000
(34) अग्रता प्रलेख की अभिप्रमाणित प्रति तैयार करने के लिए एवं उसे अन्तर्राष्ट्रीय ब्यूरो सम्पारेषण हेतु	2595000
(35) सूचना अधिकार अधिनियम	4680
(36) धारा 57 (4) तथा 87 (2) के तहत किसी आवेदन के विरोध की सूचना धारा 63 (3) के तहत पेटेंट का त्याग करने के लिए धारा 78(5 के तहत अनुरोध पर	6000
(37) प्रलेख की छाया प्रतियों की आपूर्ति हेतु	594320
(44) अन्यान्य प्राप्तियाँ	23856809
कुल	**158,78,10,509**

अध्याय - V

डिजाइन

1. परिचय:

डिजाइन अधिनियम, 2000 का प्रशासन कार्यालय महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न तथा भौगोलिक संकेत के अधीन पेटेंट कार्यालय, कोलकाता के डिजाइन स्कंध द्वारा निष्पादित होता है।

डिजाइन अधिनियम, 2000 अपने पूर्ववर्ती 1911 के अधिनियम को निरस्त कर दिनांक 11 मई 2001 से प्रभावी हुआ। यह अधिनियम और तत्संबंधी डिजाइन नियम, 2001 डिजाइन (संशोधन) नियम, 2008 द्वारा यथा संशोधित जिसे 17 जून, 2008 से लागू किया गया था, औद्योगिक अभिकल्प के पंजीकरण एवं संरक्षण का अवसर प्रदान करता है। इसमें विद्यमान अधिनियम की धारा 19 के अंतर्गत निरस्तीकरण, धारा 31 के तहत परिशुद्धि तथा धारा 12, 13 और 14 के तहत प्रत्यावर्तन सहित विद्यमान पंजीकृत अभिकल्पों तथा अन्यान्य उत्तर पंजीकरण कार्य के दौरान प्रतिलिप्यधिकार का विस्तार शामिल है।

डिजाइन अधिनियम, 2000 पृष्ठ के ढंग तथा साज-सज्जा तथा पंक्तियों एवं रंग के संयोजन के साथ-साथ नये आकार व संरचनाओं के वैशिष्ठ्य का सृजन तथा दृष्टिगत अनुरोध के संवर्द्धन हेतु वस्तुओं में प्रयुक्त अलंकरण की परख होती है।

डिजाइन (संशोधन) नियम, 2008 के अनुरूप किसी वस्तु के लिए प्रयुक्त डिजाइन पंजीकरण के आवेदनों को उनके अन्तर्राष्ट्रीय वर्गीकरण प्रणाली (लोकार्नो वर्गीकरण, तृतीय अनुसूची) के अनुसार वर्गीकृत किया जाता है जिससे बेहतर खोज की जा सके।

एन.आई.सी की सहायता से पेटेंट कार्यालय के डिजाइन स्कंध के संपूर्ण कम्प्यूटरीकरण की दिशा में कई गतिविधियों की शुरूआत की गई है। डिजाइन आवेदन के डिजिटाइजेशन एवं कम्प्यूटर जनित रजिस्टर के सृजन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। डिजाइन आवेदनों का परीक्षण इलेक्ट्रोनिक रूप में **01/04/2009** से ही प्रारंभ किया जा चुका था। इसके आवेदन की अद्यतन स्थिति शासकीय वेबसाइट पर इलेक्ट्रोनिक रूप में उपलब्ध करा दी गई है। अभिकल्प आवेदनों का ई-फाइलिंग प्रारंभ करने की प्रक्रिया निर्माणाधीन है।

फ्रंट ऑफिस साफ्टवेयर स्थापित किया जा चुका है जिसकी सहायता से कोलकाता, दिल्ली, चेन्नई एवं मुम्बई स्थित पेटेंट कार्यालयों में से किसी में भी आवेदन दाखिल करने के साथ ही साथ एक स्वजनित आवेदन संख्या प्रदान कर दी जाती है।

डिजाइन संबंधी बौद्धिक सम्पदा अधिकारों के प्रति जागरूकता सृजित करने के उद्देश्य से एक जनसूचना कार्यक्रम प्रारंभ की गई है जिसके तहत कई अधिकारियों को विभिन्न संस्थाओं द्वारा आयोजित अनेक कार्यशालाओं/सिम्पोजिया में भेजा गया। अधिक विस्तृत सूचना उपलब्ध कराने हेतु सूचना पुस्तिका संशोधित की गई है।

2. दाखिल एवं पंजीकृत डिजाइन आवेदन

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान डिजाइन पंजीकरण हेतु दाखिल आवेदनों की संख्या **7589** थी। भारतीय आवेदकों द्वारा **5084** आवेदन दाखिल किए गए जबकि शेष **2484** आवेदन विदेशों से उद्गमित हुए।

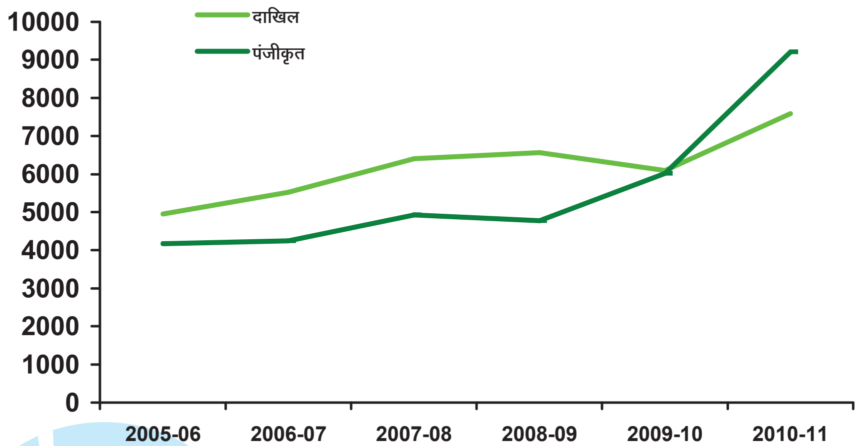

दाखिल आवेदन एवं पंजीकृत डिजाइन

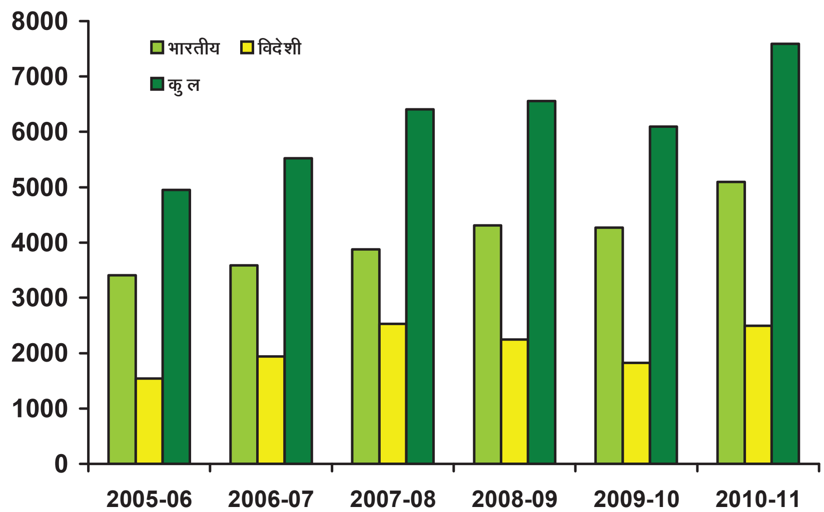

भारतीय व विदेशी आवेदकों द्वारा दाखिल डिजाइन आवेदन

विदेशों से उद्‌गमित आवेदनों के संदर्भ में संयुक्त राज्य अमेरिका (738) का स्थान सर्वोपरि रहा जिसके बाद क्रमश: जापान (442), जर्मनी (354), नीदरलैंड (167), यू.के.(158), स्वीटजरलैंड (123), कोरिया गणतंत्र (108), इटली (101), फिनलैंड (75), फ्रांस (72), स्वीडन (56), चीन (49), स्पेन (42), कनाडा (34), साइप्रस (26), हांगकांग (19), ताइवान (18), आस्ट्रेलिया (18), न्यूजीलैंड (16), वहीम (15), बेल्जियम (11), आस्ट्रिया (10), टर्की (8), नार्वे (8), सिंगापुर (7), ग्रीस (2), थाइलैंड (2), दक्षिण अफ्रिका (2) का स्थान रहा। भारत एवं अन्य कन्वेंशन देशों के बीच पारस्परिक व्यवस्था के तहत 2484 आवेदनों ने प्रायिकता दावे दाखिल किए। विदेशी कम्पनियों में कोनिंकलिके फिलिप्स इलेक्ट्रॉनिक्स एन.भी. (144), द प्रॉक्टर एन्ड गैम्बल कंपनी (84), होण्डा मोटर कम्पनी लिमिटेड (63), एल जी इलेक्ट्रोनिक इंक (41), कोलर कं. (46), नोकिया कॉर्पोरेशन (35), माइक्रोसॉफ्ट कार्पोरेशन (33) आदि अग्रणी रहीं।

इसी प्रकार भारतीय कम्पनियों में क्रॉम्पटन ग्रीब्स लि. (158 दाखिल, 116 पंजीकृत), बीबा अप्परेलस प्र. लि. (128 दाखिल, 13 पंजीकृत), मा डिजाइन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (112 दाखिल, 131 पंजीकृत), अजन्ता मौनुफैक्चरिंग लि. (99 दाखिल, शून्य पंजीकृत), लूम क्राफ्टस फर्निचर (इंडिया) प्र. लि. (86 दाखिल, 72 पंजीकृत), एवरशाइन अपलाएंस प्र. लि. (75 दाखिल, 71 पंजीकृत), जेसीबी इंडिया लिमिटेड (61दाखिल, 41 पंजीकृत), ट्यूब इंवेस्टमेंट ऑफ इंडिया लि. (59 दाखिल, 50 पंजीकृत), रेविसेंट प्र.लि. (44 दाखिल, 13 पंजीकृत), यश अग्रवाल (43 दाखिल, शून्य पंजीकृत) अग्रणी रही।

3.अभिकल्प आवेदन-पत्रों की जाँच

पिछले वर्ष लंबित 822 आवेदनों सहित कुल 8411 आवेदनों में से 6227 आवेदनों का परीक्षण प्रतिवेदन वर्ष के दौरान किया गया। 15 आवेदनों को परित्यक्तता एवं अस्वीकृति के आधार पर डिजाइन अधिनियम तथा इसके नियमों के तहत पंजीकृत नहीं किया गया। वर्ष के दौरान पंजीकृत अभिकल्पों की संख्या **9206** थी जिनमें 2005 से लंबित आवेदन शामिल हैं। कुल पंजीकृत अभिकल्पों में से 6369 आवेदन भारत से उद्‌गमित थे और शेष 2837 विदेशों से प्राप्त हुए। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान कुल दाखिल आवेदनों **(7589)** में से 2492 आवेदन विदेशों से उद्‌गमित हुए।

4. प्रतिलिप्यधिकार विस्तार [धारा 11(2) के तहत]: वर्ष 2010-11 के दौरान; पंजीकृत अभिकल्पों में प्रतिलिप्यधिकार विस्तार के लिए 482 आवेदन प्राप्त किए गए। 261 पंजीकृत अभिकल्पों के लिए वर्ष के दौरान 5 वर्षों के लिए नवीकरण प्रदान किया गया और शेष बचे मामलों पर कार्य किया जा रहा है। वर्ष के दौरान अभिकल्प के प्रत्यावर्तन के लिए 29 आवेदन प्राप्त किए गए एवं 5 आवेदनों के अंतिम आदेश जारी कर दिया गया है तथा शेष मामलों के लिए कार्य प्रारंभ किया गया है।

विविध कार्यवाहियाँ

पंजीकृत अभिकल्पों का निरस्तीकरण [धारा 19 के तहत]: वर्ष के दौरान पंजीकृत अभिकल्पों के निरस्तीकरण के लिए 72 आवेदन किए गए, 132 सुनवाइयाँ की गयी, वर्ष के दौरान 10 सुनवाइयाँ आस्थगित की गई तथा प्रतिवेदन वर्ष के दौरान 67 आदेश जारी किए गए। शेष आवेदन डिजाइन अधिनियम, 2000 की धारा 19 एवं डिजाइन नियम, 2001 के नियम 29 के अनुसार प्रक्रियागत है।

जनता द्वारा निरीक्षण [धारा 38 के तहत]: संविक्षा वर्ष के दौरान 26 बार अभिकल्प पंजी का निरीक्षण किया गया।

नाम व पते एवं सेवार्थ पते में परिवर्तन [धारा 29, नियम 31 के तहत]: वर्ष के दौरान अभिकल्प के संदर्भ में नाम व पते एवं सेवार्थ पते में परिवर्तन हेतु 551 अनुरोध प्राप्त हुए और 276 मामलों में आदेश जारी कर दिया गया है। शेष मामलों के लिए कार्य प्रारंभ किया गया है। वर्ष के दौरान लिपिकीय त्रुटियों के परिमार्जन हेतु 1339 अनुरोध प्राप्त हुए एवं प्रतिवेदन वर्ष के दौरान उनका निस्तारण कर दिया गया।

नियम 41 तथा धारा 17 (2) के तहत सत्यापित प्रतियां: वर्ष के दौरान 394 अनुरोध दाखिल किए गए तथा 51 अनुरोध वर्ष के अंत तक लंबित रहे।

समनुदेशन [धारा 30 व 30(3) के तहत]: वर्ष के दौरान अधिनियम की धारा 30 एवं 30(3) के तहत समनुदेशन हेतु 38 अनुरोध प्राप्त हुए। 07 मामलों का निपटारा किया गया। शेष 31 अनुरोध प्रक्रियागत हैं।

डिजाइन रजिस्टर का परिशोधन [धारा 31 के तहत]: वर्ष के दौरान धारा 31 के तहत डिजाइन रजिस्टर के परिशोधन हेतु 6 अनुरोध प्राप्त हुए एवं उन सभी पर कार्यवाही की गई। नियम 40 के तहत कोई आपत्ति प्राप्त नहीं हुई।

5. राजस्व

आलोच्य वर्ष के दौरान डिजाइन अधिनियम, 2000 के तहत निष्पादित गतिविधियों के लिए कुल **रू.106,26,985** का राजस्व अर्जित हुआ। जिसमें से पेटेंट कार्यालय, कोलकाता ने अकेले **रू.65,99,085** का राजस्व अर्जित किया। इनके विवरण परिशिष्ट - "क" में प्रदत्त हैं।

विगत 5 वर्षों के दौरान दाखिल एवं पंजीकृत आवेदन की प्रवृति परिशिष्ट -"ख" में तथा उद्‌गम के अनुसार परिशिष्ट- "ग" में दिखाई गई है।

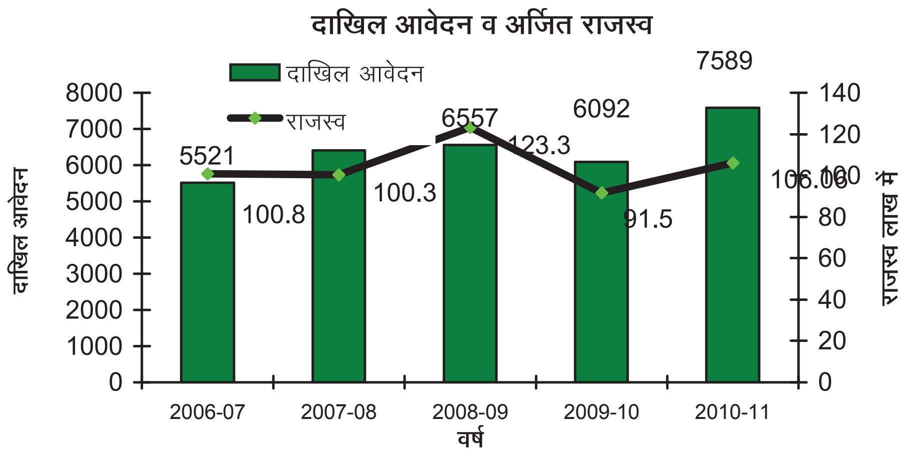

परिशिष्ट- क

वर्ष 2010-2011 के दौरान उत्पादित राजस्व

प्रलेखों का विवरण	संख्या	शुल्क (रू.)	राशि (रू.)
डिजाइन अधिनियम, 2000 की धारा 5 एवं 44 के तहत अभिकल्प के पंजीकरण हेतु आवेदन।	7589	1000	75,89,000
धारा 11(2) के तहत प्रतिलिप्यधिकार के विस्तार हेतु आवेदन	482	2000	9,64,000
धारा 12(2) के तहत व्यपगत अभिकल्प का प्रत्यावर्तन	29	1000	29,000
धारा 19 के तहत अभिकल्प का निरस्तीकरण	72	1500	10,80,00
धारा 26 और 17 (2) के तहत सत्यापित प्रतियां	394	500	197000
अभिकल्प अधिनियम, 2000 व अभिकल्प नियम, 2001 के तहत प्राप्त विविध शुल्क।			1739985
कुल योग:			**10626985**

परिशिष्ट- ख

दाखिल एवं पंजीकृत आवेदनों की प्रवृत्ति

वर्ष	दाखिल	पंजीकृत
2004-05	4017	3728
2005-06	4949	4175
2006-07	5521	4250
2007-08	6402	4928
2008-09	6557	4772
2009-10	6092	6025
2010-11	**7589**	**9206**

परिशिष्ट- ग

उद्गम के अनुसार दाखिल एवं पंजीकृत आवेदनों की प्रवृत्ति

वर्ष	दाखिल		पंजीकृत	
	भारतीय	विदेशी	भारतीय	विदेशी
2004-05	3093	924	3166	562
2005-06	3407	1542	3439	736
2006-07	3584	1937	2877	1373
2007-08	3873	2529	3026	1902
2008-09	4308	2249	2985	1787
2009-10	4267	1825	3552	2473
2010-11	**5095**	**2494**	**6369**	**2837**

प्रवृत्त अभिकल्प : वर्ष के अंत में प्रवृत्त पंजीकृत अभिकल्पों की संख्या **42348** रही।

विगत तीन वर्षों के दौरान प्रदर्शित प्रवृत्ति

	2008-09	2009-10	2010-11
प्रवृत्त अभिकल्प	38827	39008	42348

जागरूकता कार्यक्रम: अगस्त 2010 में महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न तथा राष्ट्रीय अभिकल्प संस्थान के साथ सम्मिलित रूप से हैदराबाद में एक जागरूकता कार्यक्रत संचालित किया गया। फरवरी और मार्च 2011 में कपड़ा मंत्रालय ने दो जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन कोलकाता में किया। साथ ही साथ औद्योगिक अभिकल्प से संबंधित जागरूकता सामान्य बौद्धिक सम्पदा जागरूकता कार्यक्रमों में शामिल रहे।

अध्याय - VI

व्यापार चिह्न

1.परिचय

यह अध्याय वर्ष 2010-2011 के लिए व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 तथा उससे अधीन बने नियमों के तहत व्यापार चिह्न रजिस्ट्री द्वारा चलाई गई गतिविधियों के बारे में जानकारी 52 वें वार्षिक रिपोर्ट में प्रस्तुत करता है।

व्यापार चिह्न अधिनियम का उद्देश्य व्यापार चिह्न को बेहतर सुरक्षा प्रदान करना है और नकली व्यापार चिह्नों के उपयोग को रोकना है। व्यापार चिह्न का पंजीकरण पंजीकृत स्वत्वधारी को कतिपय सांविधिक अधिकार प्रदान करता है, जो उसे व्यापार चिह्न के अतिलंघन की स्थिति में वाद चलाने हेतु सक्षम बनाता है, चाहे ये व्यापार चिह्न प्रयोग में हो या नहीं। यह उन कॉमन लॉ अधिकारी के अतिरिक्त अधिकार है जहां पासिंग ऑफ के अंतर्गत मुकदमा चलाया जा सकता है। व्यापार चिह्न रजिस्ट्री व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 तथा उसके अधीन बने नियमों को प्रशासित करता है। यह अधिनियम तथा संबंधित नियम दिनांक 15 सितंबर, 2003 से प्रभाव में है। इसका मुख्यालय मुंबई में है तथा इसकी शाखाएं दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई और अहमदाबाद में स्थित है। सामान्यतया बौद्धिक सम्पदा अधिकार तथा विशेषकर व्यापार चिह्न के संबंध में बढ़ती जागरुकता से व्यापार चिह्न रजिस्ट्री की भूमिका तथा उत्तरदायित्व में काफी बढ़ोतरी हुई हैं। व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 के अधीन सेवाओं के व्यापार चिह्न सुविख्यात चिह्न, सामूहिक चिह्न तथा बहु वर्ग (मल्टी क्लास) आवेदनों इत्यादि को शामिल किए जाने से इस भूमिका में और बढ़ोतरी होने वाली है। रजिस्ट्री भुकतान गेटवे के माध्यम से वेब आधारित सेवाएं देने की प्रक्रिया में है जिसमें ई-फाईलिंग की सुविधा भी शामिल है। इसके अतिरिक्त व्यापार चिह्न रजिस्ट्री पर व्यापार चिह्न से संबंधित वायपो की स्थायी समिति के विमर्श को विश्व स्तर पर अनुपालन करने की जिम्मेदारी भी हैं। साथ ही डोमेन नेम तथा इंटरनेशनल नॉन प्रोप्रायटरी नेम जैसे उभरते नए मुद्दों के लिए इनपुट प्रदान करना है। व्यापार चिह्न रजिस्ट्री समय-समय पर बौद्धिक सम्पदा अधिकारों के क्षेत्र में जागरुकता संबंधी गतिविधियों में भी भाग लेती है।

2. वर्ष 2010-2011 के दौरान गतिविधियों की प्रवृत्ति

सन् 2010-2011 के दौरान व्यापार चिह्न रजिस्ट्री द्वारा की गई गतिविधियों संबंधी जानकारी निम्नलिखित सारणी में दी गई है। आवेदन दाखिल करने की प्रवृत्ति यह इंगित करती है कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष भी दाखिल आवेदनों की संख्या अधिक रही। पिछले वर्ष की तुलना में आवेदनों की संख्या में 37374 की बढ़ोतरी हुई। फाइल किए गए, परीक्षित एवं पंजीकृत आवेदन संबंधी जानकारी परिशिष्ट-I में दी गई है।

क्रम संख्या	गतिविधियाँ	2009-2010	2010-2011
1.	पंजीकरण के लिए फाइल किये गये आवेदन	1,41,943	1,79,317
2.	व्यापार चिह्न पत्रिका में विज्ञापित आवेदनों की संख्या	85,724	1,24,250
3.	पंजीकृत व्यापार चिह्नों की संख्या	67,490	1,15,472
4.	पंजीकरण का नवीकरण किए जानेवाले चिह्नों की संख्या	30,482	24,685
5.	प्रतिलिप्यधिकार अधिनियम, 1983 की धारा 45(1) के तहत जारी प्रमाण पत्र	4,213	1,859

3. व्यापार चिह्न आवेदन दाखिल करने की प्रवृत्ति :

भारत में व्यापार चिह्न के पंजीकरण के लिए दाखिल किए जा रहे आवेदनों की प्रवृत्ति में निरंतर वृद्धि देखी गई है। वर्ष 2010-11 में भारतीयों द्वारा फाइल किए गए आवेदनों की संख्या 1,67,701 थी तथा विदेशी आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदनों की संख्या 11,616 थी।

2006-07 से 2010-11 के दौरान दाखिल आवेदनों का प्रवृत्ति

वर्ष	भारतीय आवेदक	विदेशी आवेदक	कुल
2006-07	88,210	15,209	1,03,419
2007-08	1,17,014	6,500	1,23,514
2008-09	1,19,371	10,801	1,30,172
2009-10	1,34,403	7,540	1,41,943
2010-11	1,67,701	11,616	1,79,317

4. विभिन्न प्रकार के व्यापार चिह्न के लिए प्राप्त आवेदनों की प्रवृत्ति:

वर्ष 2010-11 के दौरान विभिन्न प्रकार के व्यापार चिह्न आवेदनों की प्रवृत्ति निम्न प्रदत्त सारणी में दर्शायी गई है। ऐसा देखा गया है कि कुल मिलाकर 1,01,851 अभिलक्षणा चिह्न वाले आवेदन फाइल किए गए जो कुल फाइलिंग का लगभग 56.79% है और इसी प्रकार शब्द चिह्न वाले कुल 77,466 आवेदन फाइल किए गए जो कुल फाइलिंग का 43.21% है।

दाखिल किए गए विभिन्न प्रकार के व्यापार चिह्न आवेदनों की प्रवृत्ति

चिह्नों के प्रकार	**2009-10**	**2010-11**
शब्द चिह्न	68,835	77,454
अभिलक्षण चिह्न	73,039	1,01,851
अंक चिह्न	26	5
वर्ण चिह्न	1	7
कुल	1,41,943	1,79,317

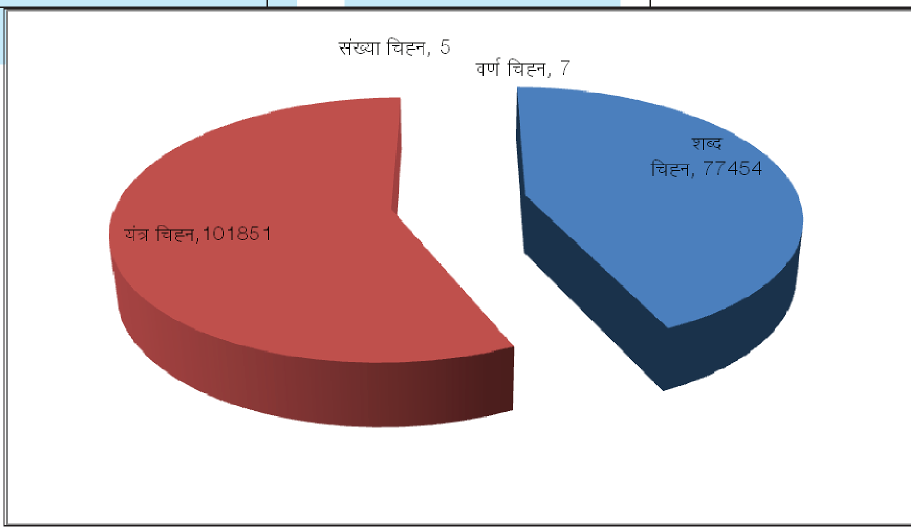

5. वर्गानुसार दाखिल किए गए आवेदनों की प्रवृत्ति :

वर्ष 2010-11 में वर्गानुसार दाखिल किए गए आवेदनों की प्रवृत्ति निम्न प्रदत्त सारणी में दर्शायी गई है। पिछले वर्षों की भांति, व्यापार चिह्न के पंजीकरण के लिए सबसे ज्यादा आवेदन वर्ग 5 के अंतर्गत की वस्तुओं (भैषजीय, पशु चिकित्सीय तथा सफाई संबंधी पदार्थ आदि) के लिए प्राप्त हुए हैं।

व्यापार चिह्न के पंजीकरण हेतु दाखिल आवेदनों के वर्गानुसार वितरण का विवरण

वर्ग	वस्तुएं	दाखिल आवेदन	कुल दाखिल आवेदनों का %
1	उद्योग, विज्ञान, फोटोग्राफी, कृषि, उद्यान-कृषि, वानिकी, खाद आदि में उपयोग में लाए जाने वाले रासायनिक पदार्थ	2947	1.64
2	पेंट, वार्निश	1262	0.70
3	सुगंधित पदार्थ, अंगराग आदि	6373	3.55
4	औद्योगिक तेल और चिकनाइयाँ (खाद्य तेल के अलावा) आदि	1002	0.56
5	भेषजीय, शालिहोत्रिक और सफाई (शौच) संबंधी निर्मितियाँ और पदार्थ आदि	31634	17.64
6	सामान्य धातुएं और उनके मिश्र धातु, धात्विक ढली सामग्री, ढली भवन (निर्माण) सामग्रियाँ आदि	2804	1.56
7	मशीन और मशीनी औजार, मोटरें, आदि	5014	2.80
8	हाथ से काम करने के औजार और उपकरण आदि	787	0.44
9	वैज्ञानिक, नाविक, सर्वे, वैद्युत उपकरण आदि	9382	5.23
10	शाल्यिक, औषधीय, दंत और शालिहोत्रिक आले और यंत्र आदि	1986	1.11
11	प्रकाशन साधित्र, तापक वाष्पजनक आदि	4311	2.40
12	यान, भूमिपर, व्योम में अथवा जल पर चलने के लिए यंत्र आदि	2607	1.45
13	अग्न्यास्त्र, गोला बारूद और क्षेपित्र आदि	294	0.16
14	बहुमूल्य वस्तुएं और उनका मिश्र धातु आदि	1958	1.09
15	संगीत के उपकरण आदि	283	0.16
16	कागज और कागज की वस्तुएं, लेखन सामग्री, छपी सामग्री आदि	5744	3.20
17	गट्टा पर्चा, भारतीय रबर आदि	2055	1.15
18	चमड़े और कृत्रिम चमड़े से बनी वस्तुएं आदि	1317	0.73
19	भवन निर्माण सामग्रियां आदि	3172	1.77
20	फर्नीचर, आईने आदि	1713	0.96
21	छोटे घरेलू बर्तन आदि	1959	1.09
22	रस्सी, सुतली आदि	423	0.24
23	सूत और धागे	466	0.26
24	टिशू (खंडित वस्त्र) आदि	2560	1.43
25	बूट, जूते और स्लीपर सहित पहनने की वस्तुएं	7803	4.35
26	गोटा और कसीदा, फीता और चोटी आदि	628	0.35
27	गलीचे, लोई, चटाइयां आदि	387	0.22
28	खेल और खेलने की चीजें आदि	1070	0.60
29	मांस, मछली, मुर्गी पालन आदि	3781	2.11
30	कॉफी, चाय, कोका आदि	8947	4.99

31	कृषि, बागवानी और वन्य उत्पाद और अनाज जो अन्य वर्गों में अंतर्गत नहीं है	3274	1.83
32	बीयर, खनिज और वाति पेय और अन्य अमद्यसारिक पेय जो अन्य वर्गों के अंतर्गत नहीं है	3468	1.93
33	वाइन स्प्रिट और मद्य पेय	1238	0.69
34	तम्बाकू, धूम्रपान करने वालों के लिए चीजें, दियासलाइयाँ	1954	1.09
35	विज्ञापन, कारोबार प्रबन्ध, कारोबार प्रशासन, कार्यालय कृत्य	11927	6.65
36	बीमा वित्तीय कार्य, आर्थिक कार्य, सम्पदा कार्य	3661	2.04
37	भवन निर्माण, मरम्मत, संस्थापन सेवाएं	3615	2.02
38	दूरसंचार	2381	1.33
39	यातायात, माल की पैकिंग और भंडारण, यात्रा इंतजाम	2114	1.18
40	सामग्री का बहिस्त्राव	696	0.39
41	शिक्षा, प्रशिक्षण देना, मनोरंजन, क्रीडा और सांस्कृतिक क्रियाकलाप	9616	5.36
42	वैज्ञानिक और तकनीकी सेवाओं तथा उससे संबंधित शोध और अभिकल्प, औद्योगिक विश्लेषण और शोध सेवाएं, कम्प्यूटर हार्डवेयर तथा साफ्टवेयर का डिजाइन और विकास	7511	4.19
43	खाद्य और पेय हेतु सेवाएं; अस्थायी निवास	3212	1.79
44	चिकित्सा सेवाएं ; पशुचिकित्सा सेवाएं; मानव या पशुओं के लिए स्वच्छता और सौन्दर्य देखभाल; कृषि, बागवानी तथा वन्य सेवाएं,	1884	1.05
45	विधिक सेवाएं; सम्पत्ति और व्यक्तियों की सुरक्षा हेतु सुरक्षा सेवाएं; व्यक्तियों की आवश्यकता पूर्ति के लिए अन्य लोगों द्वारा प्रदान की जाने वाली व्यक्तिगत और सामाजिक सेवाएं	1253	0.70
99	बहु वर्ग	6844	3.82
	कुल	**1,79,317**	**100.00**

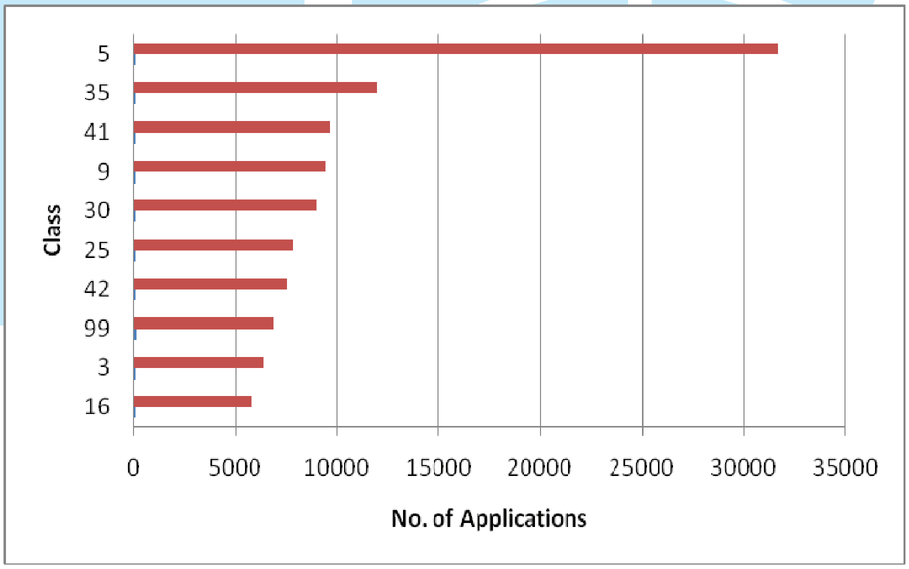

व्यापार चिह्न आवेदन दाखिल करने की प्रवृत्ति (वर्गानुसार)

6. शाखानुसार दाखिल किए गए आवेदनों की प्रवृत्ति :

वर्ष के दौरान व्यापार चिह्न रजिस्ट्री दिल्ली शाखा में अधिकतम संख्या (69702) में आवेदन दाखिल किए गए जिनके बाद क्रमश: मुंबई में (50402), चेन्नई में (30410), अहमदाबाद में (17863) एवं कोलकाता में (11940) का स्थान आता है।

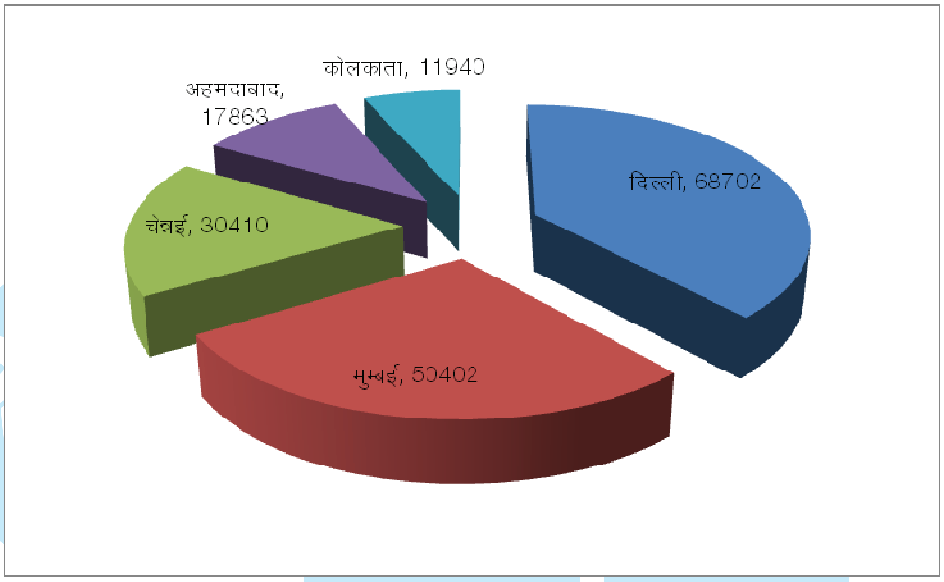

7. व्यापार चिह्न का पंजीकरण एवं अन्य गतिविधियाँ :

वर्ष 2010-11 के दौरान **1,15,472** व्यापार चिह्न पंजीकृत किए गए जबकि पिछले वर्ष के दौरान 67,490 पंजीकृत किए गए थे। दिनांक 31 मार्च 2011 को पंजीकृत व्यापार चिह्नों की कुल संख्या 9,38,297 थी।

इस वर्ष नवीकृत किए गए पंजीकृत व्यापार चिह्नों की संख्या 24,685 थी। वर्ष 2010-11 के दौरान व्यावसायी-साख या बिना साख वाले व्यापार चिह्नों के 405 समनुदेशन हेतु अनुरोध प्राप्त हुए, इनमें से रजिस्टर में की गई अन्य प्रविष्टियाँ जैसे नाम, व्यापार के पते आदि में परिवर्तन की संख्या 116 थी।

कानूनी कार्यवाहियों में उपयोग के लिए या विदेशों में पंजीकरण प्राप्त करने हेतु 1605 प्रमाणपत्र जारी किए गए। वर्ष 2010-11 के दौरान प्रतिलिप्यधिकार अधिनियम, 1957 की धारा 45 (1) के तहत, 1859 प्रमाण पत्र प्रतिलिप्यधिकार के रूप में कलात्मक कार्य के पंजीकरण हेतु जारी किए गए हैं।

रजिस्ट्री ने व्यापार चिह्न पंजीकरण के लिए विगत वर्ष के 85,724 विज्ञापनों की तुलना में 1,24,250 आवेदन व्यापार चिह्न जर्नल में विज्ञापित भी किए। पिछले 5 वर्षों में व्यापार चिह्न जर्नल में विज्ञापित व्यापार चिह्नों की प्रवृत्ति परिशिष्ट II में दर्शाया गया है।

अधिनियम और नियम के उपबंधों के अधीन रजिस्ट्री ने प्रारंभिक विरोध और परिशोधन जैसे विधिक कार्यवाहियां की। व्यापार चिह्न पंजीकरण के विरुद्ध 20,746 विरोध की सूचना तथा रजिस्टर के परिशोधन के लिए 391 आवेदन प्राप्त किए गए। इनमें से 5902 विरोध की सूचना तथा रजिस्टर के परिशोधन के लिए

123 आवेदन रजिस्ट्री के मुख्य कार्यालय मुंबई में प्राप्त हुए और शेष कोलकाता, चेन्नई, नई दिल्ली और अहमदाबाद शाखा कार्यालयों में प्राप्त हुए।

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान विरोध, परिशोधन और अंतवर्ती याचिकाओं के संबंध में 766 सुनवाइयाँ रखी गई तथा व्यापार चिह्न के पंजीकरण के लिए किए गए आवेदनों के संबंध में 1773 सुनवाइयाँ रखी गई। 993 विरोध, परिशोधन और अंतवर्ती याचिकाओं और व्यापार चिह्न के पंजीकरण के लिए किए गए आवेदनों का अंतिम रूप से निपटान कर दिया गया। व्यापार चिह्न रजिस्ट्री, मुंबई और उसकी कोलकाता, चेन्नई, अहमदाबाद और दिल्ली की शाखाओं में रखी गई सुनवाइयों का ब्यौरा परिशिष्ट- III में दिया गया है।

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान सूचना अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत प्राप्त अनुरोधों की संख्या 811 थी और इन सभी अनुरोधों का निपटान कर दिया गया।

8. वर्गानुसार पंजीकृत किए गए व्यापार चिह्नों का विवरण

निम्न प्रदत्त सारणी वर्ष 2010-11 के दौरान पंजीकृत व्यापार चिह्न की संख्या का वर्गानुसार विवरण प्रस्तुत करती है। यह देखा गया है कि वर्ग-5 के अंतर्गत 18,654 व्यापार चिह्न पंजीकृत थे जो कुल पंजीकरण का 16.15% है, जिसके बाद वर्ग-42 आता है जो 5.73% है। हालाँकि विविध वर्गों में 5,360 व्यापार चिह्न पंजीकृत हुए थे जो कि अधिकतम है और कुल पंजीकृत आवेदन का लगभग 4.64% है।

पंजीकृत व्यापार चिह्न की संख्या का वर्गानुसार विवरण

वर्ग	वस्तुएं	पंजीकृत व्यापार चिह्न	कुल फाइल आवेदनों का %
1	उद्योग, विज्ञान, फोटोग्राफी, कृषि, उद्यान-कृषि, वानिकी, खाद आदि में उपयोग में लाए जाने वाले रासायनिक पदार्थ	2224	1.93
2	पेंट, वार्निश	936	0.81
3	सुगंधित पदार्थ, अंगराग	3741	3.24
4	औद्योगिक तेल और चिकनाइयाँ (खाद्य तेल के अलावा) आदि	751	0.65
5	भेषजीय, शालिहोत्रिक और सफाई (शौच) संबंधी निर्मितियाँ और पदार्थ आदि	18654	16.15
6	सामान्य धातुएं और उनके मिश्र धातु, धात्विक ढली सामग्री, ढली भवन (निर्माण) सामग्रियाँ आदि	2027	1.76
7	मशीन और मशीनी औजार, मोटरें, आदि	3117	2.70
8	हाथ से काम करने के औजार और उपकरण आदि	678	0.59
9	वैज्ञानिक, नाविक, सर्वे, वैद्युत उपकरण आदि	6059	5.25
10	शाल्यिक, औषधीय, दंत और शालिहोत्रिक आले और यंत्र आदि	1536	1.33
11	प्रकाशन साधित्र, तापक वाष्पजनक आदि	2552	2.21
12	यान, भूमिपर, व्योम में अथवा जल पर चलने के लिए यंत्र आदि	2009	1.74
13	अग्न्यास्त्र, गोला बारूद और क्षेपित्र आदि	221	0.19

14	बहुमूल्य वस्तुएं और उनका मिश्र धातु आदि	1525	1.32
15	संगीत के उपकरण आदि	235	0.20
16	कागज और कागज की वस्तुएं, लेखन सामग्री, छपी सामग्री आदि	4536	3.93
17	गट्टा पर्चा, भारतीय रबर आदि	1329	1.15
18	चमड़े और कृत्रिम चमड़े से बनी वस्तुएं आदि	986	0.85
19	भवन निर्माण सामग्रियां आदि	2224	1.93
20	फर्नीचर, आईने आदि	1300	1.13
21	छोटे घरेलू बर्तन आदि	1259	1.09
22	रस्सी, सुतली आदि	373	0.32
23	सूत और धागे	416	0.36
24	टिशू (खंडित वस्त्र) आदि	1905	1.65
25	बूट, जूते और स्लीपर सहित पहनने की वस्तुएं	5342	4.63
26	गोटा और कसीदा, फीता और चोटी आदि	510	0.44
27	गलीचे, लोई, चटाइयां आदि	374	0.32
28	खेल और खेलने की चीजें आदि	912	0.79
29	मांस, मछली, मुर्गी पालन आदि	2295	1.99
30	कॉफी, चाय, कोका आदि	4806	4.16
31	कृषि, बागवानी और वन्य उत्पाद और अनाज जो अन्य वर्गों में अंतर्गत नहीं है	2165	1.87
32	बीयर, खनिज और वाति पेय और अन्य अमद्यसारिक पेय जो अन्य वर्गों के अंतर्गत नहीं है	1876	1.62
33	वाइन स्प्रिट और मद्य पेय	992	0.86
34	तम्बाकू, धूम्रपान करने वालों के लिए चीजें, दियासलाइयाँ	1250	1.08
35	विज्ञापन, कारोबार प्रबन्ध, कारोबार प्रशासन, कार्यालय कृत्य	7057	6.11
36	बीमा वित्तीय कार्य, आर्थिक कार्य, सम्पदा कार्य	2588	2.24
37	भवन निर्माण, मरम्मत, संस्थापन सेवाएं	2308	2.00
38	दूरसंचार	1652	1.43
39	यातायात, माल की पैकिंग और भंडारण, यात्रा इंतजाम	1489	1.29
40	सामग्री का बहिस्त्राव	596	0.52
41	शिक्षा, प्रशिक्षण देना, मनोरंजन, क्रीडा और सांस्कृतिक क्रियाकलाप	6278	5.44
42	वैज्ञानिक और तकनीकी सेवाओं तथा उससे संबंधित शोध और	6619	5.73

	अभिकल्प, औद्योगिक विश्लेषण और शोध सेवाएं, कम्प्यूटर हार्डवेयर तथा साफ्टवेयर का डिजाइन और विकास		
43	खाद्य और पेय हेतु सेवाएं; अस्थायी निवास	240	0.21
44	चिकित्सा सेवाएं ; पशुचिकित्सा सेवाएं; मानव या पशुओं के लिए स्वच्छता और सौन्दर्य देखभाल; कृषि, बागवानी तथा वन्य सेवाएं,	111	0.10
45	विधिक सेवाएं; सम्पत्ति और व्यक्तियों की सुरक्षा हेतु सुरक्षा सेवाएं; व्यक्तियों की आवश्यकता पूर्ति के लिए अन्य लोगों द्वारा प्रदान की जाने वाली व्यक्तिगत और सामाजिक सेवाएं	59	0.05
99	बहु वर्ग	5360	0.64
	कुल	**115472**	**100.00**

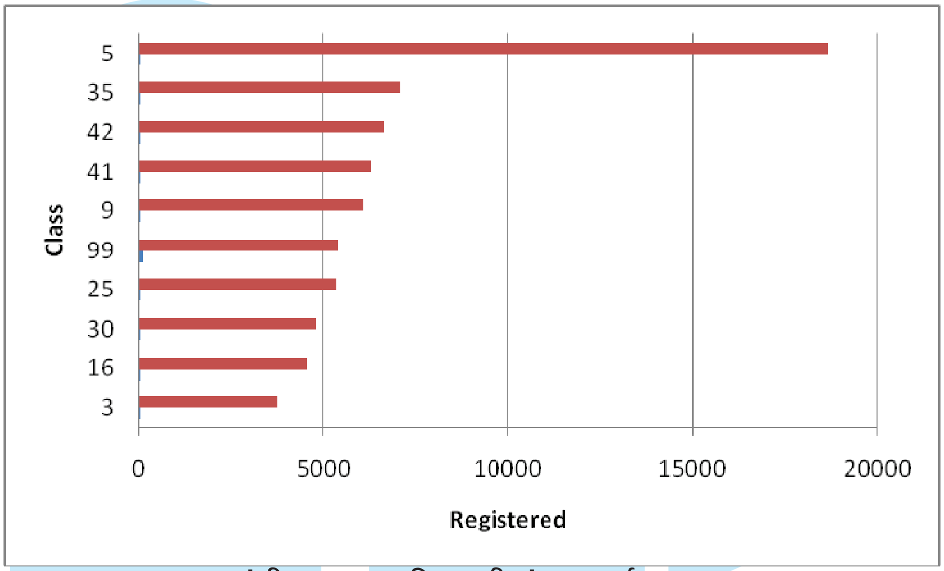

पंजीकृत व्यापार चिह्न की संख्या (वर्गानुसार)

9. राजस्व और व्यय

विगत वर्ष के रु. 71.60 करोड़ के राजस्व उत्पादन की तुलना में प्रतिवेदन वर्ष के दौरान व्यापार चिह्न रजिस्ट्री ने रु. 86.15 करोड़ का राजस्व आय अर्जित किया। इस वर्ष रु. 6.98 करोड़ का परिव्यय हुआ जबकि पिछले वर्ष रु. 4.61 करोड़ व्यय हुए थे।

पिछले पाँच वर्षों में राजस्व और परिव्यय

क्रम संख्या	वर्ष	राजस्व (रुपए करोड़ में)	व्यय (रुपए करोड़ में)
1	2006-07	55.79	5.00
2	2007-08	63.00	5.58
3	2008-09	69.15	8.91
4	2009-10	71.60	4.61
5	2010-11	86.15	6.98

परिशिष्ट- I

पिछले 5 वर्षों में व्यापार चिह्न आवेदनों की प्रवृत्ति

	2006-07	**2007-08**	**2008-09**	**2009-10**	**2010-11**
दाखिल	1,03,419	1,23,514	1,30,172	1,41,943	1,79,317
परीक्षित	85,185	63,605	1,05,219	25,875	2,05,065
पंजीकृत	1,09,361	1,00,857	1,02,257	67,490	1,15,472

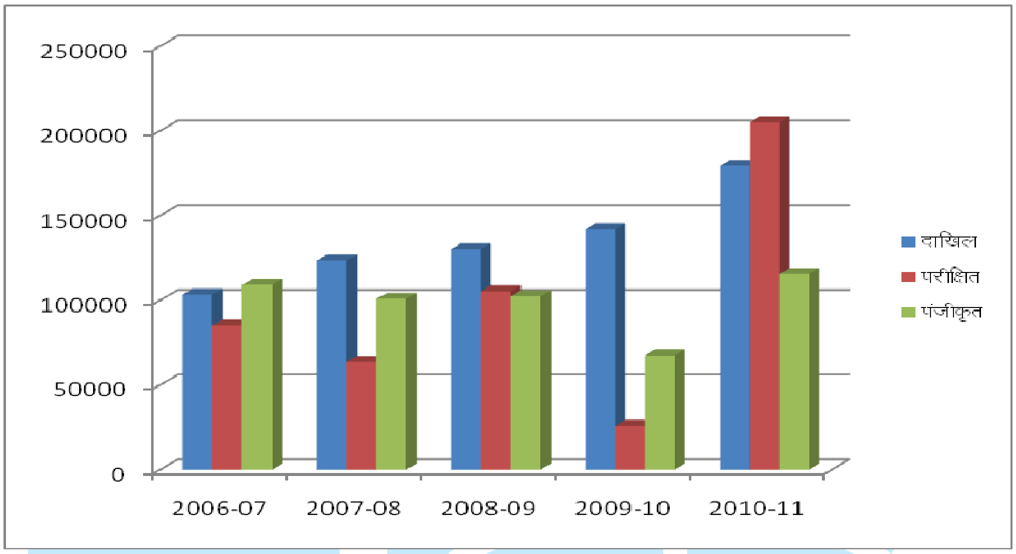

परिशिष्ट- II

पिछले पाँच वर्षों में विज्ञापित व्यापार चिह्नों की संख्या

क्रम संख्या	वर्ष	विज्ञापित व्यापार चिह्नों की संख्या
1.	2010-11	1,24,250
2.	2009-10	85, 724
3.	2008-09	1,20,234
4.	2007-08	1,02,777
5.	2006-07	1,04,260

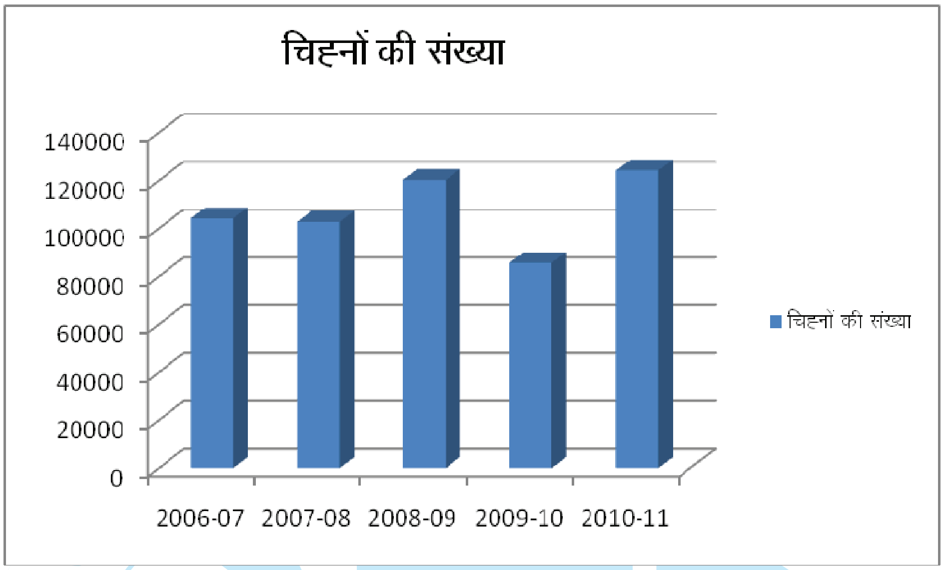

परिशिष्ट- III

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान विभिन्न व्यापार चिह्न पंजीकरण कार्यालयों में संपन्न सुनवाई

क्रम संख्या	सुनवाई का स्थान	दाखिल विरोध/परिशोधन/अंतर्वर्ती याचिका (आईपी)	विरोध/परिशोधन/आईपी की सुनवाई	सुने गए आवेदन
1.	मुम्बई	6265	679	548
2.	कोलकाता	1002	355	254
3.	चेन्नई	3069	383	2228
4.	दिल्ली	9459	151	62
5.	अहमदाबाद	2244	205	6426
	कुल	22,039	1,773	9,518

परिशिष्ट- IV

पिछले पाँच वर्षों में पंजीकृत व्यापार चिह्न

क्रम संख्या	वर्ष	पंजीकृत व्यापार चिह्नों की संख्या
1.	2006-07	1,09,361
2.	2007-08	1,00,857
3.	2008-09	1,02,257
4.	2009-10	67,490
5.	2010-11	1,15,472
	कुल	**4,95,437**

पंजीकृत व्यापार चिह्न की संख्या (वर्षानुसार)

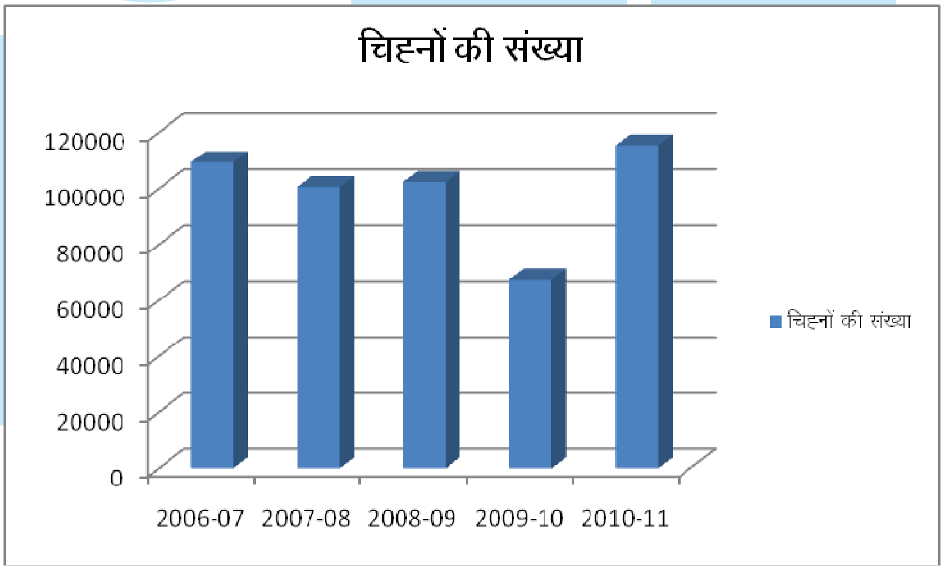

अध्याय - VII

भौगोलिक संकेत

परिचय:

भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री एक वैधानिक संस्था है जिसकी स्थापना का मुख्य उद्देश्य वस्तुओं से संबंधित भौगोलिक संकेत के पंजीकरण और बेहतर संरक्षा प्रदान करना एवं वस्तुओं के भौगोलिक संकेत (पंजीकरण एवं संरक्षा) अधिनियम, 1999 का प्रशासन करना है जो 15 सितम्बर, 2003 से प्रवृत्त हुआ। भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री कार्यालय चेन्नई में स्थित है।

रजिस्ट्री कार्यालय ने 15 सितम्बर, 2003 से पंजीकरण हेतु भौगोलिक संकेत आवेदन ग्रहण करना प्रारंभ किया। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान 27 (सताईस) भौगोलिक संकेत आवेदन प्राप्त हुए। 15 सितम्बर, 2003 से 31 मार्च, 2011 तक कुल 232 (दो सौ बत्तीस) भौगोलिक संकेत आवेदन प्राप्त किए गए हैं। रजिस्ट्री ने पंजीकरण हेतु भौगोलिक संकेत प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदन भी प्राप्त करने प्रारंभ किए हैं और इस वित्तीय वर्ष के दौरान कुल 124 (एक सौ चौबीस) भौगोलिक संकेत प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदन प्राप्त किए गए हैं। 15 सितम्बर, 2003 से 31 मार्च, 2011 तक पंजीकरण कार्यालय ने कुल 225 (दो सौ पच्चीस) भौगोलिक संकेत प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदन प्राप्त किए हैं।

इस वित्तीय वर्ष के दौरान कुल 29 (उनतीस) भौगोलिक संकेत पंजीकरण प्रमाण पत्र तथा 31 भौगोलिक संकेत प्राधिकृत उपयोक्ता प्रमाण पत्र जारी किए गए। 15 सितम्बर, 2003 से 31 मार्च, 2011 तक कुल 149 (एक सौ उनचास) भौगोलिक संकेत पंजीकृत किए गए हैं।

रजिस्ट्री कार्यालय पंजीकरण गतिविधियों के संवर्द्धन के लिए देश के विभिन्न भागों में भारतीय भौगोलिक संकेतों के पंजीकरण के संबंध में जागरूकता प्रसार करता रहा है। इस दौरान चाय, कॉफी, चावल, मसाले, तम्बाकु, बागवानी उत्पाद, हस्तकरघा उत्पाद, हस्तशिल्प, वस्त्र, प्रसंस्कृत खाद्य वस्तुएँ तथा स्पिरिट एवं शराब क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया गया। इस वित्तीय वर्ष के दौरान रजिस्ट्री ने 12 (बारह) सूक्ष्मग्राही सेमीनार/कार्यशालाएँ संचालित की । (परिशिष्ट -I)

भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री का जर्नल कार्यालय द्वारा ही प्रकाशित किया गया है। इस प्रतिवेदन वर्ष के दौरान जर्नल के कुल 7 अंक प्रकाशित किए गए और कुल 27 (सताईस) भौगोलिक संकेत आवेदन तथा 82 (बेरासी) भौगोलिक संकेत प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदन विज्ञापित किए गए।

वर्ष 2003 से 31 मार्च 2011 तक दाखिल किए गए भौगोलिक संकेत आवेदन

वर्ष	आवेदन की संख्या
2003-04	3
2004-05	16
2005-06	27
2006-07	32
2007-08	42
2008-09	45
2009-10	40
2010-11	27
कुल	**232**

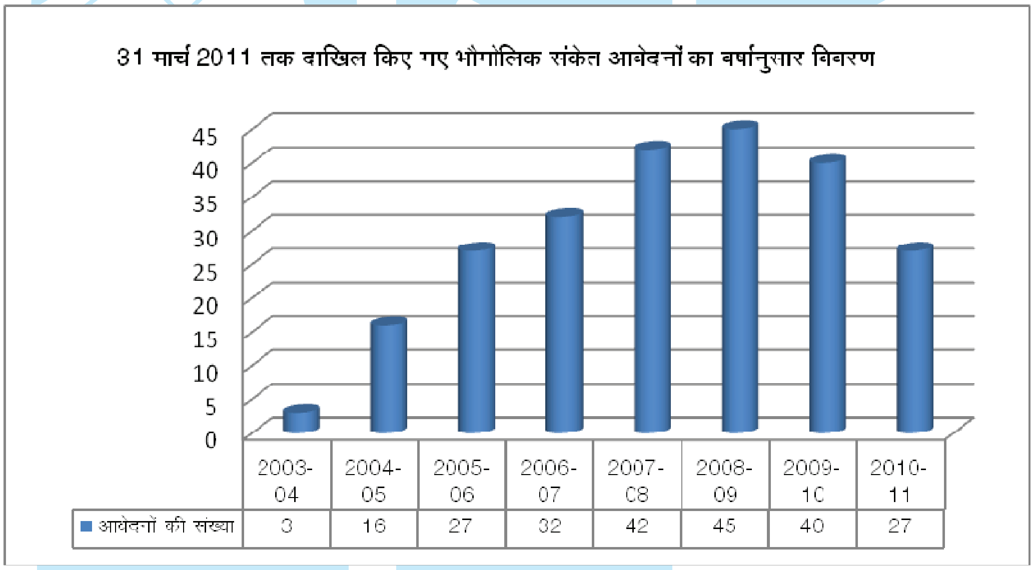

वर्ष 2003 से 31 मार्च 2011 तक दाखिल भौगोलिक संकेत प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदन

वर्ष	आवेदन की संख्या
2003-04	0
2004-05	0
2005-06	0
2006-07	0
2007-08	0
2008-09	0
2009-10	101
2010-11	**114**
कुल	**225**

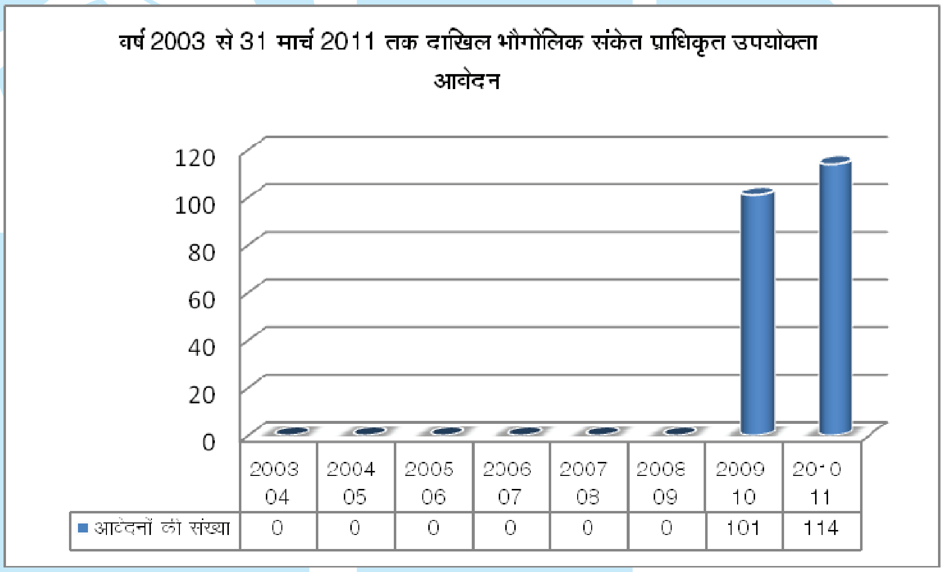

वित्तीय वर्ष 01 अप्रैल 2009 से 31 मार्च 2011 तक दाखिल किए गए भौगोलिक संकेत आवेदन

क्रम संख्या	आवेदन संख्या	भौगोलिक संकेत	दाखिल करने की तारीख	वस्तुएं	भौगोलिक क्षेत्र
1	206	"रतौल" आम	05.04.2010	कृषि	उत्तर प्रदेश
2	207	ढालपठार पर्दा और फैब्रिक	13.07.2010	हस्तकला	उड़ीसा
3	208	सम्बलपुरी टाई और डाई साड़ी और फैब्रिक	13.07.2010	हस्तकला	उड़ीसा
4	209	थंजावर बिनाई (तंजोर वीणा)	23.07.2010	हस्तकला	तमिलनाडु
5	210	गुलेडगुड्ड खाना	29.07.2010	हस्तकला	कर्नाटक

6	211	बंगलोर ब्लू ग्रेप्स	29.07.2010	कृषि	कर्नाटक
7	212	बंगलोर रोज ओनियन	29.07.2010	कृषि	कर्नाटक
8	213	किंहल टॉयज	02.08.2010	हस्तकला	कर्नाटक
9	214	नारायणपेट साड़ी	02.08.2010	हस्तकला	आंध्र प्रदेश
10	215	धरमवरम हैंडलूम पट्टू साड़ी और पॉवाडाएस	02.08.2010	हस्तकला	आंध्र प्रदेश
11	216	आगरा मार्बल इनले वर्क	02.09.2010	हस्तकला	उत्तर प्रदेश
12	217	बोमकई साड़ी और फैब्रिक	13.09.2010	हस्तकला	उड़ीसा
13	218	न्यूपाटन टाई और डाई फैब्रिक	13.09.2010	हस्तकला	उड़ीसा
14	219	हबसपूरी साड़ी और फैब्रिक	13.09.2010	हस्तकला	उड़ीसा
15	220	बरहमपुर फोदा कुंभा साड़ी और जोरा	13.09.2010	हस्तकला	उड़ीसा
16	221	बंधनी ऑफ गुजरात	13.09.2010	हस्तकला	गुजरात
17	222	आगरा दालमोट	13.09.2010	खाद्य पदार्थ	उत्तर प्रदेश
18	223	आगरा पेठा	17.09.2010	खाद्य पदार्थ	उत्तर प्रदेश
19	224	उदुपी साड़ी	03.11.2010	हस्तकला	कर्नाटक
20	225	चेंडामंगलम धोती और सेट मुंडू	18.11.2010	हस्तकला	केरल
21	226	पोर्टो	19.12.2010	विनिर्मित	पुर्तगाल
22	227	डूरो	09.12.2010	विनिर्मित	पुर्तगाल
23	228	गंजम केवड़ा रूह	24.12.2010	विनिर्मित	उड़ीसा
24	229	गंजम केवड़ा फ्लावर	24.12.2010	कृषि	उड़ीसा
25	230	कोगनेक	सी	विनिर्मित	फ्रांस
26	231	इरोड टर्मरिक	04.01.2011	कृषि	तमिलनाडु
27	232	पाटन डबल इकत पटोला साड़ी ऑफ पाटन	09.03.2011	हस्तकला	गुजरात

वर्ष 2010-2011 के दौरान जारी किए गए पंजीकरण प्रमाण पत्र की सूची

क्रम संख्या	आवेदन संख्या	भौगोलिक संकेत	वस्तुएं	भौगोलिक क्षेत्र
1	142	बिकानेरी भुंजिया	कृषि	राजस्थान
2	143	गुंटूर सन्नाम चिली	कृषि	आंध्र प्रदेश
3	123	नाशिक वैली वाईन	विनिर्मित	महाराष्ट्र
4	137	गॉडवाल साड़ी	हस्तकला	आंध्र प्रदेश
5	149	किन्नौरी शॉल	हस्तकला	हिमाचल प्रदेश
6	170	कसरगॉड साड़ी	हस्तकला	केरल
7	179	कुथमपल्ली साड़ी	हस्तकला	केरल
8	134	संदूर लावणी एम्ब्रोडरी	हस्तकला	कर्नाटक
9	148	हैंड मेड कार्पेट ऑफ भदोही	हस्तकला	उत्तर प्रदेश
10	150 & 153	पैथनी साड़ी और फैब्रिक	हस्तकला	महाराष्ट्र
11	154	महाबलेश्वर स्ट्रावेरी	कृषि	महाराष्ट्र
12	193	हैदराबाद हलीम	खाद्य पदार्थ	आंध्र प्रदेश
13	140	सम्पेन	विनिर्मित	फ्रांस
14	146	नापा वैली	विनिर्मित	यूएसए
15	163	सेंट्रल ट्रावणकोर जगेरी	कृषि	केरल
16	172	चम्पा सिल्क साड़ी और फैब्रिक	हस्तकला	छत्तीसगढ़
17	186	वायानाड जीराकासाला राइस	कृषि	केरल
18	187	वायानाड गंधकासाला राइस	कृषि	केरल
19	191	कोटा डोरिया (लोगो)	हस्तकला	राजस्थान
20	165	नाशिक ग्रेप्स	कृषि	महाराष्ट्र
21	171	सूरत जरी क्राप्ट	हस्तकला	गुजरात
22	190	चेरियाल पेंटिंग	हस्तकला	आंध्र प्रदेश
23	194	पेमवर्थी मेटल क्राप्ट	हस्तकला	आंध्र प्रदेश
24	6	पैयन्नूर पविश्रा रिंग	हस्तकला	केरल
25	27	फूलकरी	हस्तकला	पंजाब, हरियाणा और राजस्थान
26	136	खान्डू साड़ी और फैब्रिक	हस्तकला	उड़ीसा
27	129	बेयादगी चिली	कृषि	कर्नाटक
28	151	स्कोच विस्की	विनिर्मित	यूनाईटेड किंगडम
29	164	प्रोसक्यूट्टो डी पारमा	खाद्य पदार्थ	इटली

परिशिष्ट- I

वर्ष 2010-2011 में भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री द्वारा संचालित भौ.सं. सूक्ष्मग्राही कार्यशाला

क्रम संख्या	कार्यशाला/सेमिनार	तारीख	स्थान	भागीदारों की कुल संख्या
1	भौगोलिक संकेत पर एक दिवसीय सेमिनार-सह- कार्यशाला।	20.04.2010	चिकोडी	192
2	भौगोलिक संकेत पर एक दिवसीय सेमिनार-सह- कार्यशाला।	09.07.2010	शिलांग	110
3	भौगोलिक संकेत तथा भौगोलिक संकेत प्राधिकृत उपयोक्ता संबंधी जागरूकता के लिए एक दिवसीय सेमिनार-सह-कार्यशाला।	03.12.2010	कांचीपुरम	172
4	भौगोलिक संकेत तथा भौगोलिक संकेत प्राधिकृत उपयोक्ता संबंधी जागरूकता के लिए एक दिवसीय सेमिनार-सह-कार्यशाला।	24.12.2010	कोलकाता	107
5	भौगोलिक संकेत तथा भौगोलिक संकेत प्राधिकृत उपयोक्ता संबंधी जागरूकता के लिए एक दिवसीय सेमिनार-सह-कार्यशाला।	27.1. 2011	पटना	125
6	भौगोलिक संकेत तथा भौगोलिक संकेत प्राधिकृत उपयोक्ता संबंधी जागरूकता के लिए एक दिवसीय सेमिनार-सह-कार्यशाला।	31.1.2011	जयपुर	80
7	भौगोलिक संकेत तथा भौगोलिक संकेत प्राधिकृत उपयोक्ता संबंधी जागरूकता के लिए एक दिवसीय सेमिनार-सह-कार्यशाला।	04.02.2011	कोटा	110
8	भौगोलिक संकेत तथा भौगोलिक संकेत प्राधिकृत उपयोक्ता संबंधी जागरूकता के लिए एक दिवसीय सेमिनार-सह-कार्यशाला।	11.02.2011	जोधपुर	90
9	भौगोलिक संकेत तथा भौगोलिक संकेत प्राधिकृत उपयोक्ता संबंधी जागरूकता के लिए एक दिवसीय सेमिनार-सह-कार्यशाला।	28.02.2011	कोचि	125
10	भौगोलिक संकेत तथा भौगोलिक संकेत प्राधिकृत उपयोक्ता संबंधी जागरूकता के लिए एक दिवसीय सेमिनार-सह-कार्यशाला।	04.03.2011	भोपाल	112

11	भौगोलिक संकेत तथा भौगोलिक संकेत प्राधिकृत उपयोक्ता संबंधी जागरूकता के लिए एक दिवसीय सेमिनार-सह-कार्यशाला।	17.03.2011	दार्जिलिंग	60
12	भौगोलिक संकेत तथा भौगोलिक संकेत प्राधिकृत उपयोक्ता संबंधी जागरूकता के लिए एक दिवसीय सेमिनार-सह-कार्यशाला।	25.03.2011	वाराणसी	180

भौगोलिक संकेत जागरूकता कार्यक्रम 2001- 31 मार्च, 2011

वर्ष	रजिस्ट्री द्वारा भौ.संकेत सूक्ष्मग्राही कार्यशाला
2001-02	4
2002-03	1
2003-04	6
2004-05	9
2005-06	4
2006-07	10
2007-08	8
2008-09	11
2009-10	01
2010-11	**12**
कुल	**66**

भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री द्वारा आयोजित भौगोलिक संकेत सूक्ष्मग्राही कार्यशाला

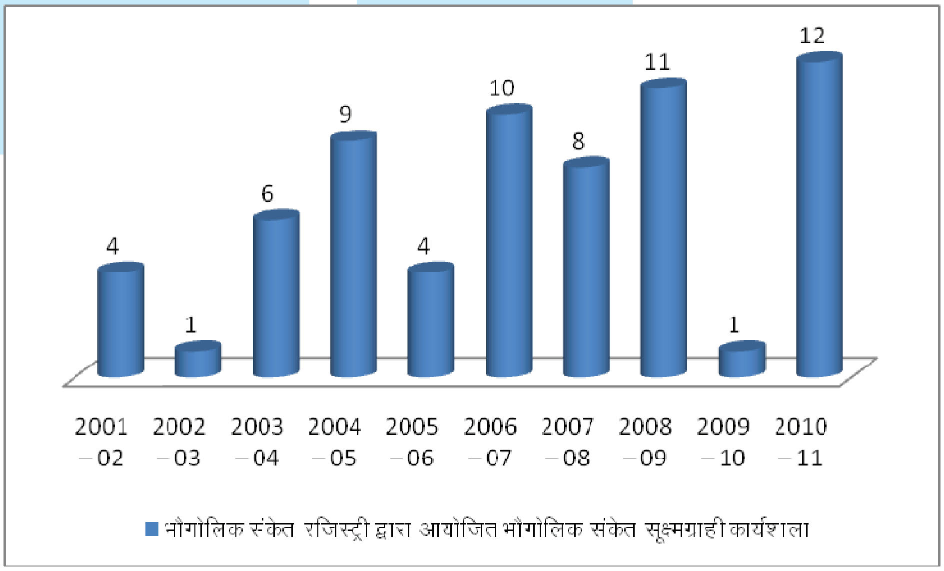

वर्ष 2003 से 31 मार्च, 2011 तक पंजीकृत भौगोलिक संकेत (वस्तुएं)

भौगोलिक संकेत अधिनियम,1999 की धारा 2(च) के अनुसार वस्तुएं	पंजीकृत भौगोलिक संकेत आवेदन
हस्तकला	95
कृषि	38
विनिर्मित	11
खाद्य पदार्थ	5
कुल	**149**

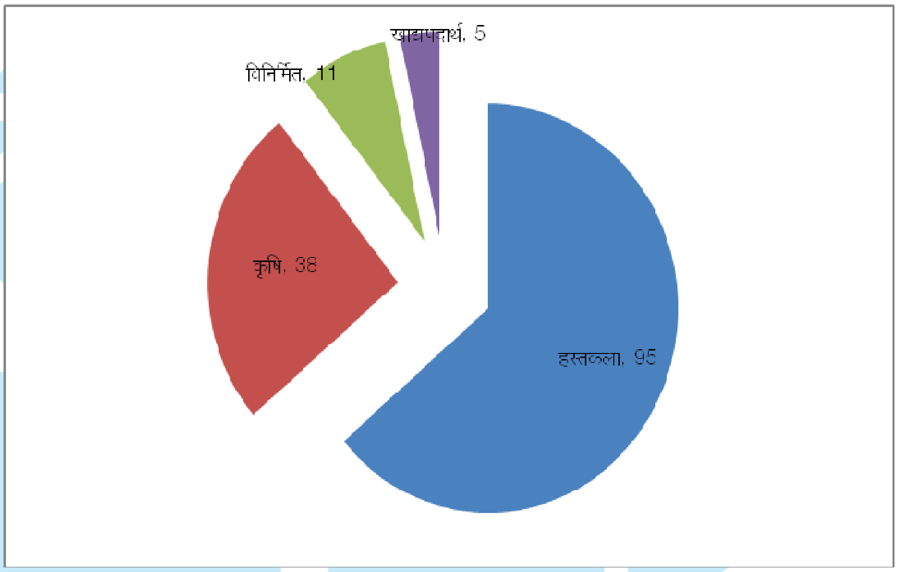

31 मार्च 2011 तक पंजीकृत भौगोलिक संकेत का राज्य/देशवार विवरण

राज्य/देश	उत्पादों की संख्या
कर्नाटक	29
केरल	19
तमिलनाडु	18
आंध्र प्रदेश	17
महाराष्ट्र	7
राजस्थान	7
पश्चिम बंगाल	7
उड़ीसा	6
गुजरात	5
उत्तर प्रदेश	5
बिहार	4
छतीसगढ़	4
हिमाचल प्रदेश	4
मध्य प्रदेश	4
जम्मू कश्मीर	3
असम	2
फ्रांस	1
गोवा	1
नागालैंड	1
पेरू	1
पुर्तगाल	1
पंजाब	1
यूनाईटेड किंगडम	1
संयुक्त राज्य अमेरिका	1
कुल	**149**

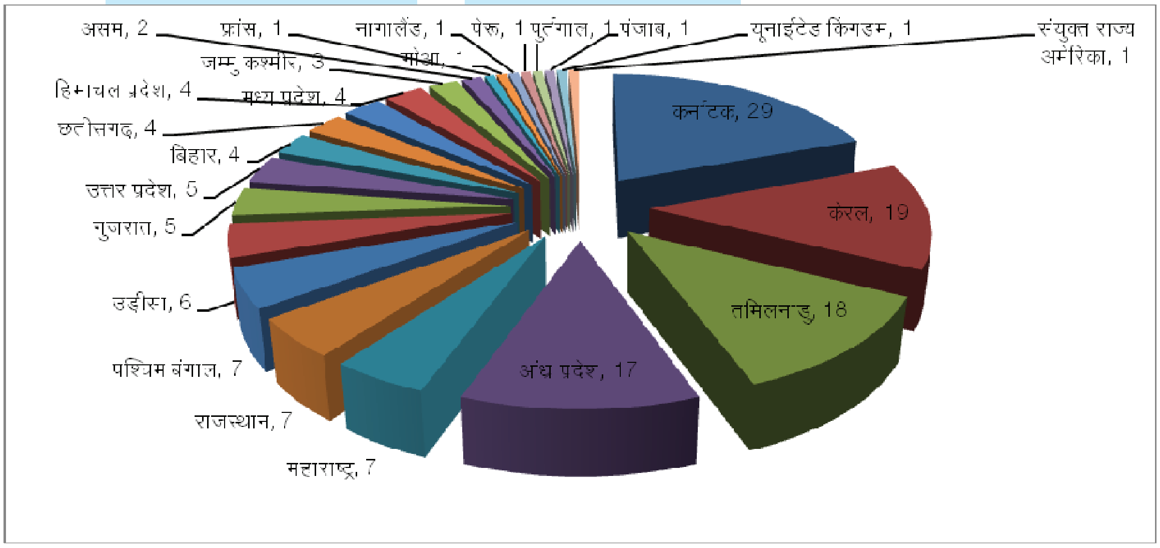

31 मार्च 2011 को भौगोलिक संकेत आवेदन की स्थिति का विवरण

पंजीकृत भौगोलिक संकेत आवेदन	149
परीक्षण की अवस्था में भौगोलिक संकेत आवेदन	57
एकीकृत भौगोलिक संकेत आवेदन	12
आहरित/परित्यक्त भौगोलिक संकेत आवेदन	6
विज्ञापित भौगोलिक संकेत आवेदन	4
विरोध/कारण बताओं सुनवाई के लिए भौगोलिक संकेत आवेदन	2
अस्वीकृत भौगोलिक संकेत आवेदन	2
कुल दाखिल भौगोलिक संकेत आवेदन	**232**

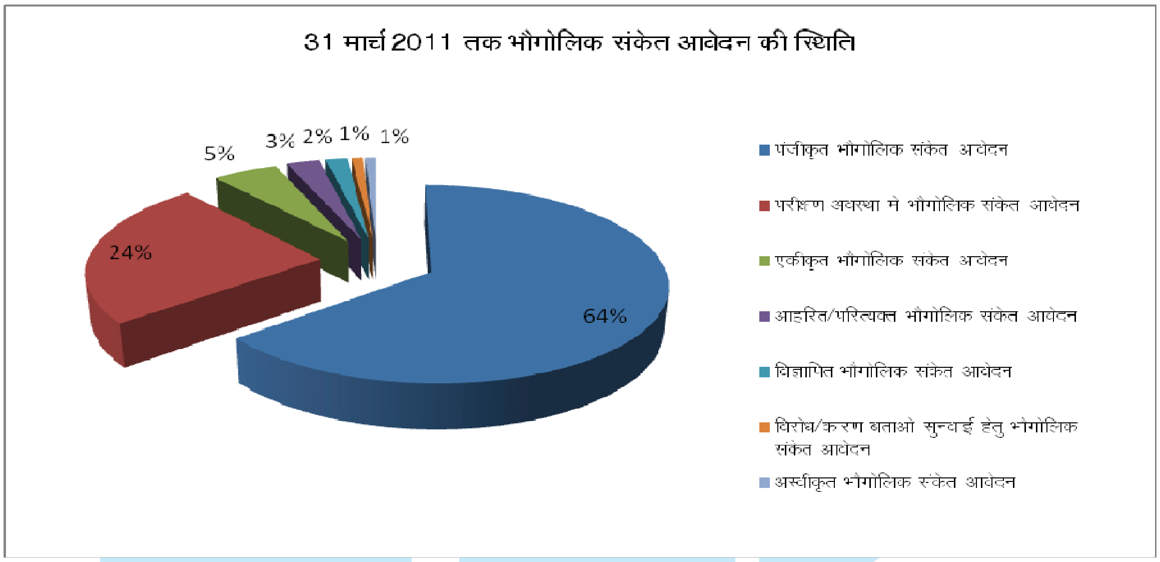

31 मार्च 2011 को भौगोलिक संकेत प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदन की स्थिति का विवरण

पंजीकृत भौगोलिक संकेत प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों की संख्या	31
विज्ञापित भौगोलिक संकेत प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों की संख्या	82
परीक्षण की अवस्था में भौगोलिक संकेत प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों की संख्या	102
भौगोलिक संकेत प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों की कुल संख्या	**215**

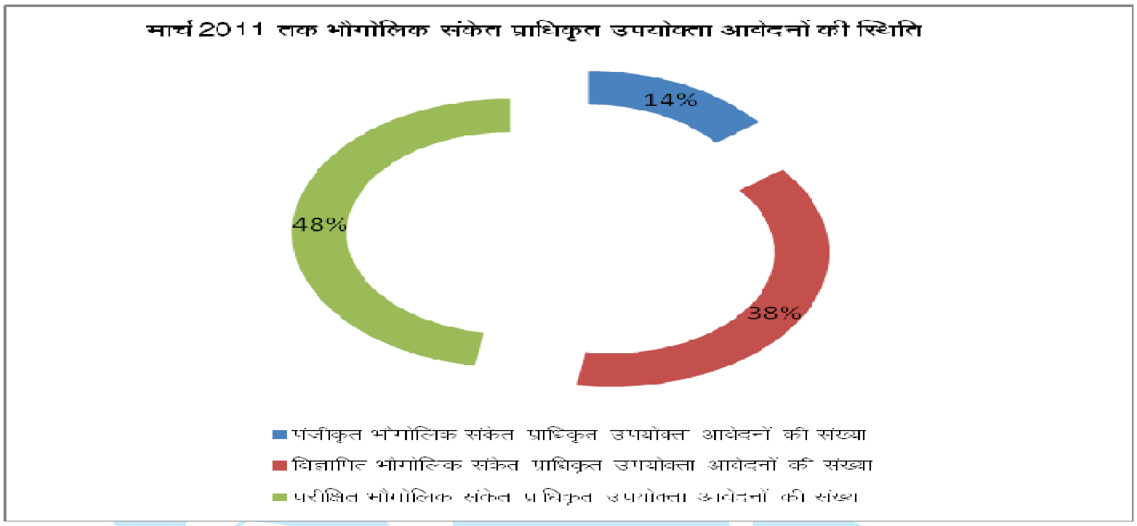

परिव्यय विवरण 2010 - 11

2010 - 11	अनुमोदित राशि	अतिरिक्त अनुमोदन	कुल निर्धारण	परिव्यय
योजना (वेतन)	शून्य	शून्य	शून्य	रू.11,44,113
गैर-योजना	रू. 57,39,000	शून्य	रू. 57,39,000	रू.57,38,998

राजस्व आय विवरण 2010 - 11

वर्ष	कुल (रु.)
2010 - 2011	रू. 2,75,706

अध्याय - VIII

पेटेंट सूचना पद्धति
व
राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान

पेटेंट सूचना पद्धति (पीआईएस)

1.परिचय:

सन् 1980 में देश के भौगोलिक केन्द्र, नागपुर में पेटेंट सूचना पद्धति कार्यालय की स्थापना की गई। पेटेंट सूचना पद्धति विश्व स्तर पर पेटेंट विनिर्देशों और पेटेंट से संबंधित साहित्य का संकलन रखता है एवं अन्वेषण सेवा एवं पेटेंट प्रति आपूर्ति सेवा के माध्यम से विभिन्न उपयोक्ताओं को पेटेंट या पेटेंट से संबद्ध साहित्य में निहित जानकारी प्रदान कराता है।

पीआईएस, नागपुर द्वारा प्रदत्त सेवाएँ

क. पेटेंट अन्वेषण सेवाएँ

पेटेंट सूचना पद्धति कार्यालय ने माँगे जाने पर दी जाने वाली स-शुल्क पेटेंट सेवाओं को अद्यतन कर दिया है। संक्षेप में अन्वेषण सेवाएँ निम्नवत् हैं।

1. **आधुनिकीकृत सेवा**
   यह सेवा आधुनिकीकृत सेवा का पूर्वावलोकन प्रदान करता है। यह खोज रिपोर्ट उपयोक्ता के अनुरोध के अनुसार तकनीक के किसी क्षेत्र-विशेष के तहत वापस लिए गए पेटेंट दस्तावेज के सार तथा संदर्भगत आंकड़े प्रदान करता है।

2. **संदर्भगत अन्वेषण**
   यह सेवा वापस लिए गए पेटेंट दस्तावेज के केवल संदर्भगत आँकड़े उपलब्ध कराता है।

3. **अंग्रेजी समरूपी पेटेंट अन्वेषण**
   अंग्रजी भाषा के अतिरिक्त अन्य भाषाओं के पेटेंट के लिए अंग्रेजी भाषा समरूप पेटेंट का निर्धारण किया जाता है।

4. **पेटेंट परिवार अन्वेषण**
   किसी पेटेंट के परिवार के सदस्य के संदर्भगत विवरणों पर रिपोर्ट प्रस्तुत किया जाता है।

5. **सहायक अन्वेषण**
   उपयोक्ताओं को अन्वेषण संचालित करने के लिए पेटेंट सूचना पद्धति, नागपुर द्वारा पूर्व अंशदान द्वारा खरीदे गए डाटाबेस, सीडीरोम, जर्नल आदि का उपयोग करने की अनुमति होगी।
   कार्य निष्पादन अन्वेषण में सामान्य सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

ख. पेटेंट प्रति आपूर्ति सेवा

1. पेटेंट सूचना पद्धति, नागपुर इस कार्यालय में उपलब्ध विदेशों के पेटेंट दस्तावेजों का पूर्ण पाठ रू. 300/- प्रति पेटेंट दस्तावेज (पूर्ण पृष्ठों हेतु) की दर से उपलब्ध कराता है।

2. भारतीय पेटेंट विर्निदेश की छाया प्रति रू. **30**/-+रू. **4**/- प्रति पृष्ठ की दर से उपलब्ध कराई जाती है।

प्रदत्त सेवाओं की शुल्क संरचना:

प्रदत्त सेवाएं	**शुल्क**
आधुनिकीकृत सेवा	रू. 2000+रू.20 प्रति रिपोर्टेड पेटेंट का सार
संदर्भगत अन्वेषण	रू. 500+रू.5/- प्रति रिपोर्टेड दस्तावेज
अंग्रेजी समरूपी पेटेंट अन्वेषण	रू. 50/- एक अंग्रेजी भाषा समरूपी पेटेंट ज्ञात करने के लिए
समरूपी पेटेंट परिवार अन्वेषण	रू. 50/- प्रति परिवार सदस्य
सहायक अन्वेषण	रू. 250/- प्रति उपयोग की गई सुविधा के घंटे
पेटेंट प्रति आपूर्ति सेवा (भारतीय पेटेंट)	भारतीय पेटेंट की छाया प्रतियां रू. 30 +रू.4 प्रति पृष्ठ
पेटेंट प्रति आपूर्ति सेवा (विदेशी पेटेंट)	स्वयं के पास उपलब्ध विदेशी पेटेंट की प्रति रू. 300/- प्रति पेटेंट
सार/दावे की प्रति	पेटेंट के सार/मुख्य दावे की प्रति रू.25/-प्रति सार/मुख्य दावा

1 अप्रैल 2010 से 31 मार्च 2011 की अवधि में पेटेंट सूचना पद्धति, नागपुर ने पेटेंट विनिर्देशों की 19 प्रतियों की आपूर्ति की तथा 53 पेटेंट अन्वेषण संचालित किए तथा 490 प्रशिक्षण सामग्री सेट तैयार किए। 31 मार्च 2011 तक किया गया व्यय रू. 1,13,09,104/-+15,87,286/-(पीआईएस+एनआईआईपीएम) है तथा इसी अवधि के दौरान अर्जित राजस्व रू. 5,39,585/-(पीआईएस+एनआईआईपीएम) रही जिसमें एनआईआईपीएम द्वारा संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों से अर्जित राजस्व शामिल है।

राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान (एनआईआईपीएम), नागपुर

किसी राष्ट्र के औद्योगिक, आर्थिक तथा सामाजिक विकास के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय व्यापार तथा वाणिज्य में बौद्धिक सम्पदा अधिकारों यथा एकस्व, अभिकल्प, व्यापार चिह्न महती भूमिका अदा करते हैं। परिणामत: बौद्धिक सम्पदा अधिकार संबंधी गतिविधियों ने विगत कई वर्षों के दौरान महत्ता अर्जित की है।

बौद्धिक सम्पदा अधिकारों को प्रशासित करने वाला वाले कानून अवश्यंभावी रूप से तकनीकी-वैधानिक प्रकृति के हैं। बौद्धिक सम्पदा के सृजन, उपयोग तथा अर्थपरक दोहन में कई जटिल मुद्दे शामिल हैं। फलत:, ज्ञान के विकास के लिए एक प्रभावी माध्यम की आवश्यकता महसूस की गई।

भारत सरकार, वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय ने अगस्त, 2002 में बौद्धिक सम्पदा प्रशिक्षण संस्थान (आईपीटीआई) की स्थापना पेटेंट सूचना पद्धति नागपुर में की। इस राष्ट्रीय प्रशिक्षण केन्द्र, जो हमारे देश में अपने प्रकार का इकलौता केन्द्र है, का सृजन विभिन्न उपयोक्ता समूहों को बौद्धिक सम्पदा अधिकार के क्षेत्र में स्तरीय प्रशिक्षण तथा शिक्षा उपलब्ध कराने की आवश्यकता की पूर्ति के लिए किया गया था जिससे की वे बौद्धिक सम्पदा प्रणाली के विकास में सक्षम हो सके।

18 अगस्त, 2007 को नागपुर में राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान की आधारशिला रखी गई थी। अब यह भवन परिग्रहण हेतु तैयार है और शीघ्र ही कार्यालय को नए भवन में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

उद्देश्य:

राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रशिक्षण संस्थान का मुख्य उद्देश्य है बौद्धिक सम्पदा के विकास, सृजन, उपयोग, दोहन तथा बौद्धिक सम्पदा प्रणाली के प्रवृत्त रहने में सहायता करना।

राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रशिक्षण संस्थान एक ऐसी बौद्धिक सम्पदा व्यवस्था की आवश्यकताओं की पूर्ति करता है जो राष्ट्रीय हितों की संरक्षा करने के साथ-साथ वैश्विक नियमों का अनुसरण भी करता है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम:

बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान, नागपुर वास्तविक तथा प्रभावी उपयोक्ताओं की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बौद्धिक सम्पदा अधिकारों यथा: एकस्व, अभिकल्प तथा व्यापार चिह्न पर कई प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करता है। इन कार्यक्रमों से उद्योग जगत से जुड़े व्यवसायी, विधि-वृत्तिक तथा अनुसंधान से जुड़े पेटेंट/बौद्धिक सम्पदा अधिकार एजेंट, वैज्ञानिक, तकनीकी, अनुसंधान एवं विकास संगठन तथा उद्योगों के टेक्नोक्रेट्स, लघु तथा मध्यम व्यवसायी विश्वविद्यालयों से जुड़े लोग, केन्द्र तथा राज्य सरकार/अन्य सरकारी क्षेत्रों में कार्य करने वाले लोग, अन्य आविष्कारक तथा रूचि रखने वाले आम लोग लाभान्वित होते हैं।

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को निम्नलिखित मुख्य श्रेणियों में विभाजित किया गया है जिसमें 1 से 5 दिनों की अवधि के पेटेंट, डिजाइन, व्यापार चिह्न एवं भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री की प्रणाली पर खास ध्यान रखा गया है।

एकस्व, अभिकल्प, व्यापार चिह्न तथा भौगोलिक संकेत के परीक्षकों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य परीक्षकों की वैधानिक तथा तकनीकी दक्षता संवर्द्धित करना तथा परीक्षण के गुणता स्तर को बढ़ाना है।

आम जनता के लिए 5- दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

इस पाठ्यक्रम का लक्ष्य मध्य प्रबंधन स्तर के अधिशासियों को औद्योगिक सम्पदा से संबंधित समेकित सैद्धांतिक तथा व्यावहारिक ज्ञान उपलब्ध कराना है।

2-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

इसके तहत ऊपर वर्णित सभी उपयोक्ता समूहों के प्रर्वत्तकों के लिए समेकित पाठ्यक्रम उपलब्ध कराए जाते हैं।

1-दिवसीय प्रशिक्षण काय्रक्रम

इस कार्यक्रम का उद्देश्य शैक्षणिक संस्थाओं, विश्वविद्यालय अध्यापकों, अनुसंधानकर्त्ताओं, आविष्कारकों तथा आम जनता को बौद्धिक सम्पदा की प्राथमिक जानकारी उपलब्ध कराना है।

संकाय:

इन प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों हेतु संकाय-सदस्य के रूप में पेटेंट कार्यालय तथा व्यापार चिह्न पंजीकरण के साथ-साथ देश के अन्य प्रतिष्ठित संगठनों के बौद्धिक सम्पदा अधिकार के विशेषज्ञ हैं।

वर्ष 2002-2011 (मार्च) के दौरान संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण

वर्ष	प्रशिक्षण कार्यक्रम की अवधि				कुल
	1 दिवसीय	2 दिवसीय	3 दिवसीय	5 दिवसीय	
2002-2003	7	2	--	1	10
2003-2004	1	4	--	2	07
2004-2005	5	4	4	5	18
2005-2006	--	--	--	--	--
2006-2007	5	--	2	2	09
2007-2008	1	4	2	2	09
2008-2009	7	11	--	7	25
2009-2010	5	14	--	4	23
2010-2011	1+5 (जागरूकता कार्यक्रम)	11	---	2	19
कुल	37	50	8	25	120

वर्ष 2002-2011(मार्च) के दौरान अर्जित राजस्व तथा व्यय का विवरण

वर्ष	व्यय	राजस्व
2002 - 2003	6,28,603/-	1,13,300/-
2003 - 2004	5,09,090/-	1,19,950/-
2004 - 2005	5,32,862/-	1,61,050/-
2005 - 2006	3,16,051/-	3,750/-
2006 - 2007	8,20,803/-	91,050/-
2007 - 2008	3,62,438/-	2,34,446/-
2008 - 2009	19,94,374/-	4,88,500/-
2009 - 2010	19,95,497/-	5,67,250/-
2010 - 2011	15,87,286/-	4,73,600/-

राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान में प्रशिक्षण के दौरान समाहित विषय

भारत की पेटेंट प्रणाली [2-दिवसीय]

बौद्धिक सम्पदा अधिकार, पेटेंट योग्य होने के मापदंड, पेटेंट आवेदन दाखिल करने की प्रक्रिया, परीक्षण प्रक्रिया का परिचय, निरसन, प्रत्यावर्तन, अतिलंघन, पेटेंट सूचना एवं शोध का परिचय।

पेटेंट दस्तावेज/विनिर्देश/प्रारूपन तैयार करना [2-दिवसीय]

बौद्धिक सम्पदा अधिकार, पेटेंट योग्य होने के मापदंड, पेटेंट आवेदन दाखिल करने की प्रक्रिया, अनंतिम एवं पूर्ण विनिर्देश, पेटेंट विनिर्देश का लेख, दावे और विनिर्देश के प्रारूपन का महत्व।

पेटेंट में उन्नत प्रशिक्षण पाठ्यक्रम [5-दिवसीय]

पेटेंट प्रणाली का इतिहास, बौद्धिक सम्पदा अधिकार का परिचय, पेटेंट योग्य होने के मापदंड, पेटेंट आवेदन दाखिल करने की प्रक्रिया, प्रकाशन, अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य एवं दाखिल करने की प्रक्रिया, पेटेंट विनिर्देश का लेख, दावे, पेटेंट विनिर्देश का प्रारूपन, आपत्ति, अतिलंघन अनिवार्य, लाईसेंसिंग एवं तकनीकी, पेटेंट सूचना एवं अन्वेषण।

बौद्धिक सम्पदा अधिकार प्रबंधन

भारत में बौद्धिक सम्पदा लाईसेंसिंग अंतर्राष्ट्रीय सूचना हस्तांतरण के बौद्धिक सम्पदा निरीक्षण का बौद्धिक सम्पदा अधिकार प्रबंधन में संक्षिप्त परिचय।

व्यापार चिह्न का प्रसंस्करण [1-दिवसीय]

बौद्धिक सम्पदा अधिकार का परिचय, व्यापर चिह्न, व्यापार चिह्न की पंजीकरण प्रक्रिया, लाईसेंसिंग तथा व्यापार चिह्न का विरोध क्या हैं।

डिजाइन [1-दिवसीय]

बौद्धिक सम्पदा अधिकार का परिचय, औद्योगिक अभिकल्प की संरक्षा की आवश्यकता, अभिकल्प के पंजीकरण हेतु महत्वपूर्ण आवश्यकताएं, औद्योगिक अभिकल्प अधिनियम द्वारा जो संरक्षित नहीं है, अभिकल्प के पंजीकरण हेतु शुल्क अवधि और शुल्क।

परिशिष्ट-I

पेटेंट सूचना पद्धति/राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रशिक्षण प्रबंधन संस्थान, नागपुर

1 अप्रैल 2010 से 31 मार्च 2011 तक की अवधि के लिए पेटेंट सूचना पद्धति/राष्ट्रीय बौद्धिक प्रबंधन संस्थान,नागपुर के कार्य निष्पादन संबंधी विवरण:

1.	वास्तविक व्यय (क) पीआईएस (ख) एनआईआईपीएम	रू. 1,13,09,104/- रू. 15,87,286/-
2.	राजस्व (क) पीआईएस (ख) एनआईआईपीएम	रू. 65,985/- रू. 4,73,600/-
3.	पेटेंट प्रतियों की आपूर्ति	07
4.	विभिन्न प्रकार के एकस्व अन्वेषण	20
5.	आईपीटीआई प्रशिक्षण कार्यक्रमों/पेटेंट सूचना पद्धति, नागपुर के संदर्भ में चलाए गए सूचना एवं जनसंपर्क कार्य	437
6.	एनआईआईपीएम प्रशिक्षण कार्यक्रमों हेतु पाठ्य सामग्री की तैयारी	110
7,	संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	एक दिवसीय- 1 कार्यक्रम दो दिवसीय-11 कार्यक्रम पांच दिवसीय-2 कार्यक्रम जागरूगता कार्यक्रम- 5 कुल - 19 कार्यक्रम

सूचना अधिकार अधिनियम, 2005
2010-2011 के दौरान

प्राप्त अनुरोधों की संख्या	निस्तारित अनुरोधों की संख्या
11	11

अध्याय -IX

प्रशिक्षण कार्यक्रम & बर्हि-क्रियाकलाप

1. परिचय:

भारत सरकार ने बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों के लिए क्षमता सृजन तथा मानव संसाधन विकास हेतु महत्वपूर्ण पहल किए हैं। पेटेंट तथा व्यापार चिह्न परीक्षकों एवं अन्य अधिशासियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी आयोजित किए गए हैं।

भारत सरकार ने आम जनता के साथ-साथ शोध व विकास संस्थानों, वैज्ञानिक संस्थानों एवं विश्वविद्यालय के लिए संपर्क कार्यक्रम संचालित करने की दिशा में भी पहल किया है। बौद्धिक सम्पदा अधिकारी सीआईआई, फिक्की, एसोचेम, जैसे औद्योगिक संगठनों एवं टीआईएफएसी, एनआरडीसी, डीआरडीओ आदि जैसे वैज्ञानिक संगठनों द्वारा संचालित जागरूकता कार्यक्रमों में संसाधन व्यक्ति के रूप में नियमित भाग लेते रहे हैं।

2. प्रशिक्षण कार्यक्रम

वर्ष 2010-11 के दौरान कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न के अधिकारियों ने वाइपो और विदेशी बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों द्वारा संचालित विभिन्न प्रशिक्षण, सेमिनार और कार्यशालाओं में प्रतिभागिता दी। इन अधिकारियों ने जिन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया उनके वर्णन निम्नवत् है:

कार्यक्रम का नाम	प्रतिभागी अधिकारियों की संख्या
22 मार्च से 11 जून 2010 तक आई पी आस्ट्रेलियन लीडरशिप एवार्ड फेलोशीप प्रोग्राम 2010	1
22 मार्च से 1 अप्रैल, 2010 तक इंटरनेशनल इंटेलेक्चुअल प्रोपर्टी ट्रेनिंग इंस्टीच्यूट (आईआईपीटीआई) देओन, कोरिया में पेटेंट नियम और परीक्षण पर वाइपो क्षेत्रीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	2
अप्रैल से सितम्बर 2010 तक जापान फंड्स इन ट्रस्ट एरेंजमेंट द्वारा वित्त पोषित फेलोशीप कार्यक्रम में जापान में वाइपो छः मास का अध्ययन सह दौरा शोध फेलोशीप	1
25 अगस्त से 9 नवम्बर, 2010 तक जेपीओ/आईपीआर पेटेंट व्यवहारिक और निर्मित प्रशिक्षण कार्यक्रम (पीपीटीटी)	3
अक्टूबर 4-5 को वाइपो एशिया पैसेफिक रिजनल फोरम ऑन इंटेलेक्चुअल प्रोपर्टी एंड ग्रीन ग्रोथ और उसके बाद अक्टूबर 6-7, 2010 को देओन, कोरिया गणतंत्र में वाइपो रिजनल सेमिनार नेशनल प्रोपर्टी स्ट्रेटेजीज एंड डेवलपमेंट	1
वाइपो और सिंगापुर के इंटेलेक्चुअल प्रोपर्टी ऑफिस द्वारा आयोजित व्यापार चिह्न के क्षेत्र में उदीयमान मुद्दों पर नीति वार्ता	1
29 से 31 मार्च 2010 तक चेंगदू सीटी, चीन में इंप्लीमेंटेशन ऑफ द वाइपो डेवपलमेंट एजेंडा पर वाइपो क्षेत्रीय सेमिनार	1
18 से 29 अक्टूबर 2010 तक टोक्यो में आयोजित औद्योगिक सम्पदा के परीक्षण व्यवहार पर वाइपो प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (अंतवर्ती/उन्नत कार्यक्रम)	2

18 से 21 अक्टूबर 2010 तक लूसान, स्वीटजरलैंड में इपीओ का पेटेंट सूचना सम्मेलन	1
8 से 10 नवम्बर 2010 तक सिंगापुर के बौद्धिक सम्पदा विवाद में वैकल्पिक विवाद निवारण पर वाइपो क्षेत्रीय सेमिनार	2
टोक्यो, जापान में 11 से 12 नवम्बर 2010 तक पेटेंट सहयोग संधि (पीसीटी) तथा चिह्न के अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरण के लिए मैड्रिड प्रणाली के विशेष संदर्भ के साथ वैश्विक बौद्धिक सम्पदा संरक्षा प्रणाली पर वाइपो अध्ययन कार्यक्रम	2
दिसम्बर 7-9, 2010 के दौरान मनीला में प्रभावी खोज माध्यमों के आई पी सूचना एवं उपयोगिता का डिजीटाइजेशन और प्रसार पर वाइपो क्षेत्रीय कार्यशाला	2
जनवरी 24-28, 2011 तक टोक्यो, जापान में आयोजित बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों के औद्योगिक सम्पदा प्रशासन और प्रबंधन पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	2

3. जागरूकता कार्यक्रम

बौद्धिक सम्पदा अधिकार के बारे में और अधिक जागरूकता सृजित करने के अपने प्रयास के अंश के रूप में कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न ने 2010-11 के दौरान 12 कार्यक्रम संचालित किए। वाइपो के साथ मिलकर इस कार्यालय ने 2 कार्यक्रम संचालित किए। कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न के अधिकारियों ने अन्य संगठनों जैसे टीआईएफएसी, एनआरडीसी, फिक्की, सीआईआई, विश्वविद्यालयों आदि द्वारा आयोजित 74 जागरूकता कार्यक्रमों में भाग लिया। एनआईआईपीएम, नागपुर ने बौद्धिक सम्पदा पर 18 जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए। इन सभी जागरूकता कार्यक्रमों में 8400 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए।

भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री ने भारतीय भौगोलिक संकेतों के पंजीकरण को बढ़ावा देने के लिए देश भर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। जिन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया वे हैं चाय, कॉफी, चावल, मसाले, तम्बाकू, बागवानी उत्पाद, हस्तकरघा उत्पाद, हस्त शिल्प, वस्त्र, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ तथा स्प्रिट एवं वाइन। इस वित्त वर्ष के दौरान रजिस्ट्री कार्यालय द्वारा 12 (बारह) सूक्ष्मग्राही सेमिनार/कार्यशालाएं संचालित की गई। (प्ररिशिष्ट-I)

डॉ. सुभाष पानी, अध्यक्ष, आईटीपीओ, एक औद्योगिक अभिकल्प जागरूकता कार्यक्रम में उद्घाटन भाषण देते हुए

5. राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा पुरस्कार:

कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न ने देश में बौद्धिक सम्पदा अधिकार के आविष्कार और सुरक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा पुरस्कारों की स्थापना की है। वर्ष 2009-10 के लिए पुरस्कार विश्व बौद्धिक सम्पदा दिवस अर्थात् 26 अप्रैल 2010 को कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न तथा कंफेडेरेशन ऑफ इंडियन इन्डस्ट्री, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक समारोह में माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री के कर कमलों से प्रदान किए गए।

श्री आनन्द शर्मा, माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री 26 अप्रैल 2010 को विश्व बौद्धिक सम्पदा दिवस के अवसर पर प्रो. समीर ब्रह्मचारी, महानिदेशक, सीएसआईआर को राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा पुरस्कार 2010 प्रदान करते हुए

माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने निम्नलिखित पुस्कार प्रदान किए:

1. किसी भारतीय संस्थान को अधिकतम संख्या में पेटेंट अनुदान प्राप्त करने हेतु पुरस्कार सीएसआईआर को 533 पेटेंट पर अनुदान प्राप्त करने के लिए दिया गया।
2. किसी भारतीय कम्पनी को अधिकतम संख्या में पेटेंट अनुदान प्राप्त करने हेतु पुरस्कार हिन्दुस्तान युनीलीवर को 118 पेटेंट पर अनुदान प्राप्त करने के लिए दिया गया।
3. किसी भारतीय व्यक्ति को अधिकतम संख्या में पेटेंट अनुदान प्राप्त करने हेतु पुरस्कार श्री वालगम राजगोपाल रघुनाथन एवं श्री रमाकांत राजाराम गायकवाड को 07 पेटेंट पर अनुदान प्राप्त करने के लिए दिया गया।
4. किसी भारतीय कम्पनी को अधिकतम संख्या में डिजाइन अनुदान प्राप्त करने हेतु पुरस्कार बिलकेयर लिमिटेड को 204 डिजाइन पंजीकरण प्राप्त करने के लिए दिया गया।
5. किसी भारतीय व्यक्ति को अधिकतम संख्या में डिजाइन अनुदान प्राप्त करने हेतु पुरस्कार श्री वल्लभ ठक्करशिभाई रमानी को 25 डिजाइन पंजीकरण प्राप्त करने के लिए दिया गया।
6. किसी भारतीय कम्पनी को अधिकतम संख्या में व्यापार चिह्न पंजीकरण प्राप्त करने हेतु पुरस्कार रिलायंस इन्डस्ट्रीज लिमिटेड को 1437 व्यापार चिह्न पंजीकरण प्राप्त करने के लिए दिया गया।

भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री द्वारा कोच्चि में आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए
श्री पी.एच. कुरियन, महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न

अध्याय - X

मानव संसाधन

1.परिचय:

कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न का प्रधान महानियंत्रक होता है। उसके अधीक्षण एवं प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत पेटेंट कार्यालय, व्यापार चिह्न पंजीकरण, भौगोलिक संकेत पंजीकरण, पेटेंट सूचना पद्धति एवं राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान अपनी गतिविधियाँ निष्पादित करते हैं। भारत सरकार ने 11वीं योजना के दौरान बढ़े हुए लक्ष्य की प्राप्ति हेतु मानव संसाधन के सुदृढ़ीकरण एवं संवर्द्धन के लिए पेटेंट तथा व्यापार चिह्न कार्यालयों के लिए 414 अतिरिक्त पदों की संस्तुति प्रदान की है। इन पदों में से 200 पद पेटेंट परीक्षकों तथा 37 पद व्यापार चिह्न परीक्षकों के हैं। इसके साथ ही साथ सरकार ने राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधक संस्थान (NIIPM) के लिए 12 अतिरिक्त पद भी सृजित किए हैं।

परीक्षक, एकस्व व अभिकल्प के रिक्त पदों को भरने के लिए सीजीपीडीटीएम ने उपर्युक्त पदों पर नियुक्ति हेतु परीक्षा संचालित करने के लिए शोध और मूल्यांकन परिषद, वैज्ञानिक और औद्योगिक शोध संस्थान के साथ एक सहमति की थी। तदनुसार जनवरी 2011 में एक अखिल भारतीय परीक्षा आयोजित की गई एवं जून 2012 तक योग्य प्रतिभागियों के परिणाम घोषित किया जाना अपेक्षित है।

मानव संसाधन से संबंधित सीमाओं के कारण प्रतिवेदन वर्ष के दौरान इस कार्यालय के विभिन्न शाखाओं के सुचारू कार्य एवं परिणाम निरंतर प्रभावित हुए हैं। वर्ष 2011-12 के दौरान 257 पेटेंट परीक्षकों के योगदान देने की संभावना है।

2. विभिन्न बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों में मानव संसाधन:

क. मुम्बई में स्थित कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न:

कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न मुख्यालय में निम्नलिखित सहायककर्मी हैं। हालाँकि, इस कार्यालय के सहज परिचालन के लिए पेटेंट और व्यापार चिह्न कार्यालयों से अधिशासी प्रतिनियुक्त किए गए हैं।

क्र.सं.	पदनाम	पदों की संख्या	
		अनुमोदित शक्ति	नियोजित शक्ति
1.	महानियंत्रक	1	1
2.	निजी सचिव	1	1
3.	स्टाफ कार ड्राइवर	1	1
4.	चपरासी	2	1
	कुल	**5**	**4**

ख. पेटेंट कार्यालय में मानव संसाधन:

पेटेंट कार्यालयों की कार्मिक शक्ति परिशिष्ट-क में दर्शायी गई है। यह परिशिष्ट सभी चार कार्यालयों में अनुमोदित कार्य-शक्ति के साथ-साथ नियोजित कार्मिक शक्ति की भी सूचना प्रदान करती है।

परिशिष्ट- "क"

31 मार्च, 2011 को अधिकारी व कर्मचारियों की कार्मिक शक्ति का विवरण

क्र. स.	पदनाम	वर्ग	अनुमोदित शक्ति										नियोजित शक्ति									
			कोलकाता		मुम्बई		चेन्नई		दिल्ली		कुल		कोलकाता		मुम्बई		चेन्नई		दिल्ली		कुल	
			गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.
1	वरिष्ठ संयुक्त नियंत्रक, एकस्व व अभिकल्प	समूह क	0	0	0	1	1	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	0	0	0	0	1
2	संयुक्त नियंत्रक, एकस्व व अभिकल्प	समूह क	1	0	0	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
3	उप नियंत्रक, एकस्व व अभिकल्प	समूह क	2	2	1	2	2	2	2	2	7	8	0	1	0	1	1	2	1	1	2	5
4	सहायक नियंत्रक, एकस्व व अभिकल्प	समूह क	10	9	7	6	5	14	11	12	33	41	10	9	6	6	5	14	10	7	31	36
5	परीक्षक, एकस्व व अभिकल्प	समूह क	14	--	14	--	24	--	30	--	82	200*	13	--	14	--	22	--	30	--	79	--
6	हिन्दी अधिकारी	समूह क	1	--	--	--	--	--	--	--	1	--	1	--	--	--	--	--	--	--	1	--
7	सिस्टम एनालिस्ट/ कम्प्यूटर प्रोगामर	समूह क	--	--	--	--	--	--	--	--	--	2*	--	--	--	--	--	--	--	--	--	0
		कुल:	28	11	22	10	32	16	43	14	125	253	24	10	20	8	28	16	41	8	113	42
1	प्रशासनिक अधिकारी	समूह ख	1	--	1	--	1	--	1	--	4	--	1	--	1	--	1	--	0	--	3	--
2	सहायक पुस्तकाध्यक्ष व सूचना अधिकारी	समूह ख	1	--	--	--	--	--	--	--	1	1*	0	--	--	--	--	--	--	--	0	0
3	लेखा अधिकारी	समूह ख	--	--	--	--	--	--	--	--	--	1*	--	--	--	--	--	--	--	--	--	0
4	जन सूचना अधिकारी	समूह ख	--	--	--	--	--	--	--	--	--	1*	--	--	--	--	--	--	--	--	--	0
		कुल	2	--	1	--	1	--	1	--	5	3*	1	--	1	--	1	--	0	--	3	0
1	कार्यालय अधीक्षक	समूह ख (अराजपत्रित)	20	1	12	1	10	3	12	2	54	7	18	1	9	1	6	-	12	-	45	2
2	पुस्तकालय सूचना सहायक	समूह ख (अराजपत्रित)	1	-	1	-	1	-	2	-	5	-	1	-	1	-	-	-	2	-	4	-

3	हिन्दी अनुवादक	समूह ख (अराजपत्रित)	1	-	1	-	1	-	1	-	4	-	1	-	-	-	-	-	1	-	2	-
4	आशुलिपिक वर्ग-1	समूह ख (अराजपत्रित)	4	-	2	-	2	-	2	-	10	10*	4	-	2	-	2	-	2	-	10	0
5	एकॉउंटेन्ड	समूह ख (अराजपत्रित)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	1*	-	-	-	-	-	-	-	-	-	0
6	फोटोग्राफी सहायक	समूह ग	1	-	1	-	1	-	1	-	4	-	1	-	1	-	1	-	1	-	4	-
7	आशुलिपिक - वर्ग-II	समूह ग	1	-	-	-	-	-	-	-	1	-	1	-	-	-	-	-	-	-	1	-
8	प्रवर श्रेणी लिपिक	समूह ग	39	-	4	-	6	-	8	-	57	-	37	-	2	-	6	-	7	-	52	-
9	निम्न श्रेणी लिपिक	समूह ग	18	-	2	-	10	-	14	-	44	-	18	-	1	-	9	-	14	-	42	-
10	हिन्दी टंकक	समूह ग	1	-	-	-	-	-	-	-	1	-	1	-	-	-	-	-	-	-	1	-
11	रिसेपस्नीस्ट	समूह ग	-	-	-	-	-	-	-	-	-	2*	-	-	-	-	-	-	-	-	-	0
12	डाटा इंट्री ऑपरेटर	समूह ग	-	-	-	6	-	7	-	7	-	20	-	-	-	-	-	-	-	-	-	0
13	मल्टी-टास्क स्टाफ	समूह ग	42	-	5	-	10	-	10	-	67	-	41	-	4	-	8	-	6	-	59	-
		कुल	**128**	**1**	**28**	**7**	**41**	**10**	**50**	**9**	**247**	**40**	**124**	**1**	**20**	**1**	**32**	**1**	**45**	**--**	**220**	**2**
		कुल योग	**158**	**12**	**51**	**17**	**74**	**26**	**94**	**23**	**377**	**296**	**148**	**11**	**41**	**9**	**61**	**16**	**86**	**8**	**336**	**44**

*नियुक्ति पूर्ण होने के पश्चात् वितरण किया जाना है

ग. व्यापार चिह्न पंजीकरण में मानव संसाधन:

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री की स्वीकृत कार्मिक शक्ति गैर योजना के तहत 254 तथा योजना के तहत 111 है। इनमें रजिस्ट्री के सबलीकरण के लिए 2002 में संविदा आधार पर परीक्षकों के 27 मंजूर पद प्रशासनिक आधार पर शामिल हैं। दिनांक 31 मार्च, 2011 में स्वीकृत पद तथा कार्यशील कार्मिक शक्ति का विवरण **परिशिष्ट 'ख'** में दिया गया है।

परिशिष्ट-ख

31 मार्च 2011 को व्यापार चिह्न कार्यालय में गैर योजना के तहत कार्मिक शक्ति का विवरण

क्र. सं.	**पदों के नाम समूह "क"**	**अनुमोदित शक्ति**						**नियोजित शक्ति**					
		मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल	मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल
1	संयुक्त पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ. सं.	1	1	-	1	-	3	-	-	-	-	-	0
2	उप पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ. सं.	1	-	2	1	1	5	-	-	2	1	-	3
3	सहायक पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ. सं.	4	1	1	2	1	9	-	1	-	1	-	2
4	वरिष्ट परीक्षक, व्यापार चिह्न व भौ. सं.	7	1	1	1	1	11	3	1	-	1	1	6
5	हिन्दी अधिकारी	1	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	0
	कुल	**14**	**3**	**4**	**5**	**3**	**29**	**3**	**2**	**2**	**3**	**1**	**11**

क्र. सं	**पदों के नाम समूह "ख"**	**अनुमोदित शक्ति**						**नियोजित शक्ति**					
		मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल	मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल
1	परीक्षक, व्यापार चिह्न व भौ.संकेत	17	2	1	2	2	24	11	1	1	2	0	15
2	प्रशासनिक अधिकारी	1	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	0
3	सहायक पुस्तकाध्यक्ष व सूचना अधिकारी	1	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	0
4	निजी सचिव	2	-	-	-	-	2	2	-	-	-	-	2
5	जन संपर्क अधिकारी	1	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	0
	कुल	**23**	**2**	**1**	**2**	**1**	**29**	**13**	**1**	**1**	**1**	**1**	**17**

क्र. सं	पदों के नाम समूह "ग"	अनुमोदित शक्ति						नियोजित शक्ति					
		मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल	मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल
1	अधीक्षक	4	0	1	1	0	6	3	0	1	1	0	5
2	पुस्तकालय व सूचना सहायक	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1
3	आशुलिपिक समूह I	3	2	2	2	1	10	1	0	0	1	0	2
4	सहायक परीक्षक, व्यापार चिह्न व भौगोलिक संकेत	13	2	2	3	1	21	4	0	0	1	0	5
5	कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक	1	0	0	1	0	2	1	0	0	0	0	1
6	सहायक अधीक्षक	7	1	1	1	1	11	5	1	0	1	1	8
7	फोटोग्राफी सहायक	1	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0
8	रोकड़िया	1	1	1	1	0	4	1	1	1	0	0	3
9	प्रवर श्रेणी लिपिक	27	5	3	4	3	42	24	5	2	5	3	39
10	आशुलिपिक समूह II	0	1	1	1	0	3	0	0	1	0	0	1
11	अवर श्रेणी लिपिक	19	6	7	2	3	37	11	5	6+2#	1	0	25
12	हिन्दी टंकक	1	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0
13	मल्टी-टास्क स्टाफ	**28**	**8**	**8**	**9**	**4**	**57**	**26**	**8**	**8**	**7**	**2**	**51**
	कुल	**106**	**26**	**26**	**25**	**13**	**196**	**77**	**20**	**13**	**17**	**6**	**141**

#वर्तमान में भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री में कार्यरत

31 मार्च 2011 को व्यापार चिह्न कार्यालय में योजना के तहत कार्मिक शक्ति का विवरण

क्र. सं	पदों के नाम समूह "क"	अनुमोदित शक्ति						नियोजित शक्ति					
		मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल	मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल
1	वरिष्ठ संयुक्त पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ.संकेत	1	-	-	-	-	1	0	-	-	-	-	0
2	संयुक्त पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ.संकेत	-	-	1	-	-	1	-	-	-	-	-	0
3	उप पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ.संकेत	2	1	1*	1	-	5	1	-	1+1#	-	-	3
4	सहायक पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ.संकेत	3	1	1+1*	3	1	10	-	-	-	-	-	0
5	वरिष्ठ परीक्षक, व्यापार चिह्न व भौ.संकेत	4	1	1+1*	5	1	13	-	-	-	-	-	0
6	विधि अधिकारी	1	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	0
7	प्रोग्रामर/आईटी विशेषज्ञ	-	-	-	1	-	1	-	-	-	-	-	0
	कुल	**11**	**3**	**6**	**10**	**2**	**32**	**1**	**-**	**2**	**-**	**-**	**3**

* भौ.सं.रजिस्ट्री के लिए
#वर्तमान में भौगोलिक संकेत पंजीकार में कार्यरत

क्र. सं	पदों के नाम समूह "ख"	अनुमोदित शक्ति						नियोजित शक्ति					
		मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल	मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल
1	परीक्षक, व्यापार चिह्न व भौ.संकेत	12	4	4+2*	12	3	27@ + 37	18@ 13	1	**1@ +1**	**1@ +3**	2	20@ +20
2	प्रशासनिक अधिकारी	-	-	-	1	-	1	-	-	-	-	-	0
3	सहायक पुस्तकाध्यक्ष व सूचना अधिकारी	-	-	1*	-	-	1	-	-	-	-	-	0
4	निजी सचिव	-	-	1	1	-	2	-	-	1	1	-	2
5	जन संपर्क अधिकारी	-	-	-	1	-	1	-	-	-	-	-	0
	कुल	**12**	**4**	**8**	**15**	**3**	**27@ + 42**	**18@ +13**	1	**1@ +2**	**1@ +4**	**2**	**20@ +22**

* भौ.सं.रजिस्ट्री के लिए
@संविदा के आधार पर व्यापार चिह्न एवं भौगोलिक संकेत के परीक्षक के लिए
#वर्तमान में भौगोलिक संकेत पंजीकार में कार्यरत

क्र. सं	पदों के नाम समूह "ग"	अनुमोदित शक्ति						नियोजित शक्ति					
		मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल	मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल
1	आशुलिपिक समूह I	1	2	2+1*	3	1	10	1	2	1	-	1	5
2	सहायक पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ.संकेत	5	-	1	4	3	13	1	-	-	1	-	2
3	डाटा एन्ट्री ऑपरेटर	-	2	4	4	2	12	-	-	-	-	-	0
4	मल्टी-टास्क स्टाफ	0	0	0	1	1	2	0	0	0	1	1	2
	कुल	**6**	**4**	**8**	**12**	**7**	**37**	**2**	**2**	**1**	**2**	**2**	**9**

* भौ.सं.रजिस्ट्री के लिए

घ. भौगोलिक संकेत पंजीकरण में मानव संसाधन:

भौगोलिक संकेत पंजीकरण की अपनी अलग अनुमोदित मानव संसाधन है। इस कार्यालय में कार्यरत कार्मियों की सूची परिशिष्ट-ग में दी गई है।

परिशिष्ट-ग

31 मार्च 2011 को भौगोलिक संकेत पंजीकरण में गैर-योजना के तहत मानव संसाधन का विवरण

क्र.सं.	पद के नाम	अनुमोदित कार्य शक्ति	नियोजित कार्य शक्ति
1.	वरिष्ठ संयुक्त पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ.संकेत	1	1*
2.	उप पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ.संकेत	0	1
3.	सहायक पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ.संकेत	1	0
4.	वरिष्ठ परीक्षक, व्यापार चिह्न व भौ.संकेत	1	0
5.	परीक्षक, व्यापार चिह्न व भौ.संकेत (संविदा आधार पर)	0	0
6.	आशुलिपिक-III	1	0
7.	दफ्तरी /चपरासी	1	1
	कुल	**5**	**2**

*वर्तमान में व्यापार चिह्न रजिस्ट्री में कार्यरत

ड. पेटेंट सूचना पद्धति और राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान में मानव संसाधन:

पेटेंट सूचना पद्धति और राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान के अधिकारियों और कर्मचारियों की सूची परिशिष्ट-घ में दी गई है।

परिशिष्ट-घ

पेटेंट सूचना पद्धति कार्यालय/राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान, नागपुर में स्वीकृत एवं नियोजित कार्मिक शक्ति का विवरण

	पद का नाम	स्वीकृत शक्ति	नियोजित शक्ति (31.3.2011 तक)
	राजपत्रित		
1.	वरिष्ठ प्रलेखन अधिकारी	2	2
2.	वरिष्ठ प्रोग्रामर	1	- (चेन्नई में स्थानांतरित)
3.	रिप्रोग्राफी अधिकारी	1	1
4.	सहायक नियंत्रक, एकस्व व अभिकल्प	-	1 (नई दिल्ली से नागपुर स्थानांतरित)
	कुल	**4**	**4**
	अराजपत्रित		
1	कार्यालय अधीक्षक	1	1
2	वरिष्ठ प्रलेखन सहायक	1	1
3	कनिष्ठ प्रलेखन सहायक	1	1
4	कनिष्ठ रिप्रोग्राफी सहायक	3	3
5	सहायक अधीक्षक	1	1
6	भंडार सहायक	1	1
7	आशुलिपिक	2	2
8	कनिष्ठ हिंदी अनुवादक	1	रिक्त
9	शेल्फ सहायक	1	1
10	प्रवर श्रेणी लिपिक	3	3
11	स्वागतकर्त्ता	1	--(वर्तमान में आईपीओ, मुम्बई में कार्यरत)
12	अवर श्रेणी लिपिक	3	3
13	हिंदी टंकक	1	1
14	डाटा एन्ट्री ऑपरेटर	2	2
15	दफ्तरी	2	2
16	चपरासी	3	3
17	फराश	1	1
	कुल	**28**	**26**
	कुल राजपत्रित और अराजपत्रित	**32**	**30**

नोट- एनआईआईपीएम के लिए कोई अलग से अनुमोदित कर्मचारी नहीं है।